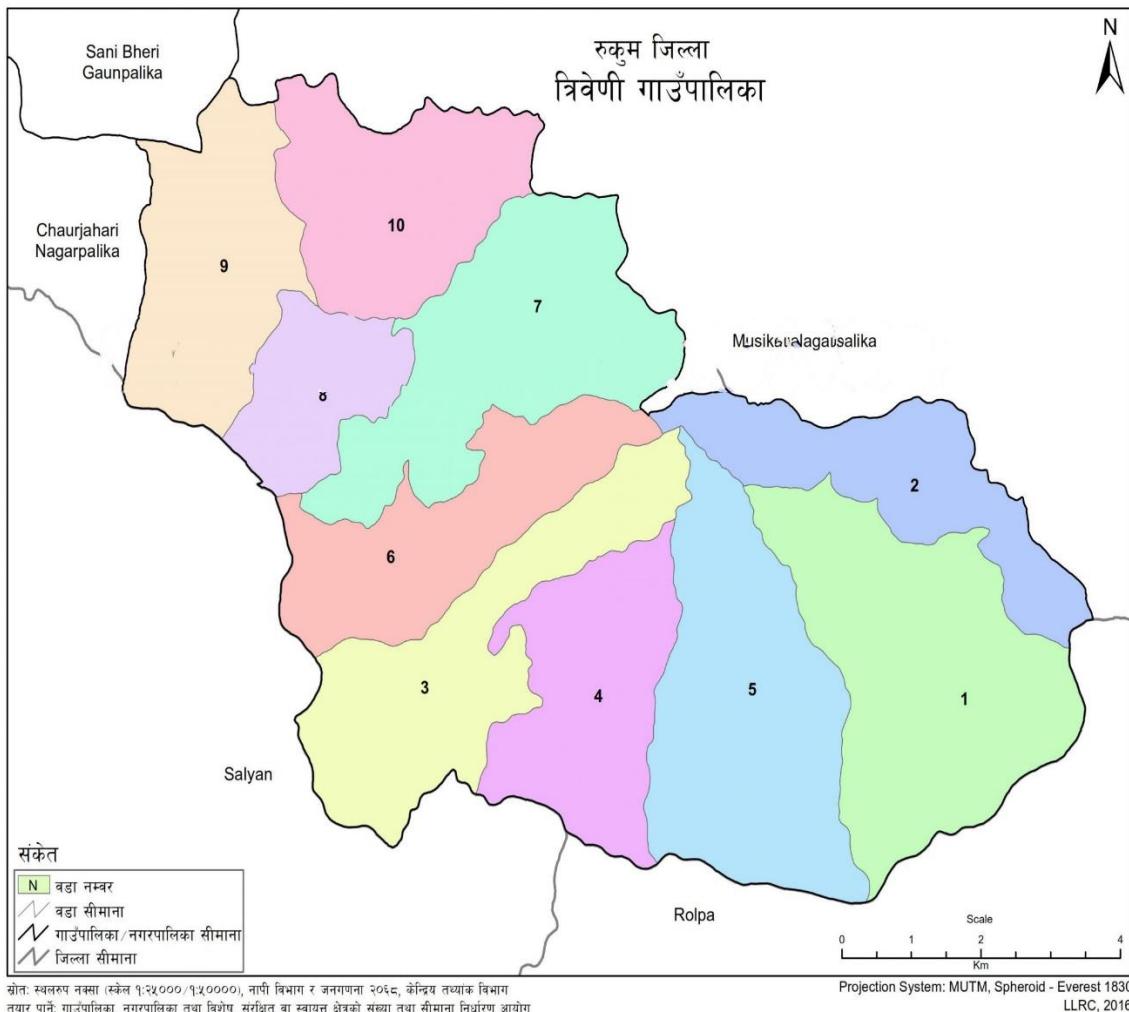


त्रिवेणी गाउँपालिका रुकुम पश्चिमको

विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना

२०८१

Disaster Preparedness and Response Plan (DPRP) Triveni Rural Municipality, Rukum West – 2081



त्रिवेणी गाउँपालिका(रुकुम पश्चिम), कर्णाली प्रदेश, नेपाल
सहयोग



योजना दस्तावेजको नाम : विपद्पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना

Disaster Prepedness and Response Plan (DPRP)

तयार गरिएको वर्ष : २०८१

योजनाको अवधि : २०८१/८२ सम्म (प्रत्येक वर्ष अद्यावधिक)

तयार गर्ने : त्रिवेणी गाउँपालिका, रुकुम पश्चिम

सहयोग : युनिसेफ नेपाल/स्याक नेपाल



त्रिवेणी गाउँपालिका गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय खारानेटा रुकुम(पश्चिम),कर्णाली प्रदेश नेपाल

नेपाल बाढी, पहिरो, भूकम्प, आगलागी, महामारी, हावाहुरी, चट्याड, असिना, खडेरी, हिमताल विष्फोट तथा हिमपहिरो जस्ता प्रकोपको उच्च जोखिममा रहेको छ। साथै जलवायु परिवर्तनका प्रतिकूल प्रभावबाट पनि नेपाल संवेदनशील अवस्थामा रहेको तथ्याङ्कले देखाएको छ। कर्णाली प्रदेश अन्तर्गत रुकुम पश्चिम जिल्लामा अवस्थित त्रिवेणी गाउँपालिका पनि भूकम्प, पहिरो, बाढी, चट्याड, खडेरी, असिना, बालिनालीमा, रोगकिरा, हावाहुरी, आगलागी, महामारी, लगायतका प्रकोपको उच्च जोखिममा रहेको छ। विपद् व्यवस्थापनको कार्यलाई प्रभावकारी बनाउने उद्देश्यका साथ यस गाउँपालिकामा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, बडास्तरीय विपद् व्यवस्थापन समितिहरू समेत गठन गरी विपद् जोखिम न्यूनीकरणका प्रयासहरू भइरहेका छन्। यस स्थानीय विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा नेपालको संविधान, विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन २०७४ (संसोधन २०७५, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, स्थानीय विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा निर्देशिका २०७८ ले तोकेको काम, कर्तव्य र अधिकार अनुरूप यो योजना तर्जुमा भएको छ। यस योजनाको कार्यान्वयन, गाउँपालिकाका सम्बन्धित विकास समिति र शाखाहरूको अगुवाइमा द वटा कलष्टरहरू निर्माण गरी विपदका समयमा आवश्यकता अनुसार तत्काल परिचालन हुने गरी तयारी अवस्थामा राखिनेछ। साथै छिमेकी पालिकाहरू, जिल्लास्थित विषयगत कार्यालयहरू, प्रदेश सरकार, सङ्गीय सरकार, दातृ निकायहरू, अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूबाट सहयोग प्राप्त हुने अपेक्षा राखेको छु। यसका साथै यस गाउँपालिकामा कार्यरत सबै साभेदार निकायलाई विकासका परियोजनाहरू सञ्चालन गर्दा विकासका विषयगत क्षेत्रमा विपद् जोखिम व्यवस्थापनका विषयहरूलाई मूलप्रवाहीकरण गरिदिनुहुन आग्रह समेत गर्दछु।

यस योजना तर्जुमा गर्दा नगरपालिकामा द वटा कलष्टर निर्माण गरी कलष्टर अगुवा र सदस्य हरु संग छलफल र सुभाव का आधारमा प्रतिकार्य र पुर्व तयारीका क्रियाकलापहरु तय गरिएको थियो आशा छ, यो योजना मा उल्लेख गरिएका क्रियाकलापहरुको कार्यान्वयन वाट गाउँपालिकामा विपदवाट हुने क्षति न्युनिकरण मा सहयोग पुग्ने छ।

योजना निर्माणमा उल्लेख्य योगदान गर्नुहुने गाउँपालिका उपाध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्यहरू, वडाध्यक्ष लगायत सम्पूर्ण जनप्रतिधिहरू, गाउँपालिकाका कर्मचारीहरू, सुरक्षा निकायलगायत सम्पूर्ण लाइ धन्यवाद दिन चाहन्छु। यस योजना तर्जुमाकालागी समन्वय र सहजीकरणको महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने विपद् व्यवस्थापन सम्पर्क व्यक्ति लाइ हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु। साथै आठवटै कलष्टरमा रहेर विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका काममा प्रतिवद्द हुई योजना निर्माणमा भूमिका खेल्ने सम्पूर्ण विषयगत समिति र शाखाका प्रतिनिधिहरूलाईलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु। यो योजना तयार गर्ने प्राविधिक सहयोग गर्नुहुने परामर्शदाता श्री विकिरण गौतम तथा आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोग गर्ने युनिसेफ नेपाललाई पनि विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु।

गणेश कुमार के.सी.

गाउँपालिका अध्यक्ष तथा

अध्यक्ष स्थानिय विपद् तथा जलवायु उत्थानशिल समिति

त्रिवेणी गाउँपालिका, (रुकुम पश्चिम)

विषय सूची

| | |
|--|----|
| खण्ड १: प्रारम्भिक | 9 |
| 1.१ पृष्ठभुमी : | 9 |
| 1.२ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको उद्देश्य : | 2 |
| 1.३ योजना तर्जुमा प्रक्रिया : | 2 |
| 1.३.१ गाउँ/नगर विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक र अभिमुखिकरण : | 3 |
| 1.३.२ आधारभूत अध्ययन : | 3 |
| 1.३.३ विषयक्षेत्र (क्लस्टर) को बैठक : | 4 |
| 1.३.४ कार्यशाला गोष्ठी : | 4 |
| 1.३.५ योजनाको मस्यौदा तयारी : | 5 |
| 1.३.६ योजनामा प्रस्तावित क्रियाकलापको परीक्षण : | 5 |
| 1.३.७ पृष्ठपोषण सङ्कलन र अन्तिम मस्यौदा तयारी : | 5 |
| 1.३.८ योजनाको आवश्यकता तथा महत्व : | 5 |
| 1.३.९ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको अपेक्षित नतिजा : | 5 |
| 1.३.१० योजनाका सीमा : | 6 |
| खण्ड २ : गाउँपालिकाको परिचय | 7 |
| 2.१ परिचय : | 7 |
| 2.२ भौगोलिक अवस्था : | 8 |
| 2.३ भौगोलिक सीमाना : | 8 |
| 2.४ भू-उपयोगको अवस्था : | 8 |
| 2.५ जलवायुको अवस्था : | 9 |
| 2.६ प्राकृतिक स्रोत साधन र सम्पदा : | 10 |
| 2.७ पेसा तथा रोजगारीको अवस्था : | 10 |
| 2.८ यातायात तथा सञ्चारको अवस्था : | 10 |
| 2.९ जनसङ्ख्याको विवरण : | 11 |
| 2.१० जातजाति अनुसार जनसंख्या : | 12 |
| 2.११ अपाडगताका आधारमा जनसंख्या : | 12 |
| खण्ड ३ : विपद् जोखिमको अवस्था | 14 |
| 3.१ त्रिवेणी गाउँपालिकाका प्रमुख प्रकोपहरु : | 14 |
| 3.२ विभिन्न प्रकोपबाट विगतमा भएको क्षति : | 14 |

| | |
|--|----|
| ३.३ सम्भाव्य प्रकोप तथा सम्भावित प्रभाव क्षेत्र : | १४ |
| ३.४ विपद्को ऐतिहासिक समय रेखा : | १४ |
| ३.५ त्रिवेणी गाउँपालिकाको प्रकोप पहिचान तथा स्तरीकरण : | १६ |
| ३.६ प्रकोपहरुको संभाव्य जोखिम विश्लेषण : | १७ |
| ३.७ गाउँपालिकामा प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका क्षेत्रहरु : | १९ |
| ३.८ पूर्व सूचना प्रणाली : | २० |
| ३.९ कानूनी, नीतिगत तथा संस्थागत व्यवस्था : | २१ |
| ३.१० विषयगत क्षेत्रहरु तथा जिम्मेवार निकाय : | २१ |
| ३.१०.१ समन्वय, खोजउद्धार र सुचना तथा सञ्चार: | २१ |
| ३.१०.२ संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा : | २१ |
| ३.१०.३ खाद्य तथा कृषि : | २१ |
| ३.१०.४ गैर खाद्य सामाग्री, आश्रय स्थल : | २१ |
| ३.१०.५ खानेपानी तथा सरसफाइ : | २१ |
| ३.१०.६ स्वास्थ्य तथा पोषण : | २२ |
| ३.१०.७ शिक्षा : | २२ |
| ३.१०.८ तत्कालिन पुर्नलाभ : | २२ |
| ३.११ सरोकारवाला संस्थाहरु : | २२ |
| ३.१२ त्रिवेणी गाउँपालिकासंग रहेको क्षमता : | २४ |
| खण्ड ४ : सामान्य पूर्व तयारी योजना | २७ |
| ४.१ सामान्य पूर्वतयारी योजना (सम्पूर्ण विषयगत क्षेत्रहरूको लागि) | २७ |
| ४.२ प्रथमिकता प्राप्त रणनितिक पूर्व तयारी : | २७ |
| खण्ड ५ : आपतकालिन पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना | २९ |
| ५.१ विषयगत क्षेत्र, उद्देश्य र योजना : | २९ |
| ५.१.१ समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्र : | २९ |
| ५.१.१.१ समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्रको उद्देश्य : | २९ |
| ५.१.१.२ परिदृश्य : | ३० |
| ५.१.१.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार : | ३१ |
| ५.१.१.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार : | ३४ |
| ५.१.२ खाद्य तथा कृषि क्षेत्र : | ४० |
| ५.१.२.१ खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको उद्देश्य : | ४० |
| ५.१.२.२ परिदृश्य : | ४० |

| | |
|---|----|
| ५.१.२.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : खाद्य तथा कृषि..... | ४२ |
| ५.१.२.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : खाद्य तथा कृषि..... | ४४ |
| ५.१.३.१ गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्र : | ४८ |
| ५.१.३.१ गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्रको उद्देश्य : | ४८ |
| ५.१.३.२ परिदृश्य :..... | ४८ |
| ५.१.३.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल | ४९ |
| ५.१.३.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल | ५२ |
| ५.१.४ खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्र : | ५५ |
| ५.१.४.१ खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्रको उद्देश्य : | ५५ |
| ५.१.४.२ परिदृश्य : | ५५ |
| ५.१.४.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : खानेपानी, सरसफाइ | ५६ |
| ५.१.४.४ प्रतिकार्य योजना विषयगत क्षेत्र : खानेपानी, सरसफाइ | ६० |
| ५.१.५ स्वास्थ्य र पोषण क्षेत्र : | ६३ |
| ५.१.५.१ स्वास्थ्य र पोषण क्षेत्रको उद्देश्य : | ६३ |
| ५.१.५.२ परिदृश्य : | ६३ |
| ५.१.५.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र :स्वास्थ्य र पोषण | ६४ |
| ५.१.५.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : स्वास्थ्य र पोषण | ६९ |
| ५.१.६ शिक्षा क्षेत्र : | ७८ |
| ५.१.६.१ शिक्षा क्षेत्रको उद्देश्य : | ७८ |
| ५.१.६.२ परिदृश्य : | ७८ |
| ५.१.६.३ पूर्वतयारीकाक्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : शिक्षा | ७९ |
| ५.१.६.४ प्रतिकार्य योजना विषयगत क्षेत्र : शिक्षा | ८३ |
| ५.१.७ संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र : | ८६ |
| ५.१.७.१ संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको उद्देश्य : | ८६ |
| ५.१.७.२ परिदृश्य : | ८७ |
| ५.१.७.३ पूर्वतयारी का क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा..... | ८८ |
| ५.१.७.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा..... | ९२ |
| ५.१.८ तत्कालिन पुनर्लाभ क्षेत्र : | ९८ |
| ५.१.८.१ तत्कालिन पुनर्लाभ क्षेत्रको उद्देश्य : | ९८ |
| ५.१.८.२ परिदृश्य : | ९८ |
| ५.१.८.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : तत्कालिन पुनर्लाभ | ९९ |

| | |
|---|------------|
| ५.१.८.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : तत्कालिन पुर्नलाभ | 909 |
| खण्ड ६ : लागत अनुमान तथा श्रोत व्यवस्थापन, समन्वय, अनुगमन, समीक्षा | 908 |
| ६.१ श्रोत साधनको आंकलन : | 908 |
| ६.२ आवश्यक पर्ने श्रोत सामाग्री आंकलन : | 908 |
| ६.३ लागत अनुमान : | 908 |
| ६.४ समन्वय र सहकार्य : | 909 |
| ६.५ लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण : | 909 |
| ६.६ योजनाको अनुगमन, मूल्याङ्कन, प्रतिवेदन र सिकाइ : | 909 |
| ६.६.१ विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अनगुमनका लागि सूचक तथा लक्ष्यहरु : | 910 |
| ६.७ क्षमता विकास रणनीति र योजना : | 913 |
| ६.८ विपद पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको नियमित समीक्षा तथा अद्यावधिक : | 913 |

तालिका सुची

| | |
|---|-----|
| तालिका १ : गाउँपालिकाको वडागत क्षेत्रफल विवरण | ७ |
| तालिका २ : भुउपयोगको विवरण | ८ |
| तालिका ३ : वडागत जनसंख्या विवरण | ११ |
| तालिका ४: जातजाति अनुसार जनसंख्या विवरण | १२ |
| तालिका ५ : अपाङ्गताको विवरण | १२ |
| तालिका ६ : विपदको ऐतिहासिक समय रेखा | १४ |
| तालिका ७ : प्रकोप स्तरिकरण | १७ |
| तालिका ८ : प्रकोपहरुको संभाव्य जोखिम | १७ |
| तालिका ९ : प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका भौतिक सम्पत्तिहरु | १९ |
| तालिका १०: संस्थागत विवरण | २२ |
| तालिका ११: श्रोत साधनहरु | २४ |
| तालिका १२: समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्र | २९ |
| तालिका १३ : खाद्य तथा कृषि क्षेत्र | ४० |
| तालिका १४: गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्र | ४८ |
| तालिका १५: खानेपानी, सरसफाई क्षेत्र | ५५ |
| तालिका १६: स्वास्थ्य र पोषण | ६३ |
| तालिका १७: शिक्षा क्षेत्र | ७८ |
| तालिका १८: संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र | ८६ |
| तालिका १९: तत्कालिन पुर्नलाभ क्षेत्र | ९८ |
| तालिका २०: क्षेत्रगत प्रस्तावित अनुमानित बजेट | १०४ |
| तालिका २१: आवश्यक पर्ने श्रोत सामाग्री | १०४ |

| | |
|---|-----|
| अनुसुची १ : स्थानिय विपद व्यवस्थापन समिति..... | ११४ |
| अनुसुची २ : प्रारम्भीक द्रुत लेखाजोखा फारम..... | ११५ |
| अनुसुची ३ : बहु-क्षेत्रगत प्रारम्भक द्रुत लेखाजोखा फाराम..... | १२४ |

खण्ड १: प्रारम्भिक

१.१ पृष्ठभुमी :

नेपालको संविधानले स्थानिय तहको एकल अधिकारको सुचीमा विपद् व्यवस्थापन लाइ उल्लेख गरेको छ । त्यसै गरि विपद् व्यवस्थापनलाई संघ, प्रदेश सरकार र स्थानिय तहको जिम्मेवारी भित्र राखेको छ । संविधानिक व्यवस्थालाई कार्यान्वयन गर्न संघ, प्रदेशका साथै स्थानिय तहहरूले नीति, ऐन नियम तथा निर्देशिका तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याएका छन् । साथै विपद् व्यवस्थापनकालागी केन्द्र देखि स्थानिय स्तर सम्म संरचना गठन गरि कार्य सञ्चालन भैरहेको छ । स्थानिय विपद् तथा जलवायु उत्थानशिल समिति पनि एक संरचना हो । स्थानिय तहको विपद् व्यवस्थापनमा यसको महत्वपूर्ण भुमिका रहेको छ । स्थानिय तहमा विपद् संग प्रभावकारी प्रतिकार्य गर्न विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने हुन्छ । विद्यमान कानूनी व्यवस्था अनुरूप समेत स्थानीय तहले विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्न आवश्यक रहेको छ ।

नेपाल वहुप्रकोप बाट सृजित विपद् को जोखिममा रहेको देश हो । प्रकोप भनेको त्यस्तो घटना वा परिस्थिति हो, जसमा क्षति र हताहत गराउने, सम्पत्ति एवम् वातावरण नस्ट गर्ने सम्भावना हुन्छ भने प्रकोपका कारण सृजित विपद्ले समाजको क्रियाकलापमा गम्भीर अवरोध उत्पन्न हुन्छ, जसले गर्दा अधिक जनधन र वातावरणीय क्षति हुन्छ । त्रिवेणी गाउँपालिकापनि वहुप्रकोप भएको पालिकाहो । यस गाउँपालिकामा भूकम्प, वाढी, पहिरो को प्रकोप का साथै हावाहुरी, आगलागी, महामारी, बन्यजन्तु, बालीनालीमा रोगकिरा, चट्याङ, खडेरी, असिनापानी, सडक दुर्घटनाको प्रकोपहरु रहेका छन् । यस्ता प्रकोपबाट डरलागदा परिघटना वा परिस्थिति सृजना भई ज्यानको नोक्सानी, घाइते, स्वास्थ्यमा असर, सम्पत्तिको क्षतिको अधिक सम्भावना रहेको पाइन्छ । प्रकोपले विपद् त्यतिबेला सृजना गर्न सक्छ जुनबेला त्यस प्रकोप को संकटासन्तता तथा सम्मुखता मा रहेका व्यक्ति र समाज प्रभावित भई आफै सम्हालिन सक्दैनन् ।

विपद् भनेको यस्तो भयाभह अवस्था हो जसले गर्दा एकाएक व्यक्ति र समुदायको दैनिक दिनचर्या खलबलिन्छ र मानिसहरू पिडित हुन्छन्, जस्तो खानापिन, लत्ता कपडा, घरबास, खानेपानी, औषधोपचार, सुरक्षा जस्ता आधारभुत आवस्यकता एकाएक अवरुद्ध हुन्छन् र परिवारभित्र वा समुदायमा यी सुविधाहरू परिपूर्ति गर्ने क्षमता रहदैन । जसबाट जनधन, वातावरणको ठूलो क्षति हुन्छ । प्रभावित समाज वा समुदाय आफैले स्रोत साधनको प्रयोग गरी सामना गर्न सक्ने क्षमता रहदैन ।

विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाले, सरकार, समुदाय, व्यक्तिहरूलाई विपद्को अवस्थामा प्रभावकारीरूपले सामना गर्न सक्ने क्षमता बढाउन मद्दत गर्दछ । पूर्व तयारीभित्र आपतकालीन योजनाको निर्माण, सचेत गराउने प्रणालीको विकास र अभिलेखको व्यवस्था पर्दछ । विपद्लाई आपतकालीन व्यवस्थापन गर्न र विपद्को समयमा खोज, उद्धार, राहत जस्ता कार्य गर्नकासाथै उत्थानशील समुदायको निर्माणका लागि विपद् प्रतिकार्य योजना आवश्यक पर्दछ ।

विपद् व्यवस्थापनका विभिन्न चरणमा गरिने कार्यहरूमध्ये विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना ए महत्वपूर्ण पक्ष हो । यस योजनाले विपद् हुनु पहिले र विपद्को अवस्था समाप्त नभएसम्म गरिने कार्यलाई समेटेको हुन्छ । विपद्मा परेका व्यक्ति तथा समुदायको तत्काल खोजी र उद्धार गरी मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउन स्थानीयतह, सरकारी, गैरसरकारी निकाय तथा र निजी क्षेत्रका सरोकारवालाहरूले विपद्बाट

प्रभावित परिवारहरूलाई सहयोग गर्नु पर्दछ । यदि गरिएन भने त्यस समयमा धनजनको थप क्षति हुन पुग्दछ । यसरी विपद्को प्रभावमारी प्रतिकार्य योजनावद्व तरीकाले गर्नु पर्दछ । यसका लागी क्षेत्रगत अवधारणा (cluster approach) अनुसार गर्नु पर्दछ जस्ते गर्दा प्रतिकार्य का कार्यहरु व्यवस्थित र प्रभावकारी भइ थप क्षति लाइ रोक्न वा घटाउन सकिन्छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा क्षेत्रगत अवधारण अनुसार पुर्वतयारी र प्रतिकार्य गर्न द वटा क्षेत्र पहिचान गरीएको छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा जलवायु परिवर्तन तथा अन्य विभिन्न कारणबाट विपद् जोखिमको अवस्थामा वर्षेनी वृद्धि हुने गरेको छ । गतबर्ष कार्तिक महिनामा गएको भुकम्पले यहा ठुलो क्षति गरेको छ । यस गाउँपालिकामा विपद्बाट हुने जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्न, विपद्को प्रतिकार्य र पुर्नलाभ र यस कार्यमा सरोकारवालाहरु बीचको समन्वयलाई प्रभावकारी बनाउन यो योजना तयार गरिएको हो ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ को उपदफा (२) को खण्ड (न) र नेपाल सरकारबाट जारी विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन, २०७६ अनुरूप गाउँपालिकाले यो विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना, २०८१ तयार गरेको छ ।

१.२ विपद् पूर्वतयारी तथाप्रतिकार्य योजनाको उद्देश्य :

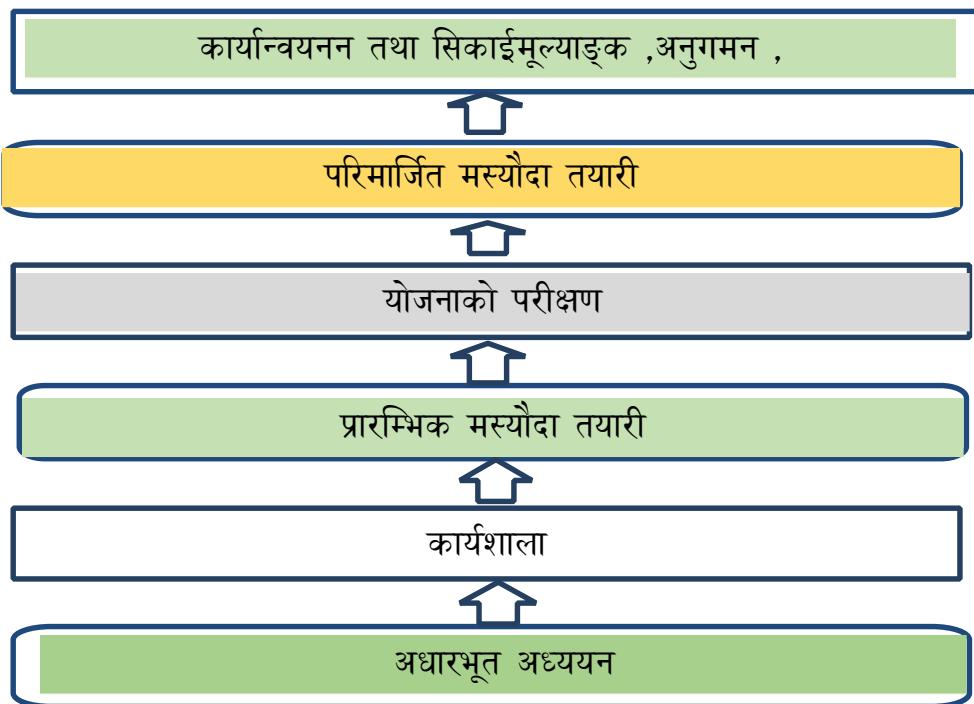
त्रिवेणी गाउँपालिकामा सम्भावित प्रकोपका घटनाबाट सृजित हुने विपद्को सामना गर्न तथा विपद्बाट हुन सक्ने जनधनको क्षति कम गर्न स्थानीय स्रोतसाधनको अधिकतम उपयोग गर्दै विभिन्न निकायसंगको समन्वय र सहकार्यमा प्रभावित समुदायलाई व्यवस्थित, प्रभावकारी तथा जवाफदेही ढंगले जनधनको क्षति कमगर्नु र मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनु यस योजनाको मूल उद्देश्य रहेको छ । यस योजनाका अन्य उद्देश्य निम्नअनुसार छन् :

- विपद्को लेखाजोखा, जोखिम नक्साङ्कन, विगतमा घटेका विपद्का घटनाहरूको तथ्याङ्क सङ्कलन र विश्लेषणका आधारमा जोखिम सूचित योजना तर्जुमा गर्नु ।
- विपद् प्रतिकार्यका लागि सामान्य पूर्वतयारी, पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी तथा आपत्कालीन प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु तय गर्नु
- विपद् प्रतिकार्यका लागि मुख्य जिम्मेवार तथा सहयोगी निकायहरूको पहिचान र अद्यावधिक गर्नु ।
- विपद्मा परेका व्यक्ति, परिवार र समुदायलाई तत्काल खोज, उद्धार गरी मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनु ।
- विपद् प्रतिकार्यकालागी विषयगत क्षेत्रहरूको भुमिका र जिम्मेवारी निर्धारण गर्नु ।
- विपद्बाट प्रभावित समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्नका लागि आधारभूत सहयोग उपलब्ध गराउनु ।
- उपलब्ध साधन-स्रोतको अधिकतम उपयोग गर्दै आवश्यक पर्ने थप साधन-स्रोतको खोज गर्न सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय गरी विपद् प्रभावित समुदायलाई सहयोग उपलब्ध गराउनु ।

१.३ योजना तर्जुमा प्रक्रिया :

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन, २०७६ ले गाउँ/गाउँपालिकाको स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको नेतृत्व र विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापनको क्षेत्रमा संलग्न निकाय तथा विषयक्षेत्रको सहभागितामा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ । सोही व्यवस्था अनुसार यस गाउँपालिकाले सहभागितामूलक प्रक्रिया अपनाई विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य

योजना तर्जुमा गरेको छ। विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्दा अवलम्बन गरिएको प्रक्रियागत ढाँचा देहाय बमोजिम रहेको छ:



माथि उल्लिखित ढाँचामा योजना तर्जुमाका चरणहरूको संक्षेपमा तल चर्चा गरिएको छ।

१.३.१ गाउँ/नगर विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक र अभिमुखिकरण :

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयारीका लागि सर्वप्रथम मिति २०८१ भदौ १४ मा गाउँपालिकाको विपद् व्यवस्थापन समितिले तयारी बैठकको आयोजना गरेको थियो। बैठकले योजना तर्जुमा गर्न द वटा विषयक्षेत्रहरूको निर्धारण गर्नुका साथै विगतका विपद् का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्क, प्रकोप नक्सा, सङ्कटासन्तता तथा जोखिम आंकलन, पूर्वानुमान एवम् पूर्वसूचना प्रणाली र विपद् सम्बन्धी विद्यमान सन्दर्भ सामग्रीको समीक्षा गर्न र योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग गर्नका लागि योजना तर्जुमा समिति र विज्ञ समेत रहेको प्राविधिक कार्यसमूह (Technical Working Group) गठन गरेको थियो। स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठकले कार्य समूलाई काम, कर्तव्य र जिम्मेवारी प्रदान गरेको थियो। बैठकले स्थानीय तहमा कार्यरत सरोकारवाला र साझेदार संस्थाको पहिचान तथा सूचीको प्रस्ताव तयार गरी सूचीलाई पूर्णता प्रदान गर्ने विषयलाई कार्यसमूहको जिम्मेवारीमा समावेश गर्ने निर्णय समेत गरेको थियो। यसरी पहिचान गरिएका सरोकारवाला निकायहरूको विवरण अनुसूची-३ मा समावेश गरिएको छ।

१.३.२ आधारभूत अध्ययन :

स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिबाट स्थानीय विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी मौजुदा नीति, योजनाहरू, विपद् का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्क र प्रकाशनहरू, प्रकोप नक्सा लगायत अन्य सान्दर्भिक सामग्रीहरूको पुनरावलोकन र समीक्षा गरी विपद् जोखिम सम्बन्धी आधारभूत अध्ययन (Baseline Study) र विश्लेषण गरिएको थियो।

योजना तर्जुमाका क्रममा देहाय बमोजिमका तथ्याङ्क, दस्तावेज, प्रकाशन र अभिलेखहरुको समेत अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको थियो ।

- विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहका नीति, ऐन, नियम तथा निर्देशिका ।
- विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन राष्ट्रिय रणनीति, तथा प्रदेश र स्थानीय तहको रणनीतिक कार्ययोजना,
- विगत ३० वर्षको अवधिको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्न विपद्का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्क र प्रकाशनहरू, प्रकोप नक्सा, सङ्कटासन्तता तथा जोखिम आंकलन, पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली सम्बन्धी तथ्याङ्क, दस्तावेज, प्रकाशन र अभिलेखहरु,
- विगतको विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना तथा विषयक्षेत्रगत आकस्मिक योजनाहरू,
- विपद्सँग सम्बन्धित प्रतिवेदनहरू,
- स्थानीय विपद्को इतिहास (भूकम्प, बाढी, पहिरो, आगलागी, महामारी, सडक दुर्घटना आदि),
- विपद् व्यवस्थापनको विगतको अभ्यास, अनुभव तथा सिकाई,
- गाउँपालिकाको प्रकोप, सङ्कटासन्तता तथा जोखिम लेखाजोखा प्रोफाइल,
- स्थानीय मौसम तथा बाढी पूर्वानुमान र पूर्वसूचना प्रणाली, महामारी निगरानी प्रणाली, सडक सुरक्षा कार्ययोजना,
- जनसंख्या विवरण, सडक सञ्चाल, नदी, बसोबास क्षेत्र तथा गाउँ/गाउँपालिकाको सीमाना देखिने नक्सा,
- गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत योजनाहरू, विषयक्षेत्रगत विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना र प्रतिवेदनहरू ।

१.३.३ विषयक्षेत्र (क्लस्टर) को बैठक :

विषयक्षेत्र अन्तर्गत पर्ने सरोकारवाला निकायहरूको पहिचान, सामान्य पूर्वतयारी योजना, पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना, आपत्कालीन प्रतिकार्य योजनाका क्रियाकलापहरु, विषयक्षेत्रसँग सम्बन्धित स्रोतहरूको आंकलन, आवश्यकताको लेखाजोखा आदि विषयहरूमा छलफल गर्न स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको आयोजनामा बैठकहरू सञ्चालन गरिएको थियो । विषयक्षेत्रगत रूपमा योजनाको प्रस्ताव तयार गर्न विषयक्षेत्रगत समितिहरू गठन गरिएको थियो ।

१.३.४ कार्यशाला गोष्ठी :

विषयक्षेत्रहरूको निष्कर्ष तथा प्राप्त योजनाको प्रस्ताव उपर छलफल गर्न स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको नेतृत्वमा कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गरिएको थियो । कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गर्नु अघि स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक बसी विषयक्षेत्रबाट प्राप्त निष्कर्ष तथा योजनाको प्रस्तावमा पर्याप्त छलफल र आवश्यक परिमार्जन गरिएको थियो । कार्यशालामा विषयक्षेत्रहरूको बैठकबाट प्रस्तावित विवरण तथा योजनाउपर छलफल गरी सुभाव सङ्कलन गरिएको थियो ।

मिति २०८१ कार्तिक ३० गते सञ्चालित कार्यशाला गोष्ठीमा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिका सदस्यहरू, विषयक्षेत्रका सदस्य सङ्घ/संस्थाहरू साथै राजनैतिक दल, निजी क्षेत्रका प्रतिनिधिहरू, विज्ञ, पत्रकार, सङ्कटासन्त समुदाय लगायतका सरोकारवालाहरुको सहभागिता रहेको थियो । कार्यशालाको सञ्चालन तथा सहजीकरण विज्ञ कार्यसमूहले गरेको थियो । योजना तर्जुमा प्रक्रियामा मानवीय सहायतामा संलग्न सरकारी निकाय तथा युनिसेफ नेपाल र सेभ द चिल्ड्रेनबाट सहयोग उपलब्ध रहेको थियो

१.३.५ योजनाको मस्यौदा तयारी :

उपलब्ध नीति, कानून तथा दस्तावेजको अध्ययन तथा विश्लेषण, विषयक्षेत्रहरूको छलफल र द्वितीय स्रोतबाट सङ्कलन गरिएका सूचनाहरू र कार्यशाला गोष्ठीबाट प्राप्त निष्कर्ष र सुभाव समावेश गरी गाउँपालिकाको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको प्रस्तुत मस्यौदा तयार गरिएको छ ।

१.३.६ योजनामा प्रस्तावित क्रियाकलापको परीक्षण :

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको मस्यौदामा प्रस्ताव गरिएका मुख्य क्रियाकलापहरु उपयुक्त भए नभएको र त्यस्तो क्रियाकलाप कार्यान्वयन गर्ने क्षमता गाउँपालिका तहमा उपलब्ध भए नभएको सुनिश्चित गर्न सरोकारवालाहरूको सहभागितामा कृत्रिम घटना अभ्यास (Simulation Exercise) मार्फत परीक्षण समेत गरिएको थियो । यस्तो परीक्षणबाट प्राप्त भएका पृष्ठपोषणलाई पनि यस योजना तर्जुमाको क्रममा ध्यान दिईएको छ ।

१.३.७ पृष्ठपोषण सङ्कलन र अन्तिम मस्यौदा तयारी :

कार्यशाला तथा कृत्रिम घटना अभ्यास समेतबाट प्राप्त पृष्ठपोषणका आधारमा तयार भएको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको मस्यौदामा सरोकारवाला निकाय, सङ्घ संस्था र विज्ञहरूको सुभाव लिईएको थियो । यसरी प्राप्त भएका सुभावलाई स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिले पूनरावलोकन गरी विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनालाई अन्तिम रूप दिईएको छ ।

१.४ योजनाको आवश्यकता तथा महत्व :

विपद् व्यवस्थापन भित्र गरीने विभिन्न चरणका कार्यहरु मध्ये प्रतिकार्य योजना विपद्का घटना घटे लगतै देखि स्थिति सामान्य नभएसम्म कार्यान्वयन हुन्छ । विपद्को यो समय ज्यादै संवेदनशील भएको र यस समयमा गरिने मानवीय सहयोगका कार्यले क्षतिलाई उल्लेख्य मात्रामा घटाउन सकिने भएकाले यस योजनाको निकै ठूलो महत्व रहेको हुन्छ । विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको आवश्यकता र महत्वलाई निम्नानुसार उल्लेख गरिएको छ ।

- मानवीय सहायता तथा विपद जोखिम व्यवस्थापनमा संलग्न निकाय एवं उपलब्ध स्रोत साधनको पहिचान गराउँछ ।
- विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागि अपुग स्रोत पहिचान गरी त्यसको पूर्तिको व्यवस्था गर्ने आवश्यक वातावरण तयार गर्छ ।
- विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यलाई विभिन्न विषयक्षेत्र अन्तर्गतका निकायहरूको भूमिका निर्धारण गरी विपद्का असरहरूको सामना गर्न एकिकृत प्रयासलाई सुनिश्चित गर्छ ।
- विपद्को समयमा मानवीय सहयोगलाई व्यवस्थित गर्ने सुनिश्चितता दिन्छ ।
- विपद् प्रभावितलाई आफ्नो अधिकार र दायित्वको बारेमा सचेत गराउँछ । उद्धार र राहत जस्ता कार्यमा प्रभावित समदायको समान पहुँचको सुनिश्चितता गर्छ ।
- आपत्कालीन समयमा सूचना र जानकारी प्रक्षेपणलाई व्यवस्थित गर्ने सहयोग गर्छ ।
- क्षेत्रगत रूपमा कामको बाँडफाँड हुने हुँदा मानवीय सहयोग पारदर्शी, प्रभावकारी र व्यवस्थित हुनुका साथै जवाफदेहिता र उत्तरदायित्वको भावना बनाउदछ ।

१.५ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको अपेक्षित नतिजा :

यस विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको समग्र उद्देश्य विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरूलाई संगठित, व्यवस्थित बनाई प्रभावकारी प्रतिकार्य मार्फत् सम्भावित र थप क्षति, नोक्सानी न्यूनीकरण गर्नु हो, साथै विपद्को समयमा प्रभावितको खोज तथा उद्धार गरी स्थानीय स्रोत साधनको

अधिकतम उपयोगद्वारा प्रभावित समुदायलाई व्यवस्थित, प्रभावकारी र जवाफदेहीयुक्त मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनु यस योजनाको मूल उद्देश्य रहेको छ । यस योजनाका विशिष्ट नितिजा निम्नअनुसार छन् :

- विपद् पूर्व गर्नुपर्ने आधारभूत जोखिम न्युनीकरणका कार्यहरु सुनिश्चित हुनेछन् ।
- विपद्का समयमा मानवीय सहयोग व्यवस्थित हुनेछ ।
- विपद्को जोखिम कम गर्न सरोकारवाला निकाय र समुदायबीच समन्वय तथा सहकार्य वृद्धि हुनेछ ।
- उद्धार र राहतजस्ता कार्यमा प्रभावित समुदायको समान पहुँचको प्रत्याभूति हुनेछ ।
- सामाजिक, साँस्कृतिक मर्यादा तथा सद्भाव अभिवृद्धि भई विपद्को सामनामा एकजुट हुने वातावरण तयार हुनेछ ।
- क्षेत्रगत रूपमा कामकोबाँडफाँड हुने हुँदा मानवीय सहयोग, पारदर्शी, प्रभावकारी र व्यवस्थित हुनुका साथै जवाफदेहिता र उत्तरदायित्वका भावनाको विकास हुनेछ ।
- मानवीय क्षेत्रमा कार्यरत संघ संस्थाहरु पहिचान भई स्रोत र साधनको आँकलन हुनेछ ।

१.६ योजनाका सीमा :

यस योजनाले विगतको अनुभवको आधारमा विपद्का मुख्य स्रोतहरु भुकम्प, पहिरो, बाढी, बन्यजन्तु आतंक, हावाहुरी आगलागी, महामारी, रुखभिर, सङ्कट दुर्घटना, असिना, चट्टाडाङ्गस्ता विपद्का घटनाबाट प्रभावित घरघुरी एवम् परिवार संख्याहरुबाट अनुमान गरिएको छ । पूर्वतयारी र प्रकोपको स्तर अनुसार वास्तविक क्षति नोक्सानीको आकार घटबढ हुन सक्नेछ । विपद् जोखिम व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन विपद् स्थल, बन्दोवस्ती व्यवस्थापन र आपत्कालीन स्वास्थ्य सेवा योजना महत्वपूर्ण हुन्छ । अतः यस योजनामा उल्लेख भए अनुरूप विभिन्न विषयगत समितिका बैठकहरु बसी यस सम्बन्धमा थप गृहकार्य गरी स्पष्टता कायम गर्न सकिएमा मात्र योजना प्रभावकारी हुन सक्नेछ । विपद्को अवस्थामा योजना अनुरूप मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउन र पुर्नलाभ सम्म पुग्न स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिसँग स्रोतको अभाव हुनसक्ने भएकोले योजना अनुरूप विपद् प्रतिकार्यका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न संघीय सरकार, प्रदेश सरकार र मानवीय सहायतामा सलग्न संघसंस्थाहरुको सहयोग लिनुपर्ने अवस्था छ । प्रतिकार्य योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न विषयगत क्षेत्रलाई दक्ष र जनशक्ति तयार गर्नुपर्नेछ । यो योजना कार्यान्वयन गर्ने सन्दर्भमा सम्बन्धित सरकारी कार्यालय, स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय, नीरिज क्षेत्र, गैर सरकारी क्षेत्रका निकायहरुले वार्षिक योजना बनाउदा यसमा रहेका पक्षहरुलाई समेत समेटी योजनामा समावेश गर्नुपर्नेछ ।

खण्ड २ : गाउँपालिकाको परिचय

२.१ परिचय :

नेपालको कर्णाली प्रदेश अन्तर्गत पर्ने रुकुम (पश्चिम) जिल्लामा अवस्थित त्रिवेणी गाउँपालिका नेपालको संविधानको धारा २९५ को उपधारा (३) बमोजिम कायम भएका गाउँपालिका, गाउँपालिका मध्ये एक हो । यो गाउँपालिका रुकुम पश्चिम जिल्लाको दक्षिणी पश्चिम क्षेत्रमा अवस्थित छ । यो गाउँपालिका साविक रुकुम जिल्लाका रुघाँ, खारा, मुरू, पेउधार र नुवाकोट गा.वि.स को ३ नम्बर वडा गरी जम्मा ५ वटा गाउँ विकास समितिहरूलाई समावेश गरेर स्थापना गरिएको हो । जम्मा १० वटा वडा रहेको यस गाउँपालिकाको मुख्य प्रशासनिक केन्द्र खारानेटामा रहेको छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा उच्च लेकाली क्षेत्र डल्सडे लेक, सुकीदह, खौला, भुलेटा, बाद्ने लेक, नुवाकोट डाँडा जस्ता टाकुरा, रुघाँ, खारा, खुम्चेरी, मुरुडाँडा, टोटके जस्ता होचा, अगला पहाडी बस्तीहरू र साना तथा ठुला खोलाका तटीय क्षेत्र पेदीखोला, काँगेखोला, सिम्रुतु खोला जस्ता साना फाँट र जिउलाका बस्तीहरू अवस्थित रहेका छन् । यस गाउँपालिका अन्तर्गतका अधिकांश भूभाग समेटने क्षेत्रहरू रुघाँ, खारा र मुरुबाट बग्ने सबै खोला तथा खहरेहरू सिम्रुतुमा मिलन हुने र यस स्थानलाई त्रिवेणी भन्ने गरिएकोले यस गाउँपालिकाको नाम पनि त्रिवेणी नामकरण गरिएको छ । यसको कुल क्षेत्रफल ८५.४९ वर्ग किलोमिटर रहेको छ । स्थानिय तहको पुर्नसंरचना भइ यो गाउँपालिकाको गठन २०७३ फागुन २७ गते भएको हो ।

तालिका १ : गाउँपालिकाको वडागत क्षेत्रफल विवरण

| वडा नं. | साविक गा.वि.स | साविक वडा | क्षेत्रफल वर्ग कि.मि. |
|---------|----------------|-----------|-----------------------|
| १ | रुघा | १,६,७,८,९ | १२.९१ |
| २ | रुघा | २,३,४,५, | ६.७१ |
| ३ | खारा | १,२,३ | ९.३१ |
| ४ | खारा | ४,५,६ | ७.५४ |
| ५ | खारा | ७,८,९ | ११.४६ |
| ६ | मुरु | १,३,९ | ७.५० |
| ७ | मुरु | ४,५,६,७,८ | १०.५३ |
| ८ | पेउधा | ५,६,७ | ४.१२ |
| ९ | पेउधा, नुवाकोट | २,३,४-३ | ७.६७ |

| | | | |
|----|-------|-------|-------|
| १० | पेउधा | १,८,९ | ७.७४ |
| | जम्मा | | ८५.४९ |

स्रोत : संघिय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको संक्षिप्त परिचय पुस्तक, २०८१

२.२ भौगोलिक अवस्था :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति २८ डिग्री ३१ मिनेट उत्तरी अक्षांशदेखि २८ डिग्री ३७ मिनेट उत्तरी अक्षांशसम्म र ८२ डिग्री २१ मिनेट पूर्वी देशान्तरदेखि ८२ डिग्री ३० मिनेट पूर्वी देशान्तरसम्म फैलिएको छ। भौगोलिक रूपमा रुघाँडाँडाको डल्सडे लेक, सुकीदह, खौलाडाँडा, बादने लेक, नुवाकोटडाँडा हुँदै टोटकेदेखि भलाक्चासम्मका श्रृङ्खलाहरूले घेरिएको त्रिवेणी गाउँपालिकाको जम्मा क्षेत्रफल ८५.४९ वर्ग कि.मि. अर्थात् ८५४९ हेक्टर जमिन ओगटेको छ। जुन रुकुम पश्चिम जिल्लाको जम्मा क्षेत्रफल १२१३.४९ वर्ग कि.मि. को झण्डै ७.०४ प्रतिशत भू-भाग हुन आउँछ। यस गाउँपालिका समुद्र सतहदेखि करिव ११२५ मिटरदेखि २६८२ मिटरसम्मको उचाइमा अवस्थित रहेको छ। यो गाउँपालिका भौगोलिक हिसाबले भिरालो, पहाडहरूले घेरिएको, थोरै भाग फाँट ज्यूला तथा वेशी रहेको छ। सडक तथा हवाई यातायातको पहुँचका कारण भने यो गाउँपालिका सुगम रहेको छ।

२.३ भौगोलिक सीमाना :

यस गाउँपालिकाको पुर्व दक्षिणमा रोल्पा जिल्लाको गंगादेव गाउँपालिका, पश्चिम दक्षिणमा सल्यान जिल्लाको बागचौर नगरपालिका, पश्चिममा सल्यान जिल्लाको दार्मा गाउँपालिका र रुकुम पश्चिमको चौरजहारी नगरपालिका, पश्चिम उत्तरमा सानीभेरी गाउँपालिका र उत्तर पुर्वमा मुसीकोट नगरपालिका पर्दछन्।

२.४ भू-उपयोगको अवस्था :

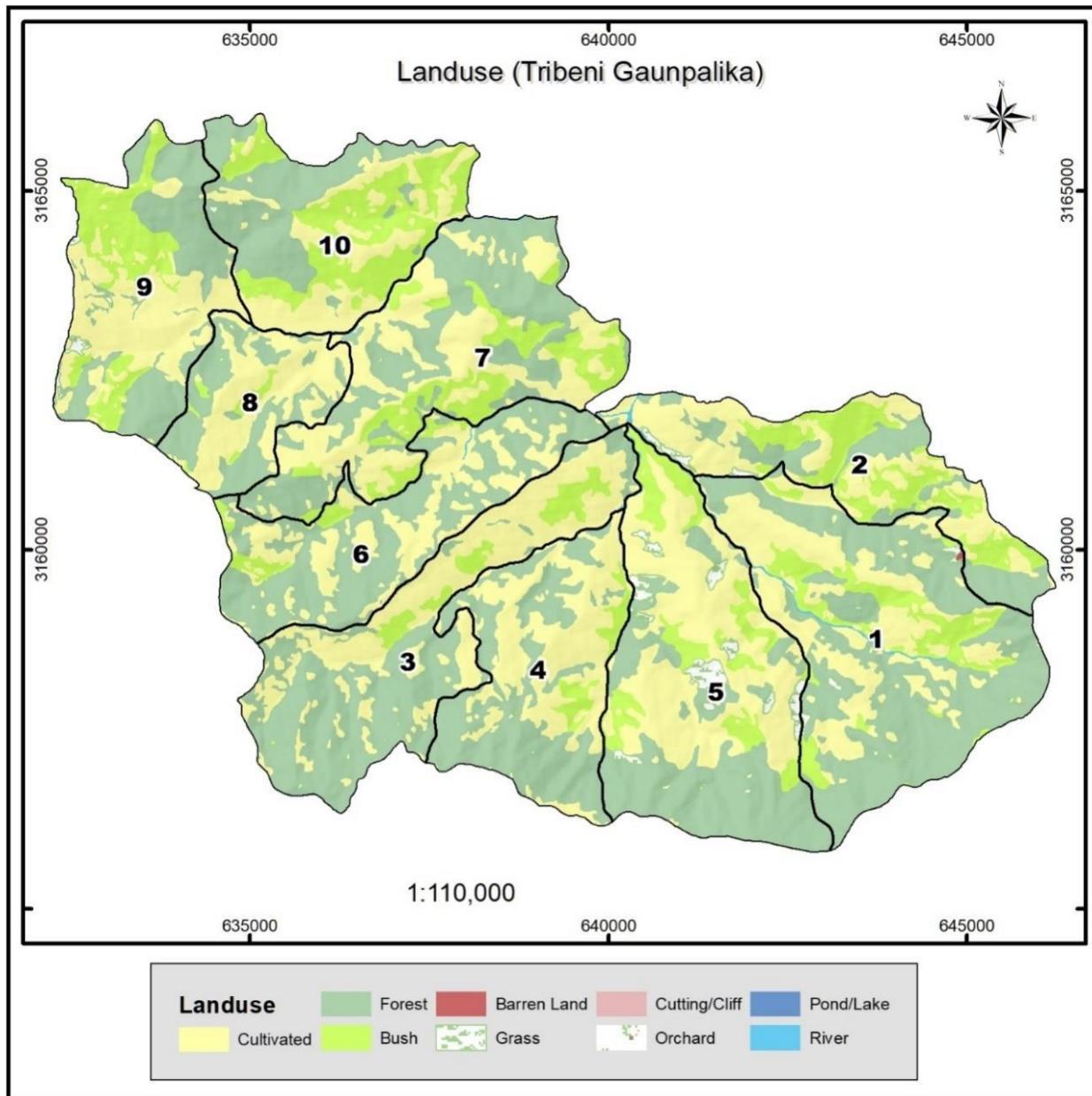
त्रिवेणी गाउँपालिकाको भू-क्षेत्र विवर्धतायुक्त छ। यस गाउँपालिकामा ३३२०.६ हेक्टर (३८.८५ प्रतिशत) खेति योग्य जमिन रहेको छ भने वन क्षेत्र ३७४२.७ हेक्टर (४३.७९ प्रतिशत), भाडी, बुट्यान १३२८.८ (१५.५५ प्रतिशत), घाँसे मैदान १०४.५ हेक्टर (१.२२ प्रतिशत) र नदी खोला ४८.८ हेक्टर (०.५७ प्रतिशत) रहेको छ। यस गाउँपालिकाले भु उपयोगको निति निर्माण गरि अगाडी बढन सके विकासमा फड्को मार्ने सम्भावना प्रसस्तै छ। गाउँपालिकाको भूउपयोगको अवस्था यस प्रकार रहेको छ।

तालिका २ : भुउपयोगको विवरण

| क्र.स. | विवरण | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) | प्रतिशत |
|--------|----------------|----------------------|---------|
| १ | खेतियोग्य जमिन | ३३२०.६ | ३८.८५ |
| २ | बनजंगल | ३७४२.७ | ४३.७९ |
| ३ | भाडी, बुट्यान | १३२८.८ | १५.५५ |
| ४ | घाँसे मैदान | १०४.५ | १.२२ |
| ५ | नदी, खोला, बगर | ४८.८ | ०.५७ |
| ६ | नाड्गो भुमी | ०.८ | ०.०९ |
| ७ | ताल / तलैया | ०.२ | ०.००२ |
| जम्मा | | ८५४६.३ | १०० |

स्रोत : त्रिवेणी गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना २०८०

त्रिवेणी गाउँपालिकाको भू-उपयोग नक्सा



२.५ जलवायुको अवस्था :

त्रिवेणी गाउँपालिकामा विविधतायुक्त हावापानी पाइन्छ । लसुने, डल्सडे, सुकीदह, खौला, बादनेलेक जस्ता क्षेत्रमा उच्च लेकाली चिसो हावापानी पाइन्छ । रुधाँ, खारा, खुम्चेरी, मुरु, पेउघा, पेदी, नुवाकोटडाँडा, टोटकेको लेक जस्ता होचा, अग्ला पहाडी बस्तीहरूमा समसितोष्ण हावापानी पाइन्छ । खारा खोला, मुरुखोला, रुधाँखोला मिसिएर बगेको सिम्रुतु खोला र काँड्गे खोलाको तल्लो तटीय क्षेत्रमा न्यानो हावापानी पाइन्छ ।

त्यसैले यस गाउँपालिकामा मध्य तथा उच्च पहाडसम्मको हावापानीको अनुभूति गर्न पाइन्छ । यस गाउँपालिकाको औसत अधिकतम् तापक्रम 25°C र न्यूनतम 11°C रहेको छ भने औषत वर्षा 1154.7 मि.मि. रहेको छ । सामान्यतः यहाँका होचा बेंसीहरूमा अर्धउष्ण मनसुनी जलवायु (Sub-Tropical Monsoon Climate) पाइन्छ भने क्रमशः उचाइ बढ्दै जाँदा न्यानो समशितोष्ण, ठण्डा समशितोष्ण हावापानी पाइन्छ ।

२.६ प्राकृतिक स्रोत साधन र सम्पदा :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको प्रमुख खोलाको रूपमा काँडगे खोला रहेको छ । अन्य खोलाहरू रुघाँ, खारा, मुरु खोला, पेउधा खोला आदि रहेका छन् । मुख्य रूपमा यी खोलाहरू बाहेक थपै पानीका मुहान तथा साना खोलाहरू पनि रहेका छन् । यी खोलाहरू सिम्रुत खोला हुदै अन्ततः लहुँ खोलामा मिसिन्छन् । यी खोलाहरूबाट विभिन्न क्षमताका साना तथा मझौला विद्युतको उत्पादनका साथै सिंचाइ समेत गर्न सकिन्छ । व्यावसायिक तरकारीको वीउ विजन उत्पादन र तरकारी खेतीका साथै पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादनका लागि जलस्रोतको उपयोग भैरहेको छ । गाउँपालिका भित्र रहेका पानीका स्रोतहरूलाई वैज्ञानिक व्यवस्थापन र दिगो सदुपयोगको नीति अवलम्बन गरी कृषिका लागि सिंचाइ र खानेपानी तथा सरसफाइका लागि उपयोग गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा मध्य तथा उच्च पहाडमा हुने वनस्पति तथा वन्यजन्तु पाइन्छन् । यस गाउँपालिकाको तल्लो नदी तटीय क्षेत्रमा साल, उत्तीस, साज, वयर, दाँते जातका भाडी जस्ता प्रजातिका वनस्पति पाइन्छन् । तल्लो लेकाली क्षेत्रमा पाइने खसु, बाँझ, अंगेर, रएज, गुँरास, क्रमश तल्लो भागमा साल, सल्ला, उत्तीस, भिमल, वर, पीपल, कोठीमारो, जामुन आदि यहाँका मुख्य वनस्पतिहरू रहेका छन् । वन्यजन्तु अन्तर्गत मृग, निगाले बाघ, बदेल, स्याल, वन विरालो, सर्प, भ्यागुतो, छेपारो, दुम्सी, च्याखुरा, चितुवा, बाँदर, स्याल, खरायो, मलस्याबो, रतुवा आदि यस क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तुहरू हुन् । त्यसैरी चराचुरुङ्गीहरूमा कोइली, काग, चिल, गिद्द, गौथली, न्याउली चरा, मलेवा, तित्रा, ढुकर, कालिज, काग, गिद्द, सारस, सुँगा आदि पाइन्छन् ।

त्रिवेणी गाउँपालिका चाडपर्व, स्थानीय मेला तथा जात्राका दृष्टिकोणले सम्पन्न रहेको छ । जसमा मुख्यगरी दशै, तिहार, माघे संक्रान्ति, चैते दशै, असारे संक्रान्ति, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, हरितालिका तीज, साउने संक्रान्ति, जैन पूर्णिमा, शिवरात्री, नाग पञ्चमी, श्रीपञ्चमी, फागु पूर्णिमा आदि रहेका छन् । यस पालिकाका मुख्य मेला तथा पर्वहरूमा पाँच पूर्णिमाको मेला नुवाकोट, भदौ १२ र २० छेलो खेल्ने पर्व, माघे संक्रान्तिको सिस्नु खेल्ने मेला आदि मेला तथा पर्वहरू हुन् । मयूर, सिगाँरु, पैसेरी, तीज, देउसी, टप्पा, भ्याउरे आदि नाच विशेष पर्व तथा उत्सवमा मनोरञ्जनका लागि नाचिन्छ । मादल, पञ्चेबाजा, बाँसुरी, तथा अन्य बाजागाजाहरू बजाएर मनोरञ्जन गर्ने गरिन्छ । यहा पर्यटकिय स्थलहरूमा डलसिंगे, सुकिदह, कालापोखरा, धुरीलेख, राजकोट, युद्ध संग्रहालय, दहवाड खेल मैदान, बार्कोटेघरी लगायत रहेका छन् ।

२.७ पेसा तथा रोजगारीको अवस्था :

गाउँपालिका वासिन्दाहरूको मुख्य पेसा कृषि तथा पशुपालन हो । यसका अतिरिक्त वैदेशिक रोजगार, जागिर, व्यापार आदि रहेको छ । यहाँका किसानहरूले अन्न, तरकारी, दलहन तथा मासु, दुध, दही, अण्डाको आदिका लागि गाइगोरु, भैंसी, बड्गुर, माछा, बाखा, कुखरा आदि पशुपक्षि पालन गरिन्छ, तर कृषि तथा पशुपालन पेशा अझै पुर्ण व्यावसायिक हुन सकिरहेको छैन ।

२.८ यातायात तथा सञ्चारको अवस्था :

राप्ती राजमार्ग त्रिवेणी गाउँपालिका भएर गएको छ । यहा सडक सञ्जालको सेवा सुविधा विस्तार क्रमिक रूपमा भइरहेको भएता पनि पूर्णरूपमा सहज हुन सकेको छैन । त्रिवेणी गाउँपालिकाका प्रायः सबै वडाको केन्द्रमा बाटो पुगिसकेको छ । गाउँपालिकाका सबै वडालाई ग्रामीण सडकले छोएको छ । ग्रामीण सडक कच्ची भएकाले वर्षामा सवारी चल्न कठिन छ । यी विभिन्न सडकहरूमा नियमित सार्वजनिक बस सेवा तथा अन्य मोटर, ट्रॉयाक्टर, ट्रक, मोटरसाईकल, अटो आदि यातायातका साधनहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । वर्षात्को समयमा बाढी पहिरोको कारणले यातायात नियमित रूपमा सञ्चालन गर्न कठिनाइ हुने गरेको छ ।

२.९ जनसङ्ख्याको विवरण :

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार यस नगरपालिकाको कूल घरपरिवार ४३०८ र जनसंख्या २०५२५ रहेको छ । गाउँपालिकामा महिलाको जनसंख्या १०७०४ अर्थात ५२.१५प्रतिशत र पुरुषको संख्या ९८२१ अर्थात ४७.८५ प्रतिशत रहेको छ । वडाअनुसार सबैभन्दा उच्च जनसंख्या वडा नं. ३ मा २५२१ रहेको छ भने सबै भन्दा कम वडा नं. ४ मा १७२६ रहेको देखिन्छ । विवरण अनुसार औषत घरपरिवारको आकार ४.७६ रहेको छ । त्यसैगरी यस गाउँपालिकामा जनघनत्व २५८ र लैगीक अनुपात ९१.७५ रहेको छ । यस सम्बन्धी वडागत विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

तालिका ३ : वडागत जनसंख्या विवरण

| वडा नं | घरधुरी | महिला | पुरुष | जम्मा जनसंख्या | औषत परिवारको आकार | जनघनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.) | लैगीक अनुपात |
|--------|--------|-------|-------|----------------|-------------------|-----------------------------|--------------|
| १ | ४८८ | ११४१ | १०६५ | २२०६ | ४.५२ | १७१ | ९३.३४ |
| २ | ५३६ | ११९९ | १०६० | २२५९ | ४.२१ | ३३७ | ८८.४१ |
| ३ | ४८७ | १३०७ | १२१४ | २५२१ | ५.१८ | २७१ | ९२.८८ |
| ४ | ३७४ | ९४१ | ७८५ | १७२६ | ४.६१ | २२९ | ८३.४२ |
| ५ | ४६६ | १२३३ | १०७६ | २३०९ | ४.९५ | २०१ | ८७.२७ |
| ६ | ३६६ | ८९८ | ८६५ | १७६३ | ४.८२ | २३५ | ९६.३३ |
| ७ | ४९२ | ११६६ | ९९६ | २१६२ | ४.३९ | २०५ | ८५.४२ |
| ८ | ३३८ | ८९७ | ९२३ | १८२० | ५.३८ | ४४२ | १०२.९० |
| ९ | ४१८ | १०१६ | ९०६ | १९२२ | ४.६० | २५१ | ८९.१७ |
| १० | ३४३ | ९०६ | ९३१ | १८३७ | ५.३६ | २३७ | १०२.७६ |
| जम्मा | ४३०८ | १०७०४ | ९८२१ | २०५२५ | ४.७६ | २५८ | ९१.७५ |

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७८

२.१० जातजाति अनुसार जनसंख्या :

यस नगरपालिकामा विभिन्न जातजातिको बसोबास रहेको छ । जसमा स्वैभन्दा धेरै जनसंख्या क्षेत्रीको १४१८६ अर्थात् ६९.१२ प्रतिशत रहेको छ । स्वैभन्दा कम जनसंख्या मुसलमानको ५ अर्थात् ०.०२ प्रतिशत रहेको छ । अन्य विवरण तल दिइएको छ ।

तालिका ४: जातजाति अनुसार जनसंख्या विवरण

| जातजाति | पुरुष | महिला | जम्मा |
|-----------------|-------|-------|-------|
| क्षेत्री | ६७९५ | ७३९१ | १४१८६ |
| ब्राह्मण(पहाडे) | ४२ | ४३ | ८५ |
| मगर | ११९० | १३०६ | २४९६ |
| विश्वकर्मा | ११०९ | १२१७ | २३२६ |
| मुसलमान | ५ | ५ | १० |
| गुरुङ | ३ | ७ | १० |
| परियार | ३६५ | ३९३ | ७५८ |
| ठकुरी | २३५ | २६१ | ४९६ |
| मिजार | १५ | १३ | २८ |
| सुनार | १५ | १८ | ३३ |
| बादी | ३१ | ३० | ६१ |
| अन्य | १६ | २० | ३६ |
| जम्मा | ९८२१ | १०७०४ | २०५२५ |

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७५

२.११ अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्या :

यस गाउँपालिकामा कुल जनसंख्याको ३.४% अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन् । गाउँपालिकामा शारीरिक अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको संख्या धेरै रहेको छ । शारीरिक अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको संख्या २८७ रहेको छ । यस्तै न्युन दृष्टिसम्बन्ध अपाङ्गता ९५ रहेका छन् । अन्य विवरण तल दिइएको छ ।

तालिका ५ : अपाङ्गताको विवरण

| क्र.स. | अपाङ्गताको प्रकार | पुरुष | महिला | जम्मा |
|--------|--------------------------|-------|-------|-------|
| १ | शारीरिक अपाङ्ग | १७४ | ११३ | २८७ |
| २ | न्युन दृष्टि युक्त | ४५ | ५० | ९५ |
| ३ | दृष्टिविहिन | ७ | १४ | २१ |
| ४ | बहिरोपन | ४० | २५ | ६५ |
| ५ | मनोसामाजिक अपाङ्ग | १२ | १५ | २७ |
| ६ | न्युन श्रवणशक्ति | ४५ | ४२ | ८७ |
| ७ | बहिरोपन एवं दृष्टि विहिन | ४ | ७ | ११ |

| ८ | मानसिक वा मनोसामाजिक | १८ | १९ | २७ |
|----|---------------------------------|-----|-----|-----|
| ९ | बौद्धिक अपाङ्गता | ३ | ३ | ६ |
| १० | अनुवंशीय रक्तश्वाव (हेमोफेलिया) | ० | ० | ० |
| ११ | अटिजम | १ | १ | २ |
| १२ | बहु अपाङ्गता | २७ | २७ | ५४ |
| | जम्मा | ३७६ | ३१६ | ६९२ |

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७८

खण्ड ३ : विपद् जोखिमको अवस्था

३.१ त्रिवेणी गाउँपालिकाका प्रमुख प्रकोपहरु :

त्रिवेणी गाउँपालिका विभिन्न प्रकारका प्रकोपबाट उत्पन्न हुने विपद्बाट प्रभावित गाउँपालिका हो । गाउँपालिका क्षेत्रमा हरेक वर्ष गाउँपालिकामा वाढी, पहिरो को प्रकोप का साथै हावाहुरी, आगलागी, महामारी, बन्यजन्तु, बालीनालीमा रोगकिरा, चट्याङ, खडेरी, असिनापानी, सडक दुर्घटना आदि विपद्का कारण जनधनको क्षति हुने गरेको छ ।

३.२ विभिन्न प्रकोपबाट विगतमा भएको क्षति : त्रिवेणी गाउँपालिकाको विपद्को अवस्था विश्लेषण गर्दा सबै भन्दा बढी क्षति पहिरो, बाढीले गरेको छ । यि प्रकोपहरुको पुनरावृत्ति पनि बढी नै छ । पहिरो, बाढीले घर, खेतियोग्य जमीन तथो जमीन कटान र भू-क्षय गर्ने गरेको छ । यसबाट मानिसहरू विस्थापित हुने अवस्था पनि रहेको छ । पहिरो, बाढी का अलावा हावाहुरी, आगलागी, महामारी, बन्यजन्तु, बालीनालीमा रोगकिरा, चट्याङ, खडेरी, असिनापानी, सडक दुर्घटना आदि प्रकोपबाट पनि समय समयमा क्षति भएको देखिन्छ । विभिन्न वर्षमा आगलागीका र हावाहुरीले हरेक वर्ष असर गर्ने गरेको छ ।

३.३ सम्भाव्य प्रकोप तथा सम्भावित प्रभाव क्षेत्र : यस गाउँपालिकाका १० वटै वडाका केही वस्ति, खेतियोग्य जमिन, वन क्षेत्रहरू पहिरो बाढीको जोखिममा रहेका छन् । आगलागी, महामारी, हावाहुरी, चट्याङ, बन्यजन्तु बाट प्राय सबै वडाहरू प्रभावित छन् । त्यसैगरी बालिनालि तथा तरकारी मा लाग्ने रोगकिरा, महामारी को सम्भावना पनि रहकै देखिन्छ, साथै घर र वनमा लाग्ने आगलागीबाट गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा असर गरेको छ । विगतमा भएको कोभिड महामारी ले पनि यहा मानिसको मृत्युका साथै ठुलो संख्यामा संक्रमण फैलाइको थियो । त्यसैगरी वर्षेनी हावाहुरील घर तथा विद्यालयका छाना उडाउने, सडक दुर्घटनाका कारण मानविय क्षतिहुने समेत हुने गरेको छ । कमसल संरचना रहेका कारण यस पालिका अझैपनि भुकम्पीय जोखिममा रहेको छ ।

३.४ विपदको ऐतिहासिक समय रेखा : यस गाउँपालिकामा विगत विगत ३० वर्षमा विभिन्न समयमा घटेका प्राकृतिक, गैर प्राकृतिक र जलबायुजन्य विपदका घटनाहरूको ऐतिहासिक समय रेखा, सोको प्रभाव र प्रभावित क्षेत्र, पुर्व तयारी र प्रतिकार्यकालागी गरिएका प्रयासलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ६ : विपदको ऐतिहासिक समय रेखा

| विपद | घटनाको वर्ष | पारेको प्रभाव | प्रभावित स्थान/क्षेत्र | विपद व्यवस्थापनकालागी गरिएका प्रमुख प्रयासहरू |
|--------|-----------------|---------------------|------------------------|---|
| भुकम्प | २०८० कार्तिक १७ | ५०५८ घरहरू क्षेत्री | सबै वडाहरू | तथ्यांक संकलन, राहात वितरण, अस्थायी अवास निर्माण, क्षमता विकास, समन्वय सहकार्य, पुर्नलाभका कार्यहरू |
| पहिरो | २०८१ भदौ १३ गते | ५ घर उच्च जोखिममा | रिसंभा टोल त्रिवेणी १ | सरकारी तथा गैर सरकारी निकायहरूको सहयोगमा पिडितहरूलाई तत्काल |

| | | | | |
|--------|-----------------------|--|---|---|
| | २०७६ भदौ | १५ घरधुरी जोखिममा | पानीगैरा त्रिवेणी २ | क्षतिपुर्ति तथा राहत प्रदान गरिएको । |
| | २०८० भदौ | त्रिवेणी चक्रपथर वाल वगाएको, २ घरधुरी जोखिममा | बर्खेटाकुरा त्रिवेणी २ | |
| | २०८८ भदौ | ५ जनाको मुत्यु, २ जना घाइते, १० वटा वाखा मरेको, खेतीयोग्य जमिन १००० रो. क्षेती | वडा नं ३ | |
| | २०८८ भदौ २८ | ४ घर जोखिममा, १ वटा ट्रान्समिटर | हाइट टाकुरा त्रिवेणी ५ | |
| | २०८० भदौ १२ | ७ घर उच्च जोखिममा | स्यानघारी त्रिवेणी ५ | |
| | २०८१ श्रावण | १० घर जोखिममा रहेको, ५० मि. सडक खण्ड क्षेती | त्रिवेणी ६ पानीगैरा | |
| | २०७८/७९ | त्रिवेणी चक्रपथ अवरुद्ध र केहिघर जोखिममा | त्रिवेणी ७ रिमथाड | |
| | २०८१ भदौ २२ | सडक अवरुद्ध र १ घर जोखिममा, कलिभानकामीको जग्गामा नोक्सान | त्रिवेणी ७ भुल्नेटा, खालीखोला, पिरिवाड रोड, | |
| | २०७० साल देखि निरन्तर | करिव १० विघा जमिन बगिरहेको | त्रिवेणी ८ अर्मालीडेरा | |
| | २०७५ सालदेखि निरन्तर | ५ घर अति जोखिममा, निरन्तर जमिन खसिरहेको | त्रिवेणी ८ स्यालागैरा, ग्याङ्नाखोला | |
| | २०७५ सालदेखि निरन्तर | करिव १० विघा जमिन बगिरहेको | त्रिवेणी ८ ग्याङ्नाखोला | |
| | २०५२ | घर तथा जमिनमा नोक्सानी | त्रिवेणी ९नुवाकोट, पातेखोला | |
| | २०६० | घर तथा जमिनमा नोक्सानी | त्रिवेणी ९पझेटा, नालेचौर | |
| | २०८१ | घर तथा जमिनमा नोक्सानी | त्रिवेणी ९सानीपनेरी, चौतारा | |
| बाढी | बर्षेनी | मुरु र काङ्गया खोलाले प्रत्येक वर्ष जग्गा कटान गर्ने | त्रिवेणी ५ तलिगाउँ | पिडितहरुलाई तत्काल क्षतिपुर्ति तथा राहत प्रदान गरिएको । |
| आगलागी | २०८० | १ घर जलेको | त्रिवेणी ७ | आगलागीबाट |

| | फागुन ११ | | | प्रभावितहरूलाई वितरण गरिएको | राहत |
|--------------------|-----------------|---|-----------------------------------|--|------|
| | २०८१ माघ २२ | १ घर जलेको | त्रिवेणी ५ लाइट | | |
| हावाहुरी | २०८१ साउन १३ | ८०० रोपनीको मकैवाली नष्ट | त्रिवेणी १ | पुर्ननिर्माण गरिएको | |
| चट्याड | २०८० | २ वटा गोरु मरेको | त्रिवेणी ६ | | |
| | २०७४ साउन | धनबहादुर खड्काको परिवार घाइते, १ वटा बाखा र कुकुर मरेको | त्रिवेणी ७ | | |
| | २०७५ | ३ जना घाइते र केहि घरमा क्षति | त्रिवेणी ७ हिमखारे, राजकोट, दहचौर | | |
| | २०७९ | चन्द्र वहादुर ओलीको घरमा क्षति र भैसी मरेको | त्रिवेणी ७ कुरल | | |
| खडेरी | प्रत्येक वर्ष | बालिनालिमा नोक्सानी | पालिका भरी | सिंचाइ सेवा विस्तार | |
| महामारी | २०७७ | कोभिडबाट मृत्यु र संक्रमित भएको | पालिका भरि | कोभिड रोकथामकालागी आइसोलेसन वार्ड तथा क्वारेन्टाइन निर्माण, हेल्प डेक्सको स्थापना, राहत, तथा रोजगार गुमाएका लाई रोजगारीको व्यवस्था | |
| बन्यजन्तु | प्रत्येक वर्ष | बालिनालिमा नोक्सानी | पालिका भरी | धपाउने | |
| बालिनालिमा रोगकिरा | प्रत्येक वर्ष | बालिनालिमा नोक्सानी | पालिका भरी | विषादी छर्ने गरेको | |

३.५ त्रिवेणी गाउँपालिकाको प्रकोप पहिचान तथा स्तरीकरण :

गाउँपालिकामा विभिन्न प्रकोपका घटनाहरूको पहिचान गरी स्तरीकरण गरिएको छ । गाउँपालिकाका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वडा अध्यक्ष, शाखा प्रमुख स्थानीय बुद्धिजीविहरू, ज्येष्ठ नागरिक, वालकलव, युवा, स्थानीय संघ संस्थाका प्रतिनीधि तथा सरोकारवालाहरूको सहभागितामा गरिएको छलफलबाट कुन प्रकोप मुख्य समस्याको रूपमा रहेको छ, भनेर मतदान विधिबाट वडाको प्रकोपहरूको स्तरीकरण गरिएको थियो । नेपाल भूकम्पीय जोखिमका दृष्टिकोणले ११ स्थानमा उच्च जोखिममा रहेको मुलुक हुँदा प्रकोप स्तरीकरण गर्दा भूकम्पलाई तुलनामा नराखी पहिलो नम्बरको प्रकोपको रूपमा प्राथमिकतामा राखिएको छ । । जुन यस प्रकार रहेको छ ।

तालिका ७ : प्रकोप स्तरिकरण

| प्रकोप | पहिरो | बाउ | आगलारी | हावहुरी | महामारी | बन्जारा | बालिनालि | मा रेगिक्किरा | खेडेरी | चट्याङ्ग | असिना | सडक दुर्घटना |
|--------------|-------|-----|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|--------|----------|-------|--------------|
| माप्त अंकभार | ४३ | ३८ | ३२ | २८ | २३ | १९ | १७ | १४ | ९ | ७ | ६ | |
| स्तर | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | ११ | |

३.६ प्रकोपहरुको संभाव्य जोखिम विश्लेषण : यस गाउँपालिकामा घटेका विपदका घटना र त्यसको असरका साथै गाउँपालिकामा विद्यमान श्रोत साधन र जनशक्तिका आधारमा यो गाउँपालिका वहुप्रकोपको उच्च जोखिममा छ। जसलाई निम्न बमोजिम उल्लेख गर्न सकिन्छ।

तालिका ८ : प्रकोपहरुको संभाव्य जोखिम

| त्रिवेणी गाउँपालिका रुकुम (पश्चिम) को विपद जोखिम विश्लेषण | | | | | |
|---|---|----------|------------|--------|-------|
| प्रकोप | संकटासन्नता | सम्मुखता | बारम्बारता | प्रभाव | जोखिम |
| भूकम्प | <ul style="list-style-type: none"> ● कमजोर भौतिक पुर्वाधारका संरचना ● धैरै जनसंख्या दुड्गा र माटोको जोडाइ भएको कच्ची घरमा बसोबास रहेको ● बुद्धवृद्धा, बालबालिका, अपांगता भएका को जनसंख्या रहेको ● कमजोर घर, भौगोलिक बनावट ● भूकम्प सम्बन्धी जनचेतनाको अभाव ● घर बनाउदा नक्सापास तथा भवन संहिताको पालना नगर्नु ● दक्ष मिस्त्री को अभाव ● कमसल निर्माण सामाग्रको प्रयोग | उच्च | मध्यम | उच्च | उच्च |
| पहिरो | <ul style="list-style-type: none"> ● भिरालो जमिन ● पहिरोको जोखिमयुक्त ठाउँमो बस्ती बसेको ● विकास निर्माणमा जथाभावि मेसिनको प्रयोग ● बुद्धवृद्धा बालबालिका अपांगता भएको जनसंख्या ● अव्यवस्थित बसोबास ● भौगोलीक बनावट ● जथाभावि सडक निर्माण ● सडक निर्माण जथाभावि मेसिनकोको | उच्च | उच्च | उच्च | उच्च |

| | | | | | |
|--------------|---|-------|-------|-------|-------|
| | <p>प्रयोग</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जनचेतनाको कमी ● जंगल फडानी, डढेलो, अत्यधिक वर्षा, भूकम्पले जीमिन चिरा पार्नु, अव्यवस्थित सडक विस्तार, उचित पानि र ढल निकास नहुनु, | | | | |
| बाढी | <ul style="list-style-type: none"> ● बाढी जोखिमयुक्त ठाउँमा बस्ती बसेको ● जलवायु परिवर्तनको असर ● वृद्धवृद्धा बालबालिका अपांगता भएको जनसंख्या ● नदि, खोला किनार नजीक घर र वस्ती निर्माण गर्नु ● जोखिम स्थानमा तटबन्धन नहुनु ● जथाभावि नदि, खोला जन्य पदार्थ को जथाभावि उत्खनन | उच्च | उच्च | उच्च | उच्च |
| आगलागी | <ul style="list-style-type: none"> ● संरचनागत जोखिम तथा लापरवाही ● बढ्दै गएको सुख्खा याम ● सामाजिक आर्थिक संकटासन्तता ● जनचेतनाको कमजोर अवस्था | उच्च | मध्यम | मध्यम | मध्यम |
| महामारी | <ul style="list-style-type: none"> ● संक्रमण दर उच्च रहेको ● कोभिड १९ तथा अन्य महामारी ● कमजोर स्वास्थ्य पूर्वाधार र तयारी ● सावधानीका उपायहरूको कमजोर पालना ● कमजोर जनचेतनाको स्तर ● सामाजिक आर्थिक संकटासन्तता ● उच्च जोखिम समूहमा रहेको जनसंख्या | उच्च | उच्च | मध्यम | मध्यम |
| हावाहुरी | <ul style="list-style-type: none"> ● जलवायुमा आएको परिवर्तन ● कमजोर सामाजिक आर्थिक अवस्था ● कमजोर घर तथा भवनहरू ● जनचेतनाको स्तर | मध्यम | मध्यम | उच्च | उच्च |
| सडक दुर्घटना | <ul style="list-style-type: none"> ● स्तरिय सडक नहुनु ● टृफिक नियमको उलंघन | मध्यम | मध्यम | उच्च | उच्च |

| | | | | | |
|-----------|---|-------|------|------|------|
| | <ul style="list-style-type: none"> ● मा.प.से.गरी सवारी साधन चलाउनु ● बालबालिकालाई सडकतिर खेल छाडनु ● सडक अधिकार क्षेत्र मिच्नु ● तिब्र गतिमा सवारी चलाउनु ● पुराना सवारी साधनको प्रयोग । ● गाडीको क्षमता भन्दा बढि यात्रुहरु वोक्नु | | | | |
| बन्यजन्तु | <ul style="list-style-type: none"> ● बन्यजन्तुलाई जंगलमा आहारको कमी ● जथाभावी बसोबास ● जंगल जनावरण बासस्थान अतिक्रमण हुनु ● जंगल जनावर भगाउने पुराना उपाय छोडनु | मध्यम | उच्च | उच्च | उच्च |
| चट्याङ | <ul style="list-style-type: none"> ● बिद्युत लाइन र वाइरिङमा अर्थीड नगरिनु ● प्राकृतिक कारण ● जलवायु परिवर्तन ● घरमा अर्थीड नगर्नु ● जनचेतना अभाव | मध्यम | उच्च | उच्च | उच्च |

३.७ गाउँपालिकामा प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका क्षेत्रहरु :

यस गाउँपालिकामा प्रकोप सम्मुखतामा रहेका वडाहरुको भौतिक सम्पत्तिहरु , प्राकृतिक सम्पत्तिहरु, मानिसहरु र आर्थिक क्षेत्रहरुको वडागत पहिचान गरी नगरपालिका भरिको समग्र विवरण निम्न वर्णनमा रहेको छ ।

तालिका ९ : प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका भौतिक सम्पत्तिहरु

| सम्मुखतामा रहेका तत्वहरु | परिमाण | कारण |
|--------------------------|--------|---|
| विद्यालय : | ३४ | भुकम्प बाट क्षति, पहिरो, हावाहुरीले टिनका छाना उडाउने । |
| स्वास्थ्य चौकीसंस्था | १० | पहिरो, बाढी भुकम्पले क्षति गर्ने । |
| सामुदायिक भवन | १४ | भुकम्प र पहिरोले |
| बिद्युत टेलिफोन | १० वडा | हावाहुरी पहिरोले भत्काउन सक्ने |
| घर | २३१२ | भुकम्प, बाढी पहिरो |

प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका प्राकृतिक सम्पत्तिहरु

| सम्मुखतामा रहेका तत्वहरु | परिमाण | कारण |
|--------------------------|-----------------------|-------------------|
| कृषियोग्य जमिन | ८३० रोपनी | बाढी पहिरो |
| चरिचरन | १६ ओटा | पहिरो |
| सामुदायिक वन | १८ ओटा वनमा | पहिरो र आगलागी |
| खेलकुद मैदान | ६ वटा विद्यालय र अन्य | बाढी पहिरोको कारण |

प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका आर्थिक क्षेत्रहरु

| सम्मुखतामा रहेका तत्वहरु | परिमाण | कारण |
|--|-----------|---|
| व्यवसाय : पशु पंक्षिपालन पालन फर्म , बाखा पालन , किराना पसल , होटल | ३५ ओटा | बाढी पहिरो , चट्ट्याड, पशुजन्य रोगका कारण |
| नगदेबाली : केरा , सुन्तला आदि | १६० रोपनी | पहिरो , हावाहुरी रोगकिरा |
| मुख्य खेतीबाली : धान , मकै , जौ , गँहु आदि | २०० रोपनी | बाढी, असिना, खडेरी, हावाहुरी विभिन्न रोगहरु |
| पशुपंक्षीहरु : गोरु ६०, गाई ४०५ भैसी ३० , भेडाबाखा १५० कुखुरा ५०० | ओटा | चट्ट्याड, पशुजन्य रोगले |
| पानी घटट : विभिन्न खोलाहरुका | २० वटा | बाढी, पहिरो |
| उद्योग : | १० | भुकम्प, बाढी, पहिरो |

प्रकोपको सम्मुखतामा रहेका मानिसहरु

| सम्मुखतामा रहेका तत्वहरु | परिणाम | कारण |
|--------------------------|-----------|-----------------------|
| मानिस : | ११००५ जना | बाढी , पहिरो , भुकम्प |
| महिला : | ५७३९ जना | बाढी , पहिरो , भुकम्प |
| पुरुष : | ५२६६ जना | बाढी , पहिरो , भुकम्प |
| अपांगता भएका : | १२३ जना | बाढी , पहिरो , भुकम्प |
| जेष्ठ नागरिक | २६५ जना | बाढी , पहिरो , भुकम्प |

३.८ पूर्व सूचना प्रणाली : सम्भावित प्रकोप पुर्वानुमान तथा पुर्वसूचना प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाउनका लागी त्रिवेणी गाउँपालिका अन्तर्गत जलमापन केन्द्र र वर्षामापन केन्द्रहरु स्थापना गरिएको छैन । सम्भावित विपदले सुचना प्रभावित हुन सक्ने समुदायमा प्रभावकारी सुचना प्रवाह गर्नका लागी यस गाउँपालिकाले पूर्व

सुचना प्रणली जडान गर्नु आवश्यक छ । जसकालागी जिल्ला आपतकालिन कार्य सञ्चालन केन्द्र, स्थानिय आपतकालिन कार्य सञ्चालन केन्द्र तथा सुरक्षा निकायमा सुचनाप्रवाह गर्ने कार्य गर्नुपर्नेछ ।

३.९ कानूनी, नीतिगत तथा संस्थागत व्यवस्था : गाउँपालिकामा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ र विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७८, का आधारमा स्थानिय विपद् तथा जलवायु उथनशिलसमिति गठन गरिएको छ । विपद् व्यवस्थापनका कार्यहरूलाई थप सहयोग पुऱ्याउन स्थानिय विपद् तथा जलवायु उत्थानशिल योजना तयार गरिएको छ । पालिकामा वातावरण तथा विपद्व्यवस्थापन शाखा स्थापना गरिएकोछ । यसैगरी, १० वटै बडामा बडास्तरीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गरि पालिकास्तरमा विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना गरिएको छ । गाउँपालिकामा विपद्व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, तथा आवश्यक मार्गदर्शनहरू बन्ने क्रममा रहेका छन् । त्यसैगरी एम्बुलेन्स संचालन कार्यविधि, वातावरण तथा प्राकृतिक श्रोत संरक्षण ऐन जस्ता कानुनहरू निर्माण भएका छन् । अन्य कानुन बन्ने क्रममा रहेका छन् ।

३.१० विषयगत क्षेत्रहरू तथा जिम्मेवार निकाय :

यस गाउँपालिकाले विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागि ८ वटा विषयगत क्षेत्रहरू निर्धारण गरी कार्य जिम्मेवारी तोकेको छ ।

३.१०.१ समन्वय, खोजउद्धार र सुचना तथा सञ्चार: यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को समयमा सम्पूर्ण सरोकारवालाहरू सँग समन्वय कायम गर्ने, विपद्को अवस्था आउनसक्ने पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट सूचना सम्प्रेषण गर्ने, प्रकोपको कारण समस्यामा परिरहेका वा घार्इतेलाई उद्धार गर्ने, हराएकाहरूको खोजी गर्ने, मानिसको मृत्यु भएमा सनाखत शब व्यवस्थापन (वा हस्तान्तरण) को लागि प्रवन्ध मिलाउने, पीडितहरूलाई राहत रकम वितरण गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.२ संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को समयमा महिला, गर्भवती महिला, सुक्तकेरी, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू, शिशु, बालबालिका, वृद्धवृद्धाहरूलाई संरक्षण गर्ने, उनीहरूलाई आवश्यकता बमोजिमका सरसामानहरू (जस्तै: डिरिनटी किट) उपलब्ध गराउने, घरपरिवारका सदस्य गुमाएकाहरू तथा विपद्का कारण त्रसित व्यक्तिहरूलाई मनोसामाजिक परामर्श सेवा दिने, हिंसामुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.३ खाद्य तथा कृषि : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को अवस्थामा पीडितहरूलाई तत्काल सुख्खा खानेकुरा, विस्थापित भई शिविरमा बसेकालाई चामल, दाल, नुन, तेल आदि खाद्य सामग्री उपलब्ध गराउने, पकाउनको लागि प्रवन्ध मिलाउने र कृषि क्षेत्रमा भएको क्षति विवरण तयार गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.४ गैर खाद्य सामग्री, आश्रय स्थल : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को कारण घरमा क्षति पुगी बस्न नसक्ने अवस्थाका पीडितहरूलाई आपत्कालीन आश्रय वा वासको लागि अस्थायी संरचना निर्माण गर्ने, प्रभावितहरूलाई गैर-खाद्य सामग्री वितरण आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.५ खानेपानी तथा सरसफाई : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को अवस्थामा खानेपानी आपूर्ति, विपद्जन्य घटनाबाट सिर्जना भएका फोहोरहरू सरसफाई गर्ने, मरेका पशुपंक्षीहरूको व्यवस्थापन गर्ने, व्यक्तिगतसरसफाईको लागि स्वच्छता सम्बन्धी सरसामानहरू (जस्तै: हाईजिन किट) उपलब्ध गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.६ स्वास्थ्य तथा पोषण : यस विषयगत क्षेत्रले विपदमा घार्इते भएकाहरूको प्राथमिक उपचार गर्ने, महामारी हुनबाट बचाउने विधिहरू अवलम्बन गर्ने, शिविरमा उपचार गर्न नसकिने प्रकृतिका स्वास्थ्य समस्या भएमा विरामीलाई अस्पतालसम्म पुऱ्याई स्वास्थ्य उपचारको सुनिश्चितता गर्ने, बालबालिकामा पोषणको कमी भएमा त्यसबाट हुनसक्ने समयस्थाबारे पीडित र सरोकारवालालाई सचेत गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.७ शिक्षा : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को कारण यदि विद्यालय ३ दिन भन्दा बढी बन्द भएमा विद्यार्थीहरूलाई आपत्कालीन शिक्षाको व्यवस्था गर्ने, विपद्ले विद्यार्थीको पठनपाठनका शैक्षिक सामग्री हराएमा सो को व्यवस्था गर्ने र विद्यालयको शिक्षण सामग्रीहरू नष्ट भएमा पुनः व्यवस्था गर्ने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.१०.८ तत्कालिन पुर्नलाभ : यस विषयगत क्षेत्रले विपद्को कारण अवरुद्ध भएका अत्यावस्यक सेवाहरु जस्तै सडक, विद्युत, खानेपानी, टेलिफोन तत्काल सुचारु गर्ने । क्षति भएका संरचनाहरूको बैकल्पिक व्यवस्था गर्ने, पिडितहरूलाई जिविकोपार्जका सिप प्रदान गरि अवस्थामा सुधार ल्याउने आदि जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ ।

३.११ सरोकारवाला संस्थाहरू : यस गाउँपालिकामा विपद को पूर्वतयारी, रोकथाम र अल्पिकरण र विपद्को समयमा गरिने प्रतिकार्य तथा पुर्वतयारी, विपद् पश्चात्को पुनर्स्थापना, जिविकोपार्जन र पुनर्निर्माण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका का लागी सहयोग पुऱ्याउन विभिन्न निकाय तथा संघ संस्थाहरूको भुमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । जलवायु परिवर्तन र विपद् जोखिम व्यवस्थापनका सवालमा आर्थिक, प्राविधिक तथा मानविय सहयोगका लागी मुख्य रूपमा सहयोग गर्ने निकाय, संघसंस्था र विकास साभेदारहरूको विवरण देहाय वमोजिम रहेको छ ।

तालिका १०: संस्थागत विवरण

| क्र.स. | कार्यालय / संघसंस्था | भौगोलिक दुरी | विपद् जोखिम व्यवस्थापनका लागि प्राप्त हुनसक्ने सहयोग | संपर्क नं. |
|-----------------|-----------------------------|--------------|---|------------|
| वडा तहमा | | | | |
| १ | वडा कार्यालय | | भौतिक पूर्वाधार तथा विकास निर्माणमा विपद जोखिम न्यूनिकरण लाइ मुलप्रवाहिकरण, सचेतना कार्यक्रम संचालन, राहत वितरण | |
| २ | विद्यालयहरू | | उद्धार कार्यमा सहभागिता, जनचेतना अभिवृद्धि कार्यमा सहयोग, आश्रयस्थल | |
| ३ | स्वास्थ्य चौकि | | स्वास्थ्य उपचार, औषधि भण्डारण, प्रेषण | |
| ४ | महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका | | महिला मानव स्वास्थ्य समस्या समाधानमा सहयोग | |
| ५ | नेपाल रेडक्रस उपशाखा | | प्राथमिक उपचार, भूकम्प लगायतका प्रकोप सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम, राहत सामाग्रीका लागी समन्वय | |
| ६ | सामुदायिक वनहरू | | जोखिम न्यूनिकरणका कार्यक्रम जस्तै वृक्षरोपण लगायत, नगद, काठ तथा | |

| | | | | |
|-----------------------------------|--|--|--|--|
| | | | अन्य सहयोग | |
| ७ | प्रहरी चौकि | | सुरक्षा प्रदान, खोज उद्धार | |
| ८ | आमा समुह | | विपद् सम्बन्धी जनचेतना , सक्रिय सहभागिता, प्रचारप्रसार | |
| ९ | युवा क्लब | | विपद् सम्बन्धी जनचेतना, न्युनिकरण कृयाकलाप मा सहभागीता , खोज उद्धारमा सहयोग | |
| १० | वाल क्लब | | विपद् सम्बन्धी जनचेतना, न्युनिकरण कृयाकलाप मा सहभागीता , | |
| ११ | स्थानिय व्यावसायी | | राहत सामाजी सहयोग | |
| गाउँपालिका तथा जिल्ला तहमा | | | | |
| १ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | | सहकार्य , खोज ,उद्धार तथा सुरक्षा टोलि परिचालन,सामाजी,प्रदान तथा खोज,उद्धार व्यवस्थापन | |
| २ | जिल्ला समन्वय समिति | | समन्वय, अनुगमन | |
| ३ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | | खोज ,उद्धार तथा सुरक्षा | |
| ४ | नेपाल सेना | | खोज ,उद्धार तथा सुरक्षा | |
| ५ | सशस्त्र प्रहरी बल | | खोज ,उद्धार तथा सुरक्षा | |
| ६ | इलाका प्रहरी कार्यालय | | खोज ,उद्धार तथा सुरक्षा | |
| ७ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | | प्राथमिक उपचार, भूकम्प लगायतका प्रकोप सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम, राहत सामाजीको व्यवस्था | |
| ८ | खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन कार्यालय | | खानेपानी आयोजना निर्माण,मर्मत सम्भार तथा प्राविधिक सहयोग | |
| ९ | कृषि विकास कार्यालय | | कृषि सेवा तालिम, बालीरोपनी विकास, बिउ .विजन वितरण, जिविकोपार्जन र अनुदान तथा अनुकूलनका कार्यक्रम | |
| १० | जिल्ला बन कार्यालय | | वृक्षरोपण, नर्सरी व्यवस्थापन तथा तालिम ,विरुवा वितरण ,राहतमा काठ वितरण र प्राविधिक सहयोग | |
| ११ | जलश्रोत तथा सिंचाइ विकास डिभिजन कार्यालय | | सिंचाइ नहर,कुलो ,पोखरी निर्माण तथा आयो जनाका लागि आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोग | |
| १२ | भू जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय कार्यालय | | बाढी, परिहो तथा भूक्षय नियन्त्रणका लागि एकीकृत जलाधार व्यवस्थापन | |
| १३ | जिल्ला अस्पताल | | घाइतेको स्वास्थ्य उपचार ,एम्बुलेन्स व्यवस्थापन ,औषधि भण्डारण,प्रेषण | |
| १४ | जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय | | स्वास्थ्यकर्मी परिचालन,समन्वय | |
| १५ | शिक्षा समन्वय इकाई | | समन्वय, | |
| १६ | उद्योग वर्णिज्य संघ | | राहत संकलन,वितरण | |

| | | | | |
|----|----------------------------|--|---|--|
| १७ | युनिसेफ | | योजना निर्माणमा सहयोग,विपद व्यवस्थापन,वाल संरक्षण,शिक्षा,स्वास्थ्य,खानेपानी, सरसफाई क्षेत्रमा सहयोग,आपतकालिन मानविय सहयोग | |
| १९ | गै.स.स. | | सुचना प्रवाहमा सहयोग, आर्थिक तथा सामाजी सहयोग र जनशक्ति परिचालन, आयआर्जन का क्रियाकलाप संचालन | |
| २० | नेपाल पत्रकार महासंघ | | सुचना संकलन, समाचार निर्माण,प्रसारण, | |
| २१ | वैंक तथा वित्तिय संस्थाहरु | | बचत तथा ऋण प्रदान , राहत सहयोग | |

३.१२ त्रिवेणी गाउँपालिकासंग रहेको क्षमता :

त्रिवेणीगाउँपालिकामा विपद प्रतिकार्यकालागी रहेका श्रोत र साधनहरु निम्न बमोजिम रहेका छन् ।

तालिका ११: श्रोत साधनहरु

| क्र.स. | श्रोत साधनहरु | संख्या | थप आवस्यकता |
|--------|------------------------|--------|-------------|
| १ | बेल्चा | १२ | १०० |
| २ | गैटी | ८ | १०० |
| ३ | घन ठुलो | ० | २० |
| ४ | घन सानो | ० | २० |
| ५ | बन्चरो | ० | २० |
| ६ | छिनो | ६ | २० |
| ७ | बोल्ड कटर | २ | ३० |
| ८ | सेफ्टी ट्याम्वर | ६ | १२ |
| ९ | सावेल | १२ | १० |
| १० | पञ्जा | १५ | १०० |
| ११ | सिवल्ट बाल्टीन | १० | १०० |
| १२ | प्लास्टिक बाल्टीन | २० | १०० |
| १३ | रवर बाल्टीन | २८ | १०० |
| १४ | मग | ४४ | १०० |
| १५ | डोरी | ७ रोल | १० रोल |
| १६ | फस्ट एड बक्स | १ | १० |
| १७ | सेफ्टी भेष्ट | ४ | ५० |
| १८ | फायर एगजेस्टिङ ग्रिवसर | १ | २५ |
| १९ | भन्याड | ० | २५ |
| २० | हाते आरी सानो | ० | २० |
| २१ | हाते आरी मेसिन | ० | २० |

| | | | |
|----|---------------------------|-----------|----------|
| २२ | टेन्ट | ० | १०० |
| २३ | त्रिपाल | ० | १०० |
| २४ | हेल्मेट | १३ | १५० |
| २५ | मास्क | ६ प्याकेट | १०० |
| २६ | रेनकोट | ४ | २ |
| २७ | लाइफ ज्याकेट | १५ | १० |
| २८ | भुल | २० | ० |
| २९ | स्लिपिंड व्याग | ० | ५० |
| ३० | गम बुट | १२ | ० |
| ३१ | अपाइंग बुट | ० | ५ |
| ३२ | स्ट्रैचर | ५० | २५ |
| ३३ | व्याक बोर्ड स्ट्रैचर | ० | २ |
| ३४ | इमरजेन्सी पलड | १ | ५ |
| ३५ | टिन र्यालेन | ० | ५ |
| ३६ | प्लास्टिक व्याग | ० | १०० |
| ३७ | प्लास्टिक ड्रूम | ० | १० |
| ३८ | ट्वाइलेट स्टिल व्यान | १० | २० |
| ३९ | चप्पल | ० | १०० जोर |
| ४० | पोलिथिन पाइप | ० | १००० मी. |
| ४१ | फेस सिल्ड | १ | ४ |
| ४२ | क्रोवार | ४ | २ |
| ४३ | टर्चलाइट | ४ | ५ |
| ४४ | विस्टल | ० | ३ |
| ४५ | वाटर प्युरिफाइड ट्याब्लेट | ० | २००० |
| ४६ | सोपबार | ० | १० |
| ४७ | प्लास्टिक रोल | ० | १० |
| ४८ | लड नाइलन रोप | ० | १० |
| ४९ | मिटेन ग्लोब्स | ० | ५ |
| ५० | मेघाफोन | १ | १० |
| ५१ | जे.सि.भी | ० | १ |
| ५२ | एम्बुलेन्स | २ | ० |
| ५३ | ल्याप्टप | १ | ० |
| ५४ | प्रिन्टर | १ | ० |

खानेपानी सरसफाइ क्षेत्र अन्तर्गत रहेका स्रोत, साधनको विवरण

| | | | |
|---|----------------------------|---|-----------|
| १ | Water Quality test kit | १ | १ |
| २ | HDPE Pipe (Different Size) | ० | ५००० मिटर |

शिक्षा क्षेत्र अन्तर्गत रहेका स्रोत, साधनको विवरण

| | | | |
|---|-------------|---|----|
| १ | Student Kit | ० | ४५ |
| २ | School Kit | ० | ४५ |
| ३ | Teacher Kit | ० | ४५ |

| | | | |
|----|---------------------------------|---------|-----|
| ४ | एकिकृत पाठ्यक्रम | भएको | ० |
| ५ | स्थानिय पाठ्यक्रम | भएको | ० |
| ६ | शिक्षा नियामावली | भएको | ० |
| ७ | विद्यालय संचालन कार्यढाँचा २०७७ | ० | ४५ |
| ८ | पाठ्यपुस्तक | भएको | |
| ९ | शिक्षक निर्देशिका | ० | २०० |
| १० | खेलकुद सामाग्री भलिवल | १,१ सेट | ९० |
| ११ | नेट | १,१ सेट | ४५ |
| १२ | सेनेटरी प्याड | भएको | ० |
| १३ | वुक कर्नर | ० | १०० |
| १४ | पुस्ताकालय | २० | २५ |
| १५ | TLC | ० | १० |

स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्र अन्तर्गत रहेका स्रोत, साधनको विवरण

| | | | |
|----|----------------------|------------|-------------|
| १ | Metronidazole 400 mg | १००० Tab. | १०००० Tab. |
| २ | Metronidazole 200 mg | ० Tab. | १०००० Tab. |
| ३ | Cetamol 500 mg | १४६२० Tab. | ३०००० Tab. |
| ४ | Cetamol Syrup | ० Bott. | ५०० Bott. |
| ५ | Jiwan Jal | ३१० Pkt. | १००० Pkt. |
| ६ | Azitromycin | ० Tab. | ५००० Tab. |
| ७ | Amoxylin 500/200 mg | २००० Tab. | १०००० Bott. |
| ८ | N/S | ५४९ Bott. | ५०० Bott. |
| ९ | RL | १२३ Bott. | २०० Bott. |
| १० | Betadin | ९५ Bott. | २०० Bott. |
| ११ | Bandage | ८९ थान | २०० थान |
| १२ | Cotton | ११६ थान | १०० थान |
| १३ | Gloves | ० pcs. | ५०० box |
| १४ | Licoplast | ० Roll | १०० Roll |
| १५ | Scissor | ० | ५० |
| १६ | BP Set | ० | १० |
| १७ | Forcep | ० | ५० |
| १८ | Slever Ointment | ० Tube | १०० Tube |
| १९ | Eye/Ear drop | ० Tube | २०० Tube |
| २० | Frist Aid Box | ० | ५० |

खण्ड ४ : सामान्य पूर्व तयारी योजना

४.१ सामान्य पूर्वतयारी योजना (सम्पूर्ण विषयगत क्षेत्रहरूको लागि)

सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धित कार्यहरु विपद्घटना अगावै गरिने जोखिम न्यूनीकरण, विपद् प्रतिकार्य गर्न संस्थागत तथा भौतिक संरचना, मेशिन औजार, सीप विकास, जनचेतना, कृत्रिम घटना अभ्यास जस्ता गतिविधिहरू समावेश गरिएका छन्। ताकि विपद्को स्थितिमा प्रतिकार्य गतिविधिहरू समयमानै कार्यान्वयन गर्न सकियोस्।

४.२ प्रथमिकता प्राप्त रणनितिक पूर्व तयारी :

विपद्को सम्भवना र त्यसबाट हनुसक्ने जनधनको क्षति कम गर्न स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिले सुरक्षकालागी विभिन्न रणनिति अवलंबन गर्नेछ। विपद पूर्वतयारीका साथै विपद जोखिम न्युनिकरण लाइ मूल प्रवाहिकरण गर्दै यस योजनाको कार्यान्वयन गर्न निम्न रणनितिक पुर्वतयारी गरिने छ।

| क्र.स. | रणनितिहरू | परिमाण | जिम्बेवारी | समयावधि |
|--------|--|------------------|------------------------------------|---|
| १ | सबै बडामा बडास्तरीय विपद व्यवस्थापन समिति गठन गरी क्रियाशिल गराउन र नियमित बैठक गर्ने। | १० | गाउँपालिका/ बडा समिति | ३ महिना भित्र |
| २ | गाउँपालिकामा गठन भएका विषयगत क्षेत्रहरूको वार्षिक कार्ययोजना तयार गरि समन्वय संयन्त्रको विकास गर्ने। | ३ पटक | गाउँपालिका/ बडा समिति | वर्षमा ३ पटक |
| ३ | गाउँपालिकाको विपद व्यवस्थापन कोष सञ्चालन कार्यविधि तयारी। | १ | गाउँपालिका | २ महिना भित्र |
| ४ | स्थानीय आपतकालिन कार्य सञ्चालन केन्द्र स्थापना र कार्यविधि निर्माण। | १ | गाउँपालिका | ३ महिना भित्र |
| ५ | विपद व्यवस्थापन शाखा स्थापना र सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने। | १ | गाउँपालिका | १ महिना भित्र |
| ६ | जनप्रतिनिधिहरू, बडा र गाउँपालिकामा गठित विपद् व्यवस्थापन समितिका पदाधिकारीहरूकालागी विपद् व्यवस्थापन र आधारभूत मानवीय सहायता मापदण्ड सम्बन्धि तालिम। | २ | गाउँपालिका | ४ महिना भित्र |
| ७ | कृतिम घटना अभ्यास तालिमको आयोजना गर्ने र हरेक वर्ष विद्यालय र समदायमा कृतिम घटना अभ्यास गर्ने। | वार्षिक ३ पटक | गाउँपालिका, सुरक्षा निकाय, रेडक्रस | हरेक वर्ष जेठ, कार्तिक र फागुन महिनामा |
| ८ | बडा र गाउँपालिका तहमा आधारभूत खोज तथा उद्धार र विषयगत क्षेत्रका लागि आवश्यक पर्ने सामग्रीहरू खरिद गरी तयारी अवस्थामा राख्ने। | वार्षिक १ पटक | गाउँपालिका/ बडा समिति | प्रत्येक वर्ष मौसम जन्य विपद हुनु पुर्व |
| ९ | बडा तहमा युवा तथा महिलाहरूलाई स्थानीय स्रोत साधनबाट उद्धार तथा व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री | १० बडाहरु | गाउँपालिका/ बडा समिति | प्रत्येक वर्ष मौसम जन्य |

| | | | | |
|---|---|--------------------|-----------------------------|-----------------|
| | जस्तै लाइफ ज्याकेट, स्ट्रेचर बनाउन सिप प्रदान गर्ने । | मा | | विपद हुनु पुर्व |
| १० | विपद जोखिम न्युनिकरण र व्यवस्थापन बारे समुदायमा सचेतना । | १० | गाउँपालिका / वडा समिति | वर्षमा १ पटक |
| मानव संसाधन विकास तथा व्यवस्थापन | | | | |
| ११ | प्रत्येक वडामा खोज उदार कार्यदल गठन गरि तालिम दिने । | १० | गाउँपालिका / वडा समिति | प्रत्येक वर्ष |
| १२ | सुरक्षित स्थानको नक्साङ्कन, तथा संरक्षण गर्ने । | १० | गाउँपालिका / वडा समिति | प्रत्येक वर्ष |
| १४ | अस्पताल तथा स्वास्थ्य संस्थाहरुमा आपतकालिन अवस्थाको लागी औषधि र सामाग्री व्यवस्थापन गर्ने । | | | |
| १५ | पुर्व चेतावनि प्रणाली र मोबाइल एप्स तयार गर्ने । | १ | गाउँपालिका / वडा समिति | प्रत्येक वर्ष |
| १६ | विभिन्न प्रकोपबाट पर्ने संभावित प्रकोप र संकटासन्न समुदाय र जनसंख्या अध्यावधिक गर्ने । | १ | गाउँपालिका / वडा समिति | प्रत्येक वर्ष |
| १७ | वडा र गाउँपालिकामा कार्यरत गैरसरकारी संस्था निजी क्षेत्र तथा दातृत्विकायको सूची तयार गरी सहकार्य गर्ने । | १ | गाउँपालिका | प्रत्येक वर्ष |
| १८ | प्रतिकार्यमा खटिने स्वयंसेवकहरुका लागी सुरक्षा सामग्रीहरुको बन्दोवस्त मिलाउने । | १ | गाउँपालिका | प्रत्येक वर्ष |
| १९ | प्रारम्भिक लेखाजोखा, मूल्यांकन र विस्तृत घरधुरी सर्वेक्षणका लागी तथ्याङ्क संकलनका फाराम तथा प्रारूप तयार गर्ने । | ५००० प्रति | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | ६ महिना भित्र |
| २० | सरक्षा निकायहरु, गाउँपालिका, रेडक्स, एम्बुलेन्स लगायत अत्यवश्यक सेवा प्रदायक तथा स्थानीय जन प्रतिनिधिहरुको सम्पर्क नम्बरको पर्चा तयार गरी घरघरमा पुऱ्याउने । | १ पटक | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | ३ महिना भित्र |
| २१ | पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागी गरिने निर्णय र क्रियाकलापमा विपद् प्रभावित तथा संकटासन्न समुदाय, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, पिछडिएको समुदाय र वर्गको सहभागिता लाइ सुनिश्चित गर्ने । | हरेक क्रियाक लापमा | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | प्रत्येक वर्ष |
| २२ | खोज एव उद्धारको लागि भण्डारण गरिएको सामग्रीहरुको अवस्थाको जाँच गर्ने, थप आवश्यक भए व्यवस्था गर्ने । | २ | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | वर्षको २ पटक |
| २३ | आपत्कालीन अवस्थामा प्रयोग गर्ने स्थलमार्ग, आश्रयस्थल परिचान तथा भौतिक पूर्वाधार र सेवाहरू निर्माण, विस्तार गर्न समन्वय गर्ने । | १ | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | प्रत्येक वर्ष |
| २४ | विपद्को समयमा प्रतिकार्यमा सहयोग उपलब्ध गराउने एकीकृत प्रणालीको विकास गर्ने । | १ | गाउँपालिका / विषयगत क्षेत्र | प्रत्येक वर्ष |

खण्ड ५ : आपतकालिन पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना

५.१ विषयगत क्षेत्र, उद्देश्य र योजना :

विपद्को समयमा आपतकालीन प्रतिकार्य गर्न र उक्त कार्यका लागी आवस्यक पुर्वतयारी गरी प्राथमिकताका कार्यहरू समय सिमा भित्र गर्न सबै क्लस्टरको विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना तयार गरिएको छ । विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाले विपद्बाट उत्पन्न हुन सक्ने मानवीय तथा भौतिक क्षतिहरूलाई सकेसम्म कम गर्नुको साथै विपद्का घटना भै हालेमा विपद् प्रभावितलाई तत्काल उद्धार , क्षेत्रगत राहत र मानविय सहयोग उपलब्ध गराउन महत्वपूर्ण भुमिका खेल्दछ । प्राथमिकता प्राप्त पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना क्षेत्रगत उद्देश्य सहित कार्यतालिका र क्लस्टर को अगुवा र सदस्यहरूको नामावली निम्नानुसार रहेको छ ।

५.१.१ समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्र :

विपद् प्रतिकार्यकालागी समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्रको महत्वपूर्ण दायित्व रहन्छ । प्रभावित व्यक्ति तथा प्रभावित समुदायलाई एकीकृत रूपमा सबैप्रकारका सहयोग उपलब्ध गराउन यस क्षेत्रले अन्य क्षेत्रसंग निरन्तर समन्वय र सहकार्य द्वारा कार्य गर्नेछ ।

तालिका १२: समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लस्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|-------------------|-----------------|----------------------|------------|------------|
| १ | गणेश कुमार के.सी. | अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका | संयोजक | ९८२९८७८३६० |
| २ | यश वहादुर भण्डारी | प्र.प्र. अधिकृत | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८५७८७७७६३ |
| ३ | गणेश गिरी | प्रमुख | प्रहरी चौकी सिम्रुतु | सदस्य | ९८५७८४६२३१ |
| ४ | टि.एन. सारु मगर | प्रमुख | प्रहरी चौकी भुलेटा | सदस्य | ९८४८१८५३५१ |
| ५ | विर वहादुर शाही | प्रमुख | प्रहरी चौकी नुवाकोट | सदस्य | ९८४८१५५९८२ |
| ६ | युवराज गिरी | सुचना अधिकृत | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८०९९४७६९९ |
| ७ | गोपाल ओली | स्थानिय पत्रकार | | सदस्य | ९८६९९५९४२ |

५.१.१.१ समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्षेत्रको उद्देश्य :

समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टरको विपद् प्रतिकार्यमा सबैभन्दा महत्वपूर्ण भुमिका हुन्छ । मानव जीवन बचाउनु र सम्भावित मानविय क्षति कम गर्नु, त्यसकालागी प्रभावकारी सुचना प्रवाह र समन्वय नै यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य हो । त्यसका अतिरिक्त निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- प्रभावितहरूको तत्काल जीवन बचाउनु र सम्भावित मानविय क्षति कम गर्नु ।
- विपद्मा परेकाहरूलाई, विशेषगरी महिला, बालबालिका, वृद्धवृद्धा, अपाङ्गगता भएका व्यक्तिलाई प्राथमिकता दिएर खोज उद्धार गर्नु ।
- विपद्मा परेका समुदायलाई उद्धार गरी सुरक्षित आश्रय स्थलमा राख्नु तथा धन सम्पत्ति को सुरक्षा गर्नु ।

- विपद्को समयमा प्रभावित समुदायको खोज तथा उद्धारका लागि आवश्यक सामाग्रीहरुको आवस्यक व्यवस्था गर्नु ।
- IRA,MIRA विधिवाट समयमै तथ्यांक लिन र लेखाजोखा विश्लेषण गर्न कार्यदल परिचालन र समन्वय गर्नु ।
- सूचना व्यवस्थापन तथा पूर्व सूचना प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाउनु ।
- विपद प्रतिकार्यका लागी अन्य क्लस्टर ,संघर प्रदेश सरकार,निकाय र सरोकारवालाहरुसंग सूचना प्रवाह तथा प्रभावकारी समन्वय गर्नु ।
- विपद प्रतिकार्यको नियमित अनुगमन वाट खाडल पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्नु ।

५.१.१.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकामा विपद् आइ अधिकांश स्थानहरु विपद्का कारणले घरहरु भत्किई मानिसहरुको मृत्यु मानिसहरु घरबाट निस्कन नसकिरहेको, आफ्नो ज्यान जोगाउन भागाभाग भएको ,चोटपटक लागेको,अन्नपात नोक्सान भएको, खेतियोग्य जमिन नोक्सान भएका परिकल्पनाका आधारमा मूल्य २ प्रकोपको परिदृश्य निर्माण गरिएको छ ।

भुकम्प :

८५ जनाको मृत्यु, १४० जना घाइते, १५०० घर पुर्ण रूपमा क्षती, २ कि.मी सडकमा क्षती, १८ वटा सिचाइ कुलो पुर्ण क्षती, २० वटा खानेपानी आयोजना र मुलमा पुर्ण क्षती,सडक, पुल, विद्युत् आपूर्ति, सञ्चार आदि सार्वजनिक पूर्वाधारहरु क्षतिग्रस्त, आवागमन अवरुद्ध भएर प्रभावित क्षेत्रमा पहुँचको कठिनाई, बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु ।

बाढी/पहिरो :

१० जना को मृत्यु,१२ जना घाइते,८ कि.मी बाटो भत्किएको,६ वटा घर वगाएको,१३० घरधुरी प्रभावित, ९०० मि. सिचाइ कुलो परिएको,३० वटा विजुली का पोलमा क्षति भई विद्युत सेवा अवरुद्ध,२ वटा बिद्यालय भस्कीएका,१८० रोपनी जमिन पुरिएको,४ घरपरिवार विस्थापित ।

५.१.१.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार :

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | बजेट रु.हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका सामानखरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वात्य सहयोगी |
|-------|---|--|----------------|--|------------------------------|--|
| १ | ● विपद्को क्षति, नोक्सानीको मुल्याङ्कनका लागी सर्वेक्षण टोली गठन पुर्नगठन र तालिम | समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | २० | तालिम | प्रत्यक वर्ष मनसुन पुर्व | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स.संघ र प्रदेश सरकार, रेडक्रस संघसंस्थाहरु, संचार माध्यम, राजतितिक दल |
| २ | ● समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टरको वैठक प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ने । | समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | १५ | वैठक | ३, ३ महिनामा | |
| ३ | ● समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने । | समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | ० | वैठक | नियमित | |
| ४ | ● गाउँपालिकासंग भएका डोजर, टिप्पर लगायत का साधन तयारी अवस्थामा राख्ने । | गाउँपालिका | १०० | नियमित मर्मत सम्भार | नियमित | |
| ५ | ● जेखिममा रहेका व्यक्ति तथा समुदायको पहिचान गर्ने । | गाउँपालिका, वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति | ५० | सुचना संकलन गरेर | प्रत्येक वर्ष कार्तिक मसान्त | |
| ६ | ● जेखिमयुक्त क्षेत्रमा पुर्व सूचना प्रणाली जस्तै माइक, साइरन खरिद, उपलब्ध गराउने | समन्वय, खोज, उद्घार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | १०० | खरिद र भण्डारण | आवस्यकता अनुसार | |
| ७ | ● सुरक्षित स्थानको पहिचान र | गाउँपालिका, वन | ५० | स्थलगत अध्ययन | नियमित | |

| | व्यवस्थापन गर्ने । | वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति | | | |
|----|---|---|------|------------------------|-------------------------------|
| ८ | ● सूचना संकलनका लागि आवश्यक पर्ने फाराम (जस्तै IRA,MIRA) छपाई गरेर राख्ने र तालिम दिने | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | १० | छपाई | मनसुनपुर्व |
| ९ | ● क्षेत्रगत नेतृत्व गर्ने निकायहरूसंग नियमित समन्वय बैठक गर्ने । | गाउँपालिका, वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति | ३० | बैठक | प्रत्येक ३,३ महिनामा |
| १० | ● राहत वितरणकालागी सिफारिस फाराम लगायतका कागजात तयारी तथा अध्यावधिक गर्ने । | गाउँपालिका | २० | छपाई | स्थानिय विपद व्यवस्थापन समिति |
| ११ | ● खोज उद्धारका लागि आवश्यक पर्नेसामाग्रीहरू जस्तै प्लाष्टिक, वायर कटर, लाईफ ज्याकेट, डोरी, गैटी, वेल्वा, कोदालो, सावेल, आरा, घिर्नी, कंक्रिट कटर, क्यारविना लाईफ ज्याकेट, हेल्मेट, वुट टयुब, स्थानीय ढुडगा, रवर वोट, त्रिपाल, , आदि व्यवस्था गरी गाउँपालिका र वडा स्तरमा राख्ने । | गाउँपालिका, वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति, समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | १००० | निर्णय, खरिद र भण्डारण | मनसुन पुर्व |
| १२ | ● आपत्कालीन आश्रय भवनहरू निर्माण गर्ने | गाउँपालिका | १००० | व्यवस्थापन, खरिद | २०८१ भित्र |
| १३ | ● एम्बुलेन्स तथा सवारी साधनहरूको सुची र सम्पर्क व्यक्तिको विवरण तयार गर्ने । | गाउँपालिका | ० | व्यवस्थापन, खरिद | ३ महिना भित्र |
| १४ | ● स्थानिय आपतकालिन सञ्चालन केन्द्रलाई व्यवस्थित र जिल्ला, प्रदेश र राष्ट्रिय आपतकालिन कार्य | गाउँपालिका | ० | समन्वय | निरन्तर |

| | | | | | |
|----|--|---|-----|---|---------------------------|
| | सञ्चालन केन्द्र को सुचना प्रणली संग जोड़ने। | | | | |
| १५ | ● टोल र वडा स्तरिय खोज तथा उद्धार टिम निर्माण गरी तालिम सञ्चालन गर्ने र उनिहरुको रोस्टर बनाउने। | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, वडा कार्यालय | १०० | टिम निर्माण तथा तालिम | २०८१ भित्र |
| १६ | ● प्राथमिक उपचार टिम तयारी अवस्था राख्ने। | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | ० | समन्वय | मनसुन पुर्व |
| १७ | ● स्वयंसेवक दस्ता निर्माण र कृतिम अभ्यास गराउने। | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | १०० | अभ्यास | वर्षको एकपटक |
| १८ | ● उद्धारकर्मीहरुको रोस्टर तयार पार्ने। | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | ० | सम्पर्क तथा निर्माण | मनसुन पुर्व, वर्षको एकपटक |
| १९ | ● वडा स्तरमा पौडि खेलन सक्ने व्यक्तिहरुको सुची र फोन नम्बर राख्ने। | समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | ० | सम्पर्क तथा निर्माण | मनसुन पुर्व, वर्षको एकपटक |
| २० | ● साझेदार तथा सहयोगी निकाय र उनिहरुसंग भएको श्रोत र साधनको सूची तयार गर्ने। | गाउँपालिका | ० | पत्राचार, समन्वय वैठक | मनसुन पुर्व, वर्षको एकपटक |
| २१ | ● विपद्सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न पम्लेट, पोष्टर, पर्चा तयार गरी विशेषगरी सझकटासन्न स्थानहरुमा हरूमा वितरण गर्ने। | वन वातावरण तथा विपद्व्यवस्थापन समिति, गाउँपालिका तथा वडाविपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ५० | पम्लेट, पोष्टर, पर्चा तयारी, प्रकाशन र प्रसार | वर्षको एकपटक |
| २२ | ● प्रभावित तथा विस्थापितहरुको पहिचानका लागि २००० थान परिचय पत्र छपाई गरीतयारी अवस्थामा राख्ने। | गाउँपालिका तथा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | २० | छपाई | २०८२ जेठ |

| | | | | | | |
|-------|--|---|-----|------------------|---------------------------|--|
| २३ | ● खोज उदार सामाग्रीहरूको समय समयमा अध्यावधिक गर्ने । | समन्वय, खोज, उदार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | ० | अध्यावधिक | मनसुन पुर्व, वर्षको एकपटक | |
| २४ | ● उपकरण खरीद तथा व्यवस्थापन । | गाउँपालिका | ३०० | खरीद तथा भण्डारण | २०८२ वैसाख | |
| २५ | ● अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन तथा वैठक । | गाउँपालिका | २० | वैठक | प्रत्येक ३,३महिना | |
| जम्मा | | २९६५ | | | | |

५.१.१.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : समन्वय, खोज, उदार र सुचना तथा सञ्चार :

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरू | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|---|---|--|---|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प : ८५ जनाको मृत्यु, १४० जना घाइते, १५०० घर पुर्ण रूपमा क्षती, २ कि.मी सडकमा क्षती, १८ वटा सिचाइ कुलो पुर्ण क्षती, २० वटा खानेपानी आयोजना र मुलमा पुर्ण क्षती, सडक, पुल, विद्युत् आपूर्ति, | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिकास्तरीय विपद तथा जलवायु उत्थानशील समितिको आकस्मिक वैठक वस्ने । क्लस्टर को आपतकालिन वैठक वस्ने । प्रारम्भिक जानकारी तथा सूचना सङ्कलन गरी परिस्थितिको विश्लेषण गर्ने । सबै विषयगत क्षेत्र तथा तिनका सदस्य संग सम्पर्क गर्ने र सक्रिय पार्ने । प्रमुख जिल्ला अधिकारी र जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति लगायत सुरक्षा निकायलाई खबर र समन्वय गर्ने । खोज तथा उदारका लागि सुरक्षा निकाय | समन्वय, खोज, उदार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर, | गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरू, रेडक्र स संघसंस्थाहरू, संचार माध्यम, राजतितिक दल | २४ घंटा भित्र |

| | | | | | |
|---|--|---|---|--|---------------------------|
| <p>सञ्चार आदि</p> <p>सार्वजनिक पूर्वाधारहरू क्षतिग्रस्त, आवागमन अवरुद्ध भएर प्रभावित क्षेत्रमा पहुँचको कठिनाई, बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु।</p> <p>बाढी/पहिरो :</p> <p>१० जना को मृत्यु,१२ जना घाइते,८ कि.मी बाटो भूत्कालिको,६ वटा घर वगाएको,१३० घरधुरी प्रभावित, ९०० मि. सिचाइ कुलो परिएको,३० वटा विजुली का पोलमा क्षति भइ विद्युत सेवा अवरुद्ध,२ वटा विद्यालय भस्कीएका,१८०</p> | <p>र टोली परिचालन खोज तथा उद्धारका कार्य गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● वडा र समुदाय स्तरमा रहेका दक्ष खोज तथा उद्धार जनशक्तिलाई परिचालन गरी खोज तथा उद्धारका कार्य गर्ने । ● खोज उद्धार गर्दा महिला, वालबालिका, जेष्ठ नागरिक र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई विशेष प्राथमिकता दिने । ● IRA फर्म वाट तथ्याक संकलन । ● वडा स्तरिय विपद् व्यवस्थापन समिति परिचालन समवय गर्ने । ● घाइतेहरूको प्राथमिक उपचार का लागी स्वास्थ्य कलष्टर संग समन्वय गर्ने र थप उपचारका लागी स्वास्थ्य संस्थाहरूमा पठाउने । ● प्रभावितहरूलाई सुरक्षित स्थान पहिचान गरी त्यस तरफ लैजाने । ● हराएकाहरूको खोजि गर्ने । ● जिल्ला,प्रदेश तथा संघमा क्षतिको विवरण पठाउने समन्वय गर्ने । | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> ● प्रभावितहरूलाई थप उपचारको व्यवस्था गर्ने । ● हराएकाहरूको खोजि गर्ने । ● खोजतलास र उद्धारका लागी अस्थायी पोष्ट निर्माण गर्ने । | <p>समन्वय,खोज,उद्धा र र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय,जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरू,रेडक्र</p> | <p>४८ घटाभित्र</p> |

| | | | | | |
|---|--|--|---|--|----------------------|
| <p>रोपनी पुरिएको, ४ घरपरिवार विस्थापित।</p> | <p>जमिन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● खोजतलास र उदार जारी राख्ने । ● अन्य क्लस्टर संग कर्यहरुको जानकारी र सम्बन्ध गर्ने । ● मृतकहरुको शब संकलन, मुचुल्का तथा सनाखात, पोष्टामार्टम गरि आफन्तलाई बुझाउने । ● मृतक पशुचौपाया लयायत को दुर्गन्ध व्यवस्थापन गर्ने । ● IRA फर्म वाट तथाक संकलन जारी राख्ने । ● खोजतलास का क्रममा भेटिएका बहुमूल्य वस्तुहरुको सुरक्षा तथा संरक्षण गर्ने, अभिलेख राख्ने र सम्बन्धितलाई जिम्मा लगाउने । ● अस्थायी आवास तथा शिविर मा प्रभावितहरुलाई व्यवस्थापन गर्ने ● राहत वितरणमा प्रभावकारी भुमिका निर्वाह गर्ने । ● विपद भएका स्थानमा आपतकालीन सूचना केन्द्र स्थापना गर्ने । ● सञ्चार माध्यमका लागि हरेक दिन सूचना तथा समाचार उपलब्ध गराउने | | <p>विपद् जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>तथा संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | |
| | <ul style="list-style-type: none"> ● प्रभावित परिवारलाई सुरक्षित स्थानमा बसोबास गराउन सम्बन्ध गर्ने । ● हराएकाहरुको खोजि कार्य जारी राख्ने ● विभिन्न संघ संस्था संग सम्बन्ध गरी प्रभावितहरुलाई राहतको व्यवस्था गर्ने | <p>सम्बन्ध, खोज, उदा र र सूचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, विपद्</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरु, रेडक</p> | <p>७२ घंटा भित्र</p> |

| | | | | |
|--|--|---|--|---------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> ● शवहरुको व्यवस्थापन गर्ने । ● सबै कलष्टरको कामको अनुगमन मुल्यांकनका कार्य गर्ने । | | <p>जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>स संघसंस्थाहरु, संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | |
| <ul style="list-style-type: none"> ● वहुक्षेत्रगत द्रुत लेखाजोखा (MIRA) वाट तथ्यांक लिने । ● प्रभावित क्षेत्रमा राहत वितरणमा समन्वय गर्ने । ● वास्तविक पिडितले राहत पाए नपाएको एकिन गर्ने । ● राहत वितरणलाई निर्विवाद बनाउन राजनीतिक दलहरू वा सबै पक्षलाई सहभागी गराउने । ● खोज तलास कार्यलाई निरन्तरता दिइ राख्ने ● IRA वाट सङ्कलित सूचना तथा तथ्याङ्कको आधारमा प्रतिवेदन तयार पार्ने । ● गाउँपालिका तथा जिल्लामा उपलब्ध उद्धार तथा अन्य प्रतिकार्य सम्बन्धी सेवा, क्षमता र उद्धार सामग्रीको अवस्थाको समीक्षा गर्ने । ● प्रभावित क्षेत्रमा विद्यमान सार्वजनिक सेवा उपलब्ध गराउने संस्थाहरूको अवस्था र स्रोतको समीक्षा गर्ने । ● अपुग स्रोत तथा साधनको व्यवस्थाका लागी माथिल्लो निकाय र सरोकारवाला संग समन्वय गर्ने । | <p>समन्वय, खोज, उद्धार सूचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरू, रेडक्र स संघसंस्थाहरु, संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | <p>१ हप्ताभित्र</p> |

| | | | | |
|--|--|---|--|---------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> ● विपद्को क्षतिवाट भएको क्षति र अवस्थाको विस्तृत तथ्यांक संकलन गरी आवश्यकताको पहिचान गर्ने । ● प्रभावितहरूलाई राहत वितरणको अवस्थाको बारेमा जानकारी लिने । ● प्रभावितहरुका समस्याका बारेमा निरन्तर जानकारी लिने । ● संकलित तथ्यांक का आधारमा वृस्तृत प्रतिवेदन तयार गर्ने । ● सबै कलष्टरको कामको अनुगमन मुल्यांकनका कार्य गर्ने । | <p>समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरु, रेडक्र स संघसंस्थाहरु, संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | <p>१५ दिनभित्र</p> |
| <ul style="list-style-type: none"> ● शिविर सञ्चालनमा सहयोग ● प्रतिवेदनका आधारमा थप नपुग स्रोत तथा साधनको वयवस्थाका लागी माथिल्लो निकाय र सरोकारवाला संग समन्वय गर्ने ● प्रभावितहरूलाई राहत वितरणको अवस्थाको बारेमा जानकारी लिने । ● प्रभावितहरुका समस्याका बारेमा निरन्तर जानकारी लिने । ● सरोकारवालाहरुसंग नियमित छलफल र बैठक गर्ने । ● सबै कलष्टरको कामको अनुगमन मुल्यांकनका कार्य गर्ने । | <p>समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरु, रेडक्र स संघसंस्थाहरु, संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | <p>१ महिनभित्र</p> |

| | | | | |
|---|--|---|--|----------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> ● शिविर सञ्चालनमा सहयोग ● क्षति भएको सम्पति विवरण लिने ● विस्थापितहरूको पहिचानका गरी परिचय पत्र वितरण गर्ने । ● पुर्नस्थापना को प्रक्रिया अगाडी बढाउने । | <p>समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर,</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, जि.स.स स्थानिय संघ र प्रदेश कार्यालयहरू, रेडक्र स संघसंस्थाहरू, संचार माध्यम, राजतितिक दल</p> | <p>१ देखि ३ महिनाभित्र</p> |
|---|--|---|--|----------------------------|

५.१.२ खाद्य तथा कृषि क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ। प्रभावित व्यक्ति तथा प्रभावित समुदायलाई आवस्यक खाद्य सामग्रीको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ।

तालिका १३ : खाद्य तथा कृषि क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लस्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|----------------------|-------------|-----------------------------------|------------|------------|
| १ | भद्र वहादुर सिर्पाली | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका | संयोजक | ९८०९९५३८७६ |
| २ | रमेश पुन मगर | शाखा प्रमुख | कृषि शाखा | सदस्य | ९८१२८५४०६५ |
| ३ | डा.दिपक ओली | शाखा प्रमुख | पशु विकास शाखा | सदस्य | ९८४३४३०७४६ |
| ४ | गणेश वहादुर पुन | | भुल्नेटा बजार व्यवस्थापन समिति | सदस्य | ९८१०८३५८६९ |
| ५ | तुल्सीराम वुढाथोकी | | सिम्रुत बजार व्यवस्थापन समिति | सदस्य | ९८०९९४७५१४ |

५.१.२.१ खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको उद्देश्य :

खाद्य तथा कृषि क्लस्टरको विपद प्रतिकार्यमा महत्वपूर्ण भुमिका हुन्छ। विपदवाट प्रभावित व्यक्ति, परिवारलाई आपतकालिन अवस्थामा खाद्य सामग्रीको व्यवस्था गरी जीवन बचाउने र मध्य तथा दीर्घकालिन रूपमा कृषि तथा पशुपालनको क्षेत्रलाई पुर्नस्थापना को प्रक्रियामा लैजाने यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य हो। त्यसका अतिरिक्त निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन्।

- विपद प्रभावित व्यक्तिहरुका लागि समयमै तयारी खानेकुरा उपलब्ध गराउनु र पहुँच को सुनिश्चितता गर्नु।
- विपदमा प्रभावित खाद्यको अभाव भएका व्यक्ति तथा समुदायलाई खाद्य सहयोग उपलब्ध गराउनु तथा खाद्यान्तमा सबैको समानुपातिक पहुँच पुऱ्याउनु।
- गर्भवती, सुत्केरी, आमाको दूध खाने बच्चा, कुपोषणमा परेका बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, , अपाङ्गता भएका व्यक्ति, र समुदायलाई पोषणयुक्त खाद्यान्त उपलब्ध गराउनु।
- मृत, घाइते तथा अवस्थामा रहेको पशुहरुको को उद्धार, व्यवस्थापन तथा उपचार गर्नु।
- क्षतिग्रस्त कृषि तथा पशुपालन संग सम्बन्धित संरचनाहरुको मरम्मत तथा पुर्ननिर्माणको प्रक्रिया थालनी गर्नु।
- प्रभावित पारिवारहरलाई दीर्घकालीन आयआर्जनका गतिविधिहरुमा संलग्न गराउन आवस्यक अनुदानका साथै ज्ञान, सीपर प्रविधि हस्तान्तरण गर्नु।

५.१.२.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको खाद्य तथा कृषि क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने उक्त क्षेत्रको २ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरीएको छ।

भुकम्प : घर भत्कीएर संचित ४००० किवन्टल भण्डारण गरिएको अन्नबाली नस्ट, २०० वटा पशु चौपाया को मृत्यु, १५० घाइते, ६० वटा वाखाको खोर भत्केका, १० वटा गाइभैसीको गोठ भत्केका १८ वटा कच्च कुलोहरु भत्केको, २०० क्वीन्टल संचित बिउ नष्ट ।

बाढी/पहिरो : १० वटा घर पुरिदा अन्न बालि तथा पशु चौपाया पुरिएको, १० वटा पोलि हाउस पुरिएको, १० वटा गाइ, भैसीको गोठ पुरीएको, ८ वटा वाखाको खोर नष्ट, ५ वटा सिचाइ नहर र कुलो भत्किएको ।

५.१.२.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : खाद्य तथा कृषि

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (सामानखरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|---|---|--------------------|--|---------------------------|---|
| १ | • खाद्य तथा कृषि क्लष्टरको वैठक प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ने । | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर | २० | वैठक | ३,३ कहिनामा | कृषि विकास कार्यालय, पशु सेवा विकाश केन्द्र, प्रदेश, संघिय सरकार, युनिसेफ, रेडक्रस उद्योग वाणिज्य संघ, संघसंस्था, वयक्तिगत दाता, संचार माध्यम, राजनिकि दल आदि |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने । | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३महिनामा | |
| ३ | • आपतकालिन अवस्थाकालीग अस्थायी तथा स्थायी भण्डार गृह को व्यवस्था गर्ने । | गाउँपालिका, गाउँपार्स लका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ३० | भण्डार गृह स्थापना | २०८२ जेठ | |
| ४ | • २००० जनाका लागी तयारीखाना, चाउचाउ, बिस्कुट, चिउरा नमकिन आदी भण्डारण गरी राख्ने वा स्थानिय पसलसँग सम्झौता गरी राख्ने । | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर | ३०० | भण्डारण | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| ५ | • २००० जनाका लागी खाद्यान्न सामाग्रीहरु जस्तै दाल, चामल, नून, तेल, मरमसला खरिद र भण्डारण गरी राख्ने वा स्थानिय व्यापारी सँग सम्झौत गरी राख्ने । | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर, गाउँपालिका | ८०० | भण्डारण | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| ६ | • विपद को समयमा खाद्यसामाग्रीहरु | खाद्य तथा कृषि | ० | समन्वय, वैठक | प्रत्येक वर्ष | |

| | | | | | | |
|----|--|-----------------------------------|-----|-----------------------------------|--------------------------------|--|
| | उपलब्ध गराउने सहयोगदाताहरुको सुची तयार गर्ने । | क्लस्टर, | | | मनसुन अगाडी | |
| ८ | • खाद्यान्न वितरण कार्यदल गठन गर्ने । | खाद्य तथा कृषी क्लस्टर, | ० | वैठक,जिम्बेवारी वाडफाड | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| ९ | • स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रसँग समन्वय गरी ३०० जना ६ महिनादेखि ५ वर्ष मुनीका बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, गर्भवती तथा सुत्केरी महिलालाई पोषणयुक्त खाना जस्तै विस्कुट, लिटो, दुध को भन्डारण वा समयमे आपुर्तिको व्यवस्था गर्ने । | गाउँपालिका | ५० | खरिद,भण्डारण,व्यापारी संग सम्झौता | प्रत्येक वर्ष मंसिर मसान्त | |
| १० | • १००० पशुपक्षीका लागि चाहिने आहार, घाँसपात एवम् दाना परालको व्यवस्था । | गाउँपालिका,पशुवि कास शाखा | १०० | खरिद,भण्डारण,व्यापारी संग सम्झौता | प्रत्येक वर्ष मंसिर मसान्त | |
| ११ | • ३००० पशुपक्षीका लागि सरुवा तथा परजिवि नियन्त्रणका लागी आवस्यक औषधी खरिद गरी भण्डारन गर्ने । | गाउँपालिका,पशुवि कास शाखा | १०० | खरिद ,भण्डारण | प्रत्येक आर्थिक वर्ष को सुरुमा | |
| १२ | • पशु चौपायाका अस्थायी छाप्राका लागि चाहिने सामानहरु, काठ, खर, त्रिपाल आदी भण्डारण गरी राख्ने । | खाद्य तथा कृषी क्लस्टर,गाउँपालिका | २०० | खरिद ,भण्डारण | प्रत्येक वर्ष मंसिर मसान्त | |
| १३ | • गाउँपालिकाको कुल खेतियोग्य जग्गाको १० प्रतिशत लाइ पुरने मौसम अनुसारको बीउबीजन, मलखाद, औषधि, विषादी, अन्य बिउ विजन खरिद तथा भन्डारण गर्ने । | गाउँपालिका,गाउँपारी लका कृषि शाखा | ४०० | खरिद ,भण्डारण | प्रत्येक आर्थिक वर्ष को सुरुमा | |

| | | | | | | |
|-------|---|-----------------------------------|-----|---------------|--------------------------------|--|
| १४ | • १००० मी बाँध, कूलो नहर को अस्थायी मर्मत का लागी (बास, बोरा, ढुडगा आदि को भण्डारण गर्ने । | गाउँपालिका,गाउँ पालिका कृषि शाखा | २०० | खरिद,भण्डारण | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| १५ | • ५० वटा पोलिहाउस मर्मतकालागी सामाग्री भण्डारण । | गाउँपालिका,गाउँपालिका कृषि शाखा | २०० | खरिद ,भण्डारण | प्रत्येक आर्थिक वर्ष को सुरुमा | |
| १६ | • कृषी औजार, उपहकरण खरिद । कृषी पशुपालन सम्बन्धी तालिम । | गाउँपालिका,कृषि तथा पशुविकास शाखा | २०० | खरिद ,भण्डारण | प्रत्येक आर्थिक वर्ष को सुरुमा | |
| १७ | • विपद्को समयमा प्रभावित परिवारलाई परिवारमा पुर्नस्थापना गरि आय आर्जनको क्रियाकलाप संचालन गर्ने । | गाउँपालिका,कृषि तथा पशुविकास शाखा | २०० | करार संभौता | प्रत्येक आर्थिक वर्ष को सुरुमा | |
| १८ | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन । | खाद्य तथा कृषी क्लस्टर, | १० | वैठक | २०८१ चैत्र | |
| जम्मा | | २८१० | | | | |

५.१.२.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : खाद्य तथा कृषि

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|-----------------------|---|----------------------|------------------|---------------------|---------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प :घर | • खाद्य तथा कृषि क्लस्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र | खाद्य तथा गाउँपालिका | गाउँपालिका | कृषि विकास कार्यालय | २४ घंटा |

| | | | | | |
|---|--|--|--|---|---|
| <p>भत्कीएर संचित ४००० क्विन्टल भण्डारण गरिएको अन्नबाली नस्ट,२०० वटा पशु चौपाया को मृत्यु,१५० घाइते,६० वटा वाखाको खोर भत्केका,१० वटा</p> <p>गाइमैसीको गोठ भत्केका१८ वटा कच्चि कुलोहरु भत्केको,२०० क्वीन्टल संचित बिउ नष्ट।</p> <p>बाढी/पहिरो : १० वटा घर पुरिदा अन्न वालि तथा पशु चैपाया पुरिएको,१० वटा</p> <p>पोलि हाउस पुरिएको,१० वटा गाइ,भैसीको गोठ पुरीएको,८ वटा वाखाको खोर नष्ट,५ वटा सिचाइ नहर र</p> | <p>जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको प्रारम्भिक तथ्यांक लिने खाद्य सामग्री वजार तथा भण्डार भएको स्थल वाट प्रभावित क्षेत्रमा ढुवानी गरी पठाउने । तयारीखाना, चाउचाउ, विस्कुट, चिउरा नमकिन आदी वितरण गर्ने । प्रभावितहरूलाई प्रति परिवार परिवार हेरी ३ देखि ५ केजी चामल दाल तरकारि नुन तेल वेसार, मसला आदि वितरण गर्ने पशु आहारा वितरण गर्ने <ul style="list-style-type: none"> प्रभावितहरूलाई चामल दाल तरकारि नुन तेल आदि वितरण गर्ने र प्रभावित हरूले खाद्य सामग्री पाए नपाएको सुनिश्चित गर्ने अस्थाई छाप्रोको व्यवस्था गर्ने,पशु चौपायालाई अन्यत्र सार्ने, घाइते पशुहरूको को उपचार उद्धार गर्ने । खाद्यान्नको मापदण्ड अनुरूप खाद्य सामग्री वितरण गर्ने, भण्डारण गरिएको खाद्यान्नको अनुगमन तथा निरीक्षण गर्ने मरेका पशुचौपाया गाइने व्यवस्थापन गर्ने । पशु आहारा वितरण गर्ने <ul style="list-style-type: none"> खाद्यान्नको मापदण्डअनुरूप खाद्य सामग्री वितरण र खाद्यान्न वितरण प्रक्रियालाई सहज र सरल बनाउन नियमित अनुगमन गर्ने पशु रोगको उपचार गर्ने । सूचना प्रवाह गर्ने । विवरण संकलन गर्ने । पशु आहारा वितरण गर्ने | <p>कृषि क्लस्टर,</p> <p>खाद्य तथा कृषि क्लस्टर,</p> <p>खाद्य तथा कृषि क्लस्टर,</p> | <p>कृषी शाखा पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> <p>गाउँपालिका कृषी शाखा,पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति</p> <p>गाउँपालिका कृषी शाखा,पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति</p> | <p>भेटेरीनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार,युनिसेफ उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल</p> <p>कृषि विकास कार्यालय भेटेरीनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार,युनिसेफ उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल</p> <p>कृषि विकास कार्यालय भेटेरीनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार,युनिसेफ उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल</p> | <p>भित्र</p> <p>४८ घंटाभित्र</p> <p>७२ घंटा भित्र</p> |
|---|--|--|--|---|---|

| कुलो भृत्यिएको । | | | समिति | | |
|--|-------------------------|---|--|----|-------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> खाद्य क्षेत्रको नियमित बैठक तथा प्रतिवेदन तयारी गरी सबै सरोकारवालालाई उपलब्ध गराउने खाद्यान्तको मापदण्डअनुरूप खाद्य सामग्री वितरण गर्ने खाद्यान्त वितरण प्रक्रियालाई सहज र सरल बनाउन नियमित अनुगमन गर्ने पशु आहारा वितरण गर्ने | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर, | गाउँपालिका कृषि शाखा,पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | कृषि विकास कार्यालय भेटेरीनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार,युनिसेफ उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल | १ | हप्ताभित्र |
| <ul style="list-style-type: none"> खाद्यान्तको मापदण्डअनुरूप खाद्य सामग्री वितरण गर्ने खाद्यान्त वितरण प्रक्रियालाई सहज र सरल बनाउन नियमित अनुगमन गर्ने पशु आहारा वितरण गर्ने अस्थायी गोठ, खोर, टहरा निर्माण भृत्यीएका सिंचाइ कुलो, नहरहरुको अस्थायी मर्मत पोली हाउसहरुको मर्मत तथा पुनर्निर्माण | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर, | गाउँपालिका कृषि शाखा,पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | कृषि विकास कार्यालय भेटेरीनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार,युनिसेफ उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल | १५ | दिनभित्र |
| <ul style="list-style-type: none"> प्रभावित परिवारलाई विउ वितरण गर्ने गोठ, खोर, टहरा, मर्मत तथा पुनर्निर्माण प्राविधिक सेवाका लागि प्राविधिक परिचालन गर्ने प्रतिवेदन तयारी गर्ने र सम्बन्धित ठाउमा पठाउने | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर, | गाउँपालिका कृषि शाखा,पशु सेवा शाखा गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | कृषि विकास कार्यालय ,पशु सेवा विकाश केन्द्र, प्रदेश,संघिय सरकार, उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनिकि दल | १ | महिनभित्र |
| • भृत्येका संरचना निर्माण तथा पुनर्निर्माण को थालनी गर्ने । | खाद्य तथा कृषि | गाउँपालिका कृषि शाखा,पशु सेवा शाखा | कृषि विकास कार्यालय, पशु सेवा विकाश केन्द्र, | १ | देखि ३ महिनाभित्र |

| | | | | | |
|--|--|----------|---|---|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> • बिउ बिजन ,घाँसको बिउ वितरण गर्ने,नहर कुलोहरुको मर्मत गर्ने । • दुहुना पशुहरुको आहारा वितरण र प्राविधिक सेवाका लागि प्राविधिक परिचालन गर्ने • प्रभावित परिवार लाई परिवारमा पुनस्थापना गरी आर्य आर्जनका क्रियाकलापको शुरुवात गर्ने • अनुगमन तथा मुल्यांकन | क्लस्टर, | <p>गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति</p> | <p>प्रदेश,संघिय सरकार, उद्योग वाणिज्य संघ ,संघसंस्था, संचार माध्यम ,राजनीतिक दल</p> | |
|--|--|----------|---|---|--|

५.१.३. गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी गैर खाद्य सामाग्री र आश्रय क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । प्रभावित व्यक्ति तथा प्रभावित समुदायलाई आवस्यक गैर खाद्य सामाग्रीको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १४: गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लस्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|-----------------|-------------|-----------------------|------------|------------|
| १ | धन वहादुर खड्का | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका,७ | संयोजक | ९८०९५७९०८१ |
| २ | प्रदिप मल्ल | इन्जिनियर | प्राविधिक शाखा | सदस्य | ९८०६२०९९८१ |
| ३ | भुपलाल ओली | प्रतिनिधि | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | सदस्य | ९८०९८९६५०४ |
| ४ | शेर वहादुर ओली | प्रतिनिधि | SAC नेपाल | सदस्य | ९८५११७२९२१ |
| ५ | दयाराम के.सी. | प्रतिनिधि | उ.बा.संघ | सदस्य | ९८५७८४४२४५ |

५.१.३.१ गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्षेत्रको उद्देश्य :

विपद्वाट प्रभावित मानिसका लागि आवस्यक पर्ने न्यूनतम मानविय जीवनयापनको लागि आवस्यक पर्ने गैर खाद्य सामाग्रीहरूको व्यवस्थापन गरी पिडित व्यक्ति तथा परिवारलाई उपलब्ध गराउनु तथा सुरक्षित आश्रय स्थल को व्यवस्था गरी वसोवासको व्यवस्था गराउनु यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य हो । त्यसका अतिरिक्त यस क्लस्टरका निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- विपद प्रभावित व्यक्ति, परिवारहरूका लागि समयमै भाडाकुडा, लुगाफाटो, ओढने ओछ्याउने आदि गैरखाद्य सामग्री उपलब्धगराउनु ।
- विपद प्रभावित व्यक्ति, परिवारहरूका लागि समयमै पहिचान गरिएका स्थलहरूमा सुरक्षित आश्रयस्थलको निर्माण गरी वसोवासको व्यवस्था मिलाउनु ।
- विपद्का वाट घरवार विहीनहरूका निम्न स्थायी वसोवासको समस्या समाधानको प्रयत्न गर्नु ।

५.१.३.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल को २ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरिएको छ ।

भुकम्प : १५०० घर पुर्ण रूपमा क्षती भइ खुल्ला चौरमा बस्नु परेको, ३०० परिवारको लत्ता कपडा नोक्सान, बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु । विद्युत सेवा अवरुद्ध, संचार अवरुद्ध, स्वास्थ्य सेवा अवरुद्ध ।

वाढी / पहिरो : ६ घर पुर्ण रूपमा क्षति, ४० घर प्रभावित, ४ परिवार घरवार विहिन । ६०० मि. सिचाइ कुलो परिएको, २० वटा विजुली का पोलमा क्षति भइ विद्युत सेवा अवरुद्ध, २ वटा विद्यालय भस्कीएका, २०० रोपनी जमिन पुरिएको, १२ घरपरिवार विस्थापित ।

५.१.३.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका खरिद, भण्डारण, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|--|--|-----------------|---|---------------------------|--|
| १ | • गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लष्टरको वैठक प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ते । | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | २० | वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ। स्थानिय दाताहरु संघसंस्था, संचार माध्यम |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने । | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | |
| ३ | • आपतकालिन अवस्थाका गैरखाद्य सामाग्रीहरु भण्डार गर्न अस्थायी तथा स्थायी भण्डार गृह को व्यवस्था गर्ने । | गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | २० | भण्डार गृह स्थापना | २०८१ जेठ | |
| ४ | • विपद को समयमा गैरखाद्य सामाग्रीहरु उपलब्ध गराउने सहयोगदाताहरुको सुची तयार गर्ने । | गाउँपालिका, गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ० | समन्वय, वैठक | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| ६ | • आवश्यक लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) प्रति परिवार २,२ सेट का दरले १०० सेट भण्डारण गर्ने । | गाउँपालिका, गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ३०० | खरिद, भण्डारण | आर्थिक वर्षको सुरुमा | |
| ७ | • आवश्यक गैर खाद्य सामाग्रीहरु लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) प्रति परिवार २,२ सेट का दरले २०० सेट स्थानिय | गाउँपालिका, गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ६०० | खरिद, भण्डारण | आर्थिक वर्षको सुरुमा | |

| | | | | | |
|----|---|---|-----|---------------------|----------------------|
| | व्यापारी सँग सम्झौत गरी राख्ने। | | | | |
| ८ | • प्रभावितहरूलाई भाडाकुडा प्रति परिवार डेकिच २ थान,ताप्के १ थान, थाल ४ थान, बटुका ४ थान गिलास ४ थान, डाङु पन्यू १, १ थान , मग २ थान, वाल्टिन १ थान का दरले १०० सेट भण्डारण गरी राख्ने । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | २०० | खरिद, भण्डारण | आर्थिक वर्षको सुरुमा |
| ९ | • प्रभावितहरूलाई भाडाकुडा प्रति परिवार डेकिच २ थान,ताप्के १ थान, थाल ४ थान, बटुका ४ थान गिलास ४ थान, डाङु पन्यू १, १ थान , मग २ थान, वाल्टिन १ थान का दरले २०० सेट स्थानिय व्यापारी सँग सम्झौत गरी राख्ने । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ४०० | व्यापारी संग संझौता | मनसुन पुर्व |
| १० | • प्रभावित परिवार का लागी १०० थान कम्बल,१०० थान म्याट भण्डारण गर्ने । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ३०० | भण्डारण | मनसुन पुर्व |
| ११ | • प्रभावित परिवार का लागी २०० थान कम्बल,२०० थान म्याट स्थानिय व्यापारी सँग सम्झौता गर्ने । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ६०० | व्यापारी संग संझौता | मनसुन पुर्व |
| १२ | • गैर खाद्य सामाग्रीहरू वितरण कार्यदल गठन गर्ने । | गैरखाद्य सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | वैठक | प्रत्येक वर्ष |
| १३ | • आश्रय स्थल निर्माण का लागी टेन्ट २० सेट,त्रिपाल १०० वटा, वलियो डोरी १०० मुठा आदिको भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | ६०० | भण्डारण | मनसुन पुव |
| १४ | • क्वारेन्टाइन र आइसोलेसनका | गाउँपालिका,गाउँपालिका | १०० | स्थान छनौट र | महामारी को |

| | लागी स्थान छनौट र व्यवस्थापन । | विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, तथा स्वास्थ्य शाखा | | व्यवस्थापन | प्रारम्भिक चरणमा | |
|--------------|--|--|-------------|-----------------------|------------------|--|
| १५ | • बाँस पाइने स्थान को लगात राख्ने । | गैरखाद सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | | निरन्तर | |
| १६ | • आश्रय स्थल र अस्थायी बसोबासका का लागी सार्वजनिक स्थलहरूको पहिचान । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | ० | | प्रत्येक वर्ष | |
| १७ | • आश्रयस्थल व्यवस्थापन तथा समन्वय समितिको संरचना, मापदण्ड र जिम्मेवारीहरू निर्धारण गर्ने । | गैरखाद सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | | २०८१ भित्र | |
| १८ | • सुरक्षित खुलाठाउँ पहिचान र संरक्षण गर्ने । | गैरखाद सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ५० | अनुगमन | २०८१ भित्र | |
| १९ | • तालिम प्राप्त डकर्मी,सिकर्मी तथा अन्य आवस्यक दक्ष व्यक्तीहरूको रोप्टर निर्माण गर्ने । | गैरखाद सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | सम्पर्क, सुची निर्माण | २०८१ भित्र | |
| २० | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन । | गैरखाद सामाग्री तथा आश्रयस्थल क्लस्टर | ० | वैठक | २०८१ भित्र | |
| २१ | • गैरखाद तथा नगद सहयोग गर्ने निकाय तथा संघ संस्थाको परिमाण सहितको सुची निर्माण । | गाउँपालिका,गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | ० | वैठक | २०८२ जेठ | |
| जम्मा | | | ३१९० | | | |

५.१.३.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|---|--------------------------------------|--|---|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प : १५०० घर पुर्ण रूपमा क्षती भइ खुल्ला चौरमा बस्नु परेको, ३०० परिवारको लत्ता कपडा नोक्सान, बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु । बिधुत सेवा अबरुद्ध, संचार अवरुद्ध, स्वास्थ्य सेवा अवरुद्ध । वाढी / पहिरो : ६ घर पुर्ण रूपमा क्षति, ४० घर प्रभावित, ४ परिवार घरवार विहिन । ६०० मि. सिचाइ कुलो परिएको, २० वटा विजुली का पोलमा क्षति भइ | <ul style="list-style-type: none"> गैर खाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लष्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने । आवश्यक गैर खाद्य सामाग्रीहरु लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) भाँडाकुँडाहरु आदी कति चाहिन्छ, विस्तृत तथ्यांक संकलन गर्ने । लुगाफाटा, भाडाकुडा लगाएतका सामाग्रीहरु वजार तथा भण्डार भएको स्थल वाट प्रभावित क्षेत्रमा ढुवानी गरी पठाउने । प्रभावित हरुलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्ने । तत्काल अति आवश्यक गैरखाद्य सामाग्री वितरण गर्ने । अस्थायी शिविर निर्माणमा आवश्यक पर्ने सामाग्री उपलब्ध गराई अस्थायी शिविर निर्माणको प्रक्रिया शुरुवात गर्ने । | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ इस्थानिय दाताहरु, संघसंस्था, संचार माध्यम | २४ घंटा भित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> प्रभावितहरुलाई भाडाकुडा प्रति परिवार डेकिच २ थान, ताप्के १ थान, थाल ४ थान, बटुका ४ थान गिलास ४ थान, डाङु पन्थू १, १ थान, मग २ थान, वाल्टिन १ थान वितरण गर्ने । आवश्यकता अनुसार वा प्रति परिवार ३ सेटका | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्यानशील समिति, वडा विपद् तथा | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ | ४८ घंटाभित्र |

| | | | | | |
|--|---|--|---|---|----------------------|
| <p>विद्युत सेवा अवरुद्ध,२ वटा विद्यालय भस्कीएका,२०० रोपनी जमिन पुरिएको,१२ घरपरिवार विस्थापित</p> | <p>दरले म्याट,कम्बल, टर्चलाइट वितरण गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> अस्थाई सुरक्षित आवसका लागि आश्रयस्थल निर्माण सम्पन्न गरी प्रभावितहरूलाई राख्ने । गैरखाद्य सामाग्री वितरण प्रक्रियालाई सहज र सरल बनाउन नियमित अनुगमन गर्ने । | | <p>जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | |
| | <ul style="list-style-type: none"> आवश्यक लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) २,२ सेट वितरण गर्ने । सेनेटरी प्याड, सुत्केरी सामग्री आदी स्वास्थ्य संग संबन्धित सामानका लागी स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर संग समन्वय गर्ने । प्रभावित हरूले सामाग्री पाए नपाएको सुनिश्चित गर्ने । विशेष परिस्थिति अपाङ्गता भएकाहरूकालागी संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर संग समन्वय गर्ने । | <p>गैरखाद्य सामग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ,युनिसेफ स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>७२ घंटा भित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> अपुग सामग्री को व्यवस्था गर्न समन्वय गर्ने । अस्थाई आवासस्थलको सुरक्षा र घेरावार गर्ने । प्रभावितहरूलाई परिचय पत्र वितरण । कोभिड लगायतका महामारी वाट संक्रमितलाई क्वारेन्टाइनमा राख्ने । गाउँपालिकातथा सम्बन्धित क्लष्टर र निकाय संग समन्वय गर्ने प्रतिवेदन पेश गर्ने । | <p>गैरखाद्य सामग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ,युनिसेफ स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>१ हप्ताभित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> नविग्रेका र आसिंक क्षति भएका घरपरिवारलाई परिवारमा पुनर्स्थापना गर्ने । अति नै क्षती भएका हरूका लागी आश्रयस्थल को सुधार गर्दै लैजाने । | <p>गैरखाद्य सामग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु त्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग</p> | <p>१५दिनभित्र</p> |

| | | | | | | |
|--|--|--------------------------------------|--|--|---|---------------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> क्षतीको एकिन विवरण तयार गरी सहयोगको माग गर्ने । आश्रय स्थलमा मनोरञ्जनात्मक गतिविधि सञ्चालन गर्ने । गाउँपालिका तथा सम्बन्धित क्लष्टर र निकाय संग समन्वय गर्ने प्रतिवेदन पेश गर्ने । | | <ul style="list-style-type: none"> वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | <ul style="list-style-type: none"> वाणिज्य संघ,युनिसेफ स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> भृत्यको घर तथा संरचनाको मर्मत कार्य सुरु गर्ने । वासस्थान विहिनहरुका लागी वासस्थान निर्माण गर्ने। गाउँपालिका तथा सम्बन्धित क्लष्टर र निकाय संग समन्वय गर्ने प्रतिवेदन पेश गर्ने । सम्बन्धीत सरोकारवालासँग छलफल, सहयोग माग, दाताहरु, सहयोगी निकायहरुसँग अनुरोध गर्ने । | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ,युनिसेफ स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम | १ महिनभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका तथा सम्बन्धित क्लष्टर र निकाय संग समन्वय गर्ने प्रतिवेदन पेश गर्ने । स्थायी आवास निर्माणका लागि सहयोग गर्ने । | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ,युनिसेफ स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम | १ देखि ३ महिनाभित्र |

५.१.४ खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी खानेपानी तथा सरसफाइ क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । प्रभावित व्यक्ति तथा प्रभावित समुदायलाई आवस्यक खानेपानीको व्यवस्था गर्नु, यप संक्रमण फैलन नदिन सरसफाइ प्रवर्द्धन गर्नु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १५: खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लष्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|-----------------|------------------|-------------------------|------------|------------|
| १ | शेरमान खड्का | बडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका, १० | संयोजक | ९८१०५८९९०३ |
| २ | भिमसेन के.सी. | खा.पा.स.टे | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८४४९९००८ |
| ३ | चन्द्रलाल डाँगी | सम्पर्क व्यक्ति | WASH | सदस्य | ९८१२४७६९२७ |
| ४ | | प्रतिनिधि | SUSSWA | सदस्य | |
| ५ | टेक वहादुर ओली | स्थानिय व्यापारी | भुल्नेटा वजार | सदस्य | ९८०९५४९७४० |

५.१.४.१ खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्रको उद्देश्य :

विपद प्रभावित हरूलाई सुरक्षित र पिउनयोग्य पानी तथा तथा सरसफाइ सामाग्री उपलब्ध गराइ पानीजन्य रोग र महामारी बाट बचाउनु यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य हो । त्यसका अतिरिक्त निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- विपद प्रभावित हरूलाई सुरक्षित र पिउनयोग्य पानी उपलब्ध गराउने ।
- प्रभावित क्षेत्र तथा आश्रयस्थलहरूमा पर्याप्त पानी सहित अस्थायी शौचालयको व्यवस्थापन गर्ने ।
- खानेपानी र सरसफाइको अभावबाट हुन सक्ने माहामारी रोगलाई रोकथाम र न्यूनीकरण गर्ने ।
- पानी शुद्धिकरणकालागी सामाग्रीहरू वितरण गर्ने ।
- सरसफाइ सम्बन्धि जनचेतना वृद्धि गर्ने ।
- फोहोरमैला व्यवस्थापन को लागि आवश्यक व्यवस्था तथा चेतनाकरण गर्नु ।

४.१.४.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको खानेपानी, सरसफाइ क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने खानेपानी र सरसफाइ को क्षेत्रमा ३ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरीएको छ ।

भुकम्प : ८०० जना पिउने पानी वाट वन्नित, १२ वटा खानेपानी मुहानहरूमा पुर्ण क्षती, २० वटा RVT मा क्षति, चर्किएको, १००० मिटर पाइप फुट्ने, टुट्ने, च्यापिने, ६० वटा धारा नासीएको, ३०० घरको चर्पी भत्किएका

बाढी/पहिरो : ८० जना खानेपानी पिउन वाट वन्नित, ५ वटा मुहान सरेको भत्किएको, ३ वटा RVT बाढी/पहिरोले वगाएको, ६०० मिटर पाइप मा क्षति, २० वटा धारा पुरीएको, २५ वटा चर्पी बाढी/पहिरोले वगाएको ।

५.१.४.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : खानेपानी, सरसफाइ

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (सामानखरिद, ढुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|--|--|-----------------|---|-------------------------------|---|
| १ | • खानेपानी तथा सरसफाइ क्लष्टरको वैठक सामान्यतया प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर | १० | वैठक | ३,३ महिनामा | प्रदेश, संघिय सरकार, खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने, | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | |
| ३ | • गाउँपालिकामा रहेका मौजुदा सामग्रीहरूको अभिलेखिकरण र सुनिश्चित गर्ने। | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति | ० | तथ्यांक अद्यावधिक गरेर | प्रत्येक वर्ष | |
| ४ | • खानेपानी तथा सरसफाई कोष स्थापना गर्ने | गाउँपालिका | ३०० | कोष स्थापना | २०८१ भित्र | |
| ५ | • थप सामाग्रीका लागी सप्लायर्स संग आपतकालिन अवस्थामा माग गर्नका लागि सम्झौता गर्ने | गाउँपालिका | ५०० | संझौता | प्रत्येक आर्थिक वर्षको सुरुमा | |
| ६ | • आपतकालिन अवस्थामा ५००० ली. खानेपानी वितरणकोलागि तयारी पानी बोतल वा जारको पानी संकलन गरी राख्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर | १०० | तत्काल आपुर्ति | विपद घटना लगत्तै | |

| | | | | | | |
|----|--|---|-----|---------------|---------------|--|
| ७ | • आपत्कालिन अवस्थाका लागि आवश्यक खानेपानी शुद्धिकरणका समाग्री, पियुष, क्लोरीन भोल, विलिचिंग पाउडर जस्ता वस्तु खरिद गरी भण्डारण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | १०० | भण्डारण | प्रत्येक वर्ष | |
| ८ | • १००० लिटर क्षमताको ६ वटा पानी टंकी खरिद गरी भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका | १२० | खरिद, भण्डारण | २०८२ असार | |
| ९ | • फोहरमैला व्यवस्थापन कालागी ५ वटा ठुला कन्टेनर खरिद र भण्डारण | गाउँपालिका | १२५ | खरिद, भण्डारण | २०८२ असार | |
| १० | • २०० वटा डस्टविनहरु खरिद गरी भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका | १०० | खरिद, भण्डारण | २०८२ असार | |
| ११ | • ३०० सेट हाईजिन किट खरिद गरि भण्डारण गर्ने वा सहयोगको सुनिश्चितता गर्ने | गाउँपालिका | २०० | खरिद, भण्डारण | २०८१ फागुन | |
| १२ | • २०० परिवार कालागी २० वटा अस्थायी शौचालय निर्माणका लागि आवश्यक सामाग्री टवाईलेट प्यान पलाष्टिक खरिद गरि भण्डारण गर्ने । | गाउँपालिका | १०० | खरिद, भण्डारण | २०८१ चैत्र | |
| १३ | • चर्पी का लागी ५० सेट वाल्ट्टन, मग र ब्रस भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका | ५० | खरिद, भण्डारण | २०८१ कार्तिक | |
| १४ | • २०० वोल्टल हर्पिक वा फिनेल भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका | २० | खरिद, भण्डारण | प्रत्येक वर्ष | |
| १५ | • भत्केका खानेपानी संरचना | गाउँपालिका | ४०० | खरिद, भण्डारण | प्रत्येक वर्ष | |

| | | | | | |
|----|--|--|-----|----------------------------------|---------|
| | ममर्तका लागि र पानी आपुर्तिकालागी २००० मिटर पाइप र फिटिङ सामग्री भण्डारण गरी राख्ने | | | | |
| १६ | • खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता क्षेत्रमा काम गर्ने निकाय तथा संस्थाको पहिचान र समन्वय | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति | ० | पहिचान, समन्वय | निरन्तर |
| १७ | • निकाय तथा संस्थाहरूसँग भएको खानेपानी, सरसफाइ सामग्रीहरूको मौज्दात विवरण सङ्कलन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति | ० | पहिचान, पत्राचार, समन्वय | निरन्तर |
| १८ | • खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन सम्बन्धी तालिम प्राप्त व्यक्तिको सूची तयार गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति | ० | पहिचान, समन्वय | निरन्तर |
| १९ | • खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति | २०० | प्रचार प्रसार, तालिम, अभिमुखिकरण | निरन्तर |
| २० | • विद्यालय तथा समुदायमा रहेका वालकलव मार्फत सरसफाइ तथा स्वच्छताका क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्ने। | खानेपानी तथा सरसफाइ क्लस्टर, गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति, विद्यालय | २०० | तालिम, अभिमुखिकरण, सरसफाइ अभियान | निरन्तर |

| | | | | | | |
|-------|---|---|-----|--|--------------|--|
| २१ | • वडा तथा गाउँपालिकास्तरीय WASH समिति लाइ सकृय पार्ने | गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति, | १०० | तालिम, अभियुक्तिकरण, वैठक, कार्ययोजना निर्माण र कार्यन्वयन | निरन्तर | |
| २२ | • खानेपानि शुद्धिकरण विधि र सरसफाई सचेतना सम्बन्धि प्रचार सामाग्री छाप्ने | गरपालिका तथा वडा WASH समिति, | १०० | सामाग्री तयारी र छपाइ | २०८१ भित्र | |
| २३ | • वैकल्पिक पानीका मुहान र श्रोतहरुको पहिचान गरि संरक्षण गर्ने | गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति, प्राविधिक शाखा | ५० | श्रोत को खोजि | निरन्तर | |
| २४ | • खानेपानी उपभोक्ता समितिहरुलाई तालिम दिने | गाउँपालिका तथा वडा WASH समिति, प्राविधिक शाखा | १०० | श्रोत को खोजि | निरन्तर | |
| २५ | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई क्लस्टर, | ० | वैठक | २०८१ कार्तिक | |
| जम्मा | | २८७५ | | | | |

५.१.४.४ प्रतिकार्य योजना विषयगत क्षेत्र : खानेपानी, सरसफाइ

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | सोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|---|---|--------------------------|--|---|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प : ८०० जना पिउने पानी वाट वन्चित, १२ वटा खानेपानी मुहानहरुमा पुर्ण क्षती, २० वटा RVT मा क्षति, चर्किएको, १००० मिटर पाइप फुट्ने, टुट्ने, च्यापिने, ६० वटा धारा नासीएको, ३०० घरको चर्पी भत्किएका बाढी/पहिरो : ८० जना खानेपानी पिउन वाट वन्चित, ५ वटा मुहान सरेको भत्किएको, ३ वटा RVT बाढी / पहिरोले | <ul style="list-style-type: none"> खानेपानी तथा सरसफाइ क्लष्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने। गाउँपालिका स्तरिय खानेपानी तथा सरसफाइ समितिको वैठक वस्ते खानेपानी तथा सरसफाइ क्षेत्रको क्षेत्रिको प्रारम्भिक तथ्यांक लिने तयारी अथवा सुद्धिकरण गरिएको पिउने पानी वितरण गर्ने | खानेपानी, सरसफाइ क्लस्टर | गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | प्रदेश, संघिय सरकार, खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम | २४ घंटा भित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> पानी सुद्धिकरण का सामान पियुष, वाटरगार्ड, क्लोरीन भोल वितरण गर्ने सरसफाइ का लागी हाईजिन किट उपलब्ध गराउने। आश्रय स्थलहरुमा महिला, पुरुषको छुट्टाछुट्टै अस्थायी चर्पीहरु निर्माण गर्ने आश्रय स्थलहरुमा सौचालय सरसफाइका लागी हर्पिक, फिनेल, ब्रस, वाल्टन, मग वितरण गर्ने। वैकल्पिक पानीका मुहान र श्रोतहरुको खोजी गर्ने प्रभावित क्षेत्रमा खानेपानीको आपुर्ति गर्ने सामान्य टुटफुट पाइपहरुको मर्मत र जडान गर्ने। नियमित खानेपानी आपूर्तीका लागि प्रभावित क्षेत्रमा स्वयंसेवक परिचालन गर्ने | खानेपानी, सरसफाइ क्लस्टर | गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | प्रदेश, संघिय सरकार, खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम | ४८ घंटाभित्र |

| | | | | | |
|--|---|---|--|---|----------------------|
| <p>वगाएको,६०० मिटर पाइप मा क्षति, २० वटा धारा पुरीएको,२५ वटा चर्पी बाढी/पहिरोले वगाएको ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • दुटफुट पाइपहरुको मर्मत र जडान गर्ने • पानी का मुहान मर्मत गर्ने • नियमित खानेपानी आपूर्तीका लागि प्रभावित क्षेत्रमा स्वयंसेवक परिचालन लाइ निरन्तरता दिने • खानेपानी सुद्धिकरण तथा सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना फैलाउन • कोभिड,झाडापखाला लगायतका महामारी रोकथाम गर्नका लागि खानेपानी शुद्धिकरणको विधि तथा सरसफाई सँग सम्बन्धित विषयमा निरन्तर जनचेतना फैलाउने • महामारी फैलिएमा स्वास्थ्य क्लस्टर सँग समन्वय गरी उपचारको व्यवस्था मिलाउने • आश्रयस्थलको फोहरमैला र फोहर पानीको व्यवस्थापन गर्ने | <p>खानेपानी, सरसफाई क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिकाविपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति</p> | <p>प्रदेश,संघिय सरकार,खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ,रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>७२ घंटा भित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> • आश्रयस्थलको फोहरमैला र फोहर पानीको व्यवस्थापन गर्ने • झाडापखाला लगायतका महामारी रोकथाम गर्नका लागि खानेपानी शुद्धिकरणको विधि तथा सरसफाई सँग सम्बन्धित विषयमा निरन्तर जनचेतना फैलाउने • खानेपानी शुद्धिकरण विधि र सरसफाई सचेतना सम्बन्धि प्रचार सामाग्री वितरण गर्ने • वितरण गरिएका सरसफाई सामाग्री को उपलब्धता प्रयोग र सरसफाईको अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने • हालसम्मको प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पडाउने | <p>खानेपानी, सरसफाई क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिकाविपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति</p> | <p>प्रदेश,संघिय सरकार,खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ,रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>१ हप्ताभित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> • खानेपानीको नियमित आपुर्ति गर्ने • वितरण गरिएका सरसफाई सामाग्री को उपलब्धता | <p>खानेपानी, सरसफाई</p> | <p>गाउँपालिका गाउँपालिकाविपद् तथा</p> | <p>प्रदेश,संघिय सरकार,खानेपानी</p> | <p>१५दिनभित्र</p> |

| | | | | | |
|--|--|--------------------------|---|---|---------------------|
| | <p>प्रयोग र सरसफाइको अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको वयवस्था गर्ने</p> <ul style="list-style-type: none"> • वितरण गरिएका सरसफाइ सामाग्री को उपलब्धता प्रयोग र सरसफाइको अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको वयवस्था गर्ने • भाडापखाला लगायतका महामारी रोकथाम गर्नका लागि खानेपानी शुद्धिकरणको विधि तथा सरसफाइ सँग सम्बन्धित विषयमा निरन्तर जनचेतना फैलाउने कार्यलाइनिरन्तरता दिने • पुराना र आसिंक क्षतिभएका चर्पीहरू मर्मत गर्ने कार्य सुरु गर्ने • हालसम्मको प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पठाउने | क्लस्टर | जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम | |
| | <ul style="list-style-type: none"> • पुराना र आसिंक क्षतिभएका चर्पीहरू मर्मत गर्ने कार्य लाइ निरन्तरता दिने • क्षतिग्रस्त खानेपानी संरचनाहरूको मर्मत सम्भार गर्ने • हालसम्मको प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पठाउने | खानेपानी, सरसफाइ क्लस्टर | गाउँपालिका गाउँपालिकाविपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | प्रदेश, संघिय सरकार, खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, संचार माध्यम | १ महिनभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> • क्षतिग्रस्त खानेपानी संरचनाहरूको पुर्ननिर्माण गर्ने • पुराना र पुर्णक्षतिभएका चर्पीहरू निर्माण र पुर्ननिर्माण गर्ने • समग्र प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पठाउने | खानेपानी, सरसफाइ क्लस्टर | वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, गाउँपालिकातथा वडा WASH समिति | खानेपानी डिभिजन कार्यालय युनिसेफ, रेडक्रस, संघसंस्था, | १ देखि ३ महिनाभित्र |

५.१.५ स्वास्थ्य र पोषण क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । घाइते, प्रभावित व्यक्ति तथा प्रभावित समुदायको औषधि उपचार गर्नु,उनीहरुको जिवन वचाउनु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १६:स्वास्थ्य र पोषण

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लस्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|------------------|-----------------------|------------------------|------------|------------|
| १ | सुन्दर ओली | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका, १ | संयोजक | ९८०९५७५६६८ |
| २ | प्रेम वहादुर पुन | प्रमुख | स्वास्थ्य शाखा | सदस्य | ९८१०९३२६८८ |
| ३ | सिरीसा ओली | पोषण सहजकर्ता | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८१३६१६२५५ |
| ४ | किरण पुन | ज.स्वा.नि. | गाउँपालिका अस्पताल | सदस्य | ९८०६२८१०३७ |
| ५ | सिता पुन | महिला स्व.स्वयंसेविका | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८२२९५१२७७ |

५.१.५.१ स्वास्थ्य र पोषण क्षेत्रको उद्देश्य : आपतकालीन अवस्था उत्पन्न भएको समयमा विशेषगरी अत्यधिक जोखिममा रहेका समूहको स्वास्थ्य तथा पोषणसम्बन्धी आवश्यकता पूरा गरी जिवन वचाउनु यस क्षेत्रको प्रमुख उद्देश्य रहनेछ । त्यसका अतिरिक्त निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- घाइते,प्रभावितहरुलाई प्राथमिक उपचार तथा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराउने तथा थप उपचारका लागी अर्को निकायमा पठाउने ।
- बालबालिकाहरुका लागि खोप भिटामिन ए को वितरण/जुकाको औषधि तथा पोषण सेवा उपलब्ध गराउने ।
- हैजा तथा अन्य महामारी फैलिए वा फैलन नदिन प्रभावकारी रोकथाम तथा जनचेतना फैलाउने
- पोषणको अवस्था विग्रिन नदिनका लागि पोषण शिक्षा तथा परामर्श सेवाका साथ कुपोषणबाट प्रभावित महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक र विरामीलाई पोषणयुक्त पुरक खानाको व्यवस्था गरी स्वस्थ वनाउने ।
- आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरूमा पहुँच सुनिश्चित गर्न र स्वास्थ्य शिविरहरुको संचालन गर्ने ।

५.१.५.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको स्वास्थ्य र पोषण क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने स्वास्थ्य र पोषणको क्षेत्रमा ३ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरीएको छ ।

भुकम्प :८५ जनाको मृत्यु, १४० जना घाइते, १ वटा स्वास्थ्य संस्था पुर्ण रूपमा ध्वस्त, २ वटा स्वास्थ्य संस्थामा आसिंक क्षति, २ वटा स्वास्थ्य संस्थामा स्वास्थ्य तथा पोषण सेवा र सामाग्री वितरण ठप्प, १०० जनामा महामारी फैलिएको, ३०० जना कुपोषित, खोप कार्यक्रममा वाधा, गाउँघर क्लिनिक तथा खोप क्लिनिकमा अवरोध, नियमित उपचार सेवामा अवरोध, बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु ।

बाढी/पहिरो :

१० जना को मृत्यु, १२ जना घाइते, १ स्वास्थ्य संस्था मा क्षति, बाटो अवरोध, औषधी उपचारमा अवरोध, खानेपानी दुषित भइ ४० जनामा झाडापखालाको प्रकोप, सञ्चारमा अवरोध, ४० जना बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु ।

५.१.५.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र :स्वास्थ्य र पोषण

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु.हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका सामानखरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|--|---|----------------|--|---------------|------------------------------------|
| १ | • स्वास्थ्य तथा पोषण क्लष्टरको वैठक सामान्यतया प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ते | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १० | वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम फोन र इमेल राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाढफाड गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | कार्यालय, संघ, प्रदेश सरकार |
| ३ | • स्वास्थ्य र पोषणको क्षेत्रमा काम गर्ने संघसंस्था संग समन्वय, संजालिकरण तथा सहयोग हुनसक्ने श्रोत तथा सामाग्रीहरुको उपलब्धताको सुनिश्चितता गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा | ० | समन्वय, वैठक | २,२ महिनामा | युनिसेफ, रेडक्रस, निजि क्लिनिक |
| ४ | • गाउँपालिकाभित्र रहेका स्वास्थ्य संस्थाहरुमा रहेका मौजुदा स्वास्थ्य सामग्रीहरुको नियमित अभिलेखिकरण र सुनिश्चित गर्ने। | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, गाउँपालिकास्वास्थ्य शाखा | ० | अनुगमन, सम्पर्क | २,२ महिनामा | संघसंस्था, संचार माध्यम |
| ५ | • थप स्वास्थ्य तथा पोषण सामग्रीका लागी मेडिकल तथा सप्लायर्ससंग | गाउँपालिका | ३०० | सम्झौता | प्रत्येक वर्ष | |

| | | | | | |
|---|---|---|-----|---------------|-------------------------|
| | आपतकालिन अवस्थामा माग गर्नका लागि सम्झौता गर्ने | | | | |
| ६ | <ul style="list-style-type: none"> अति आवश्यक तथा जिवन वचाउने औषधीहरू, प्राथमिक उपचारका सामग्री र पोषण सामग्री तथा साधन (nutrition commodities, equipment, IEC/BCC) हरुको नगरपालिका तथा स्वास्थ्य संस्थाहरुमा बफर स्टक राखेहरुको स्वास्थ्य संस्थाहरुमा बफर स्टक राख्ने | गाउँपालिकास्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य संस्था | ४०० | भण्डारण | प्रत्येक वर्ष मंसिर |
| ७ | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका क्षेत्रका सबै निजि क्लिनिक तथा मेडिकल हरुको सुची तथा आपतकालिन अवस्थामा उपलब्ध हुने सेवा र सामग्रीहरुको यकिन गर्ने | गाउँपालिकास्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ० | बैठक, अनुगमन | निरन्तर |
| ८ | <ul style="list-style-type: none"> आपतकालिन अवस्थाका लागी १०० सेट सुत्केरी सामग्री, १००० प्याकेट प्याड तथा आवश्यक परिवार नियोजनका साधन खरिद गरी भण्डारण गरी राख्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ५० | खरिद, भण्डारण | २०८२ जेठ, प्रत्येक वर्ष |
| ९ | <ul style="list-style-type: none"> खोप सेवाका लागि जनशक्ति र खोपको व्यवस्था | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, स्वास्थ्य संस्था | १०० | व्यवस्थापन | निरन्तर |

| | | | | | | |
|----|---|--|-----|-------------------------------------|----------------------|--|
| १० | ● आपतकालीन अवस्थाको लागि एक वडा १ थानका दरले प्राथमिक उपचार बाक्स को व्यवस्था गर्ने | गाउँपालिका | १० | खरिद | प्रत्येक वर्ष | |
| ११ | ● ३०० जना सुत्केरी र गर्भवती महिला, कुपोषित बालबालिका र जेष्ठ नागरिकको लागि एक महिनालाई पुग्ने पोषणयुक्त खाना , लिटो, आदि भण्डारण गर्ने वा स्थानिय व्यापारी संग संभौता गर्ने,दुधका लागी डेरि वा किसान संग समन्वय र संभौता गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, | ३०० | खाद्य तथा कृषि क्लस्टर संगको समन्वय | आवस्यकता अनुसार | |
| १२ | ● ECM समिति गठन गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, | ० | वैठक ,समन्वय | २०८१ मंसिर | |
| १३ | ● RRT को नियमित वैठक वस्ने र योजना निर्माण गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, | २० | वैठक ,समन्वय | प्रत्येक २,२ महिनामा | |
| १४ | ● RRT लाइ तालिम दिने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, | ५० | तालिम | प्रत्येक वर्ष | |
| १५ | ● आपतकालिन रक्तदान गर्ने दाताहरुको सम्पर्क नं. सहितको सुची तयार गरी राख्ने | गाउँपालिकास्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर,रेडक्रस | ० | सम्पर्क | ३,३ महिनामा | |
| १६ | ● आपतकालिन अवस्थामा पोषणको तालिम सबै स्वास्थ्यकर्मी तथा महिला स्वास्थ्य स्वय सेविका तथा अन्य विपद्को अवस्थामा | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर, | १५० | तालिम | प्रत्येक वर्ष | |

| | | | | | |
|----|--|---|-----|---|-----------------|
| | परिचालन गर्न सकिने सम्भावित जनशक्तिलाई प्रदान गर्ने | | | | |
| १७ | ● आपतकालिन अवस्थाकालागी कम्तिमा १ स्वास्थ्य संस्था ३ स्ट्रेचरका व्यवस्था र भण्डारण | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १५० | खरिद, भण्डारण | २०८१ भित्र |
| १८ | ● गाउँपालिकाक्षेत्र भित्रका एम्बुलेन्स र आपतकालिन प्रयोगका लागी स्थानिय गाडी हरुको सम्पर्क नं हरु नियमित अद्याबधिक गर्ने र एम्बुलेन्सलाई तयारी अवस्थामा राख्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ० | समन्वय | ६,६ महिनामा |
| १९ | ● आपतकालिन अवस्थामा स्वास्थ्य र पोषण सम्बन्ध जनचेतना अभिवृद्धिका लागि सूचना प्रचारप्रसार सामाग्री तयार गरी राख्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | २० | तयारी, छपाइ | २०८१ पौष भित्र |
| २० | ● २०० गर्भवती, सुत्केरी आमा तथा ५ वर्ष मुनिको वच्चा र किशोरीलाई ३ महिनालाई पुग्ने RUTF,RUSF, Vita, MNP, IFA tablets को मौज्दात राख्ने | गाउँपालिकास्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य संस्था | ० | प्रदेश स्वास्थ्य आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र, स्वास्थ्य सेवा विभागको सहयोगमा | प्रत्येक वर्ष |
| २१ | ● ५ वटा स्थानका लागी अस्थायी उपचार केन्द्र स्थापनाका लागी आवस्यक सामाग्री भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १०० | खरिद, भण्डारण | २०८१ माघ मसान्त |

| | | | | | | |
|----|--|---|-----|--------------------------|--------------------------------------|--|
| २२ | ● दीर्घ रोगीहरुले नियमित खाने आवस्यक औषधीहरु भण्डारण गरी राख्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १०० | खरिद ,भण्डारण | तथ्यांक का आधारमा आवस्यकता अनुसार | |
| २३ | ● प्रभावित क्षेत्रमा मनोसामाजिक मनोविमर्श सेवा प्रदान गर्न स्वास्थ्यकर्मीहरुलाई तालिम दिने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ५० | तालिम | प्रत्येक वर्ष | |
| २४ | ● मनोसामाजिक मनोविमर्शकर्ताहरुको फोन नं. सहितको रोष्टर तयार गर्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ० | पहिचान, संपर्क | २०८२ असार,प्रत्येक वर्ष अद्यावधिक | |
| २५ | ● प्रभावित समुदायका महिला तथा किशोर , किशोरीहरुका लागि प्रजनन् स्वास्थ्य सेवा प्रदान तथा चेतना अभिवृद्धि गर्न सामाग्रीहरुको व्यवस्था | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १०० | तयारी , छपाइ | निरन्तर | |
| २६ | ● MSNP सेवा प्रवाह गर्न आवस्यक जनशक्ति तथा श्रोतको व्यवस्था | गाउँपालिका, गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा | २०० | जनशक्ति र श्रोत व्यवस्था | आवस्यकता अनुसार | |
| २७ | ● स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम संचालन गर्ने | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | १०० | तालिम ,अभिमुखिकरण | प्रत्येकवर्ष | |
| २८ | ● स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम संचार माध्यम तथा रेडियोमा प्रचारप्रसार | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | २० | तालिम ,अभिमुखिकरण | निरन्तर | |
| २९ | ● उच्च जोखिमयुक्त स्वास्थ्य | गाउँपालिका स्वास्थ्य | २०० | तालिम | निरन्तर | |

| | | | | | | |
|-------|---|---|---|-------------|----------|--|
| | संस्थाहरुको पहिचान र विपद् पश्चात सामान्य मर्मत का लागी सामाग्रीको व्यवस्थापन | शाखा, प्राविधिक शाखा | | ,अभिमुखिकरण | | |
| ३० | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | ० | वैठक | २०८१ पुष | |
| जम्मा | | २४३० | | | | |

५.१.५.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : स्वास्थ्य र पोषण

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|--|----------------------------|--|---|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प :८५ जनाको मृत्यु, १४० जना घाइते, ,१ वटा स्वास्थ्य संस्था पुर्ण रूपमा ध्वस्त,२ वटा स्वास्थ्य संस्थामा मा आसिंक क्षति,२ वटा स्वास्थ्य संस्थामा स्वास्थ्य सेवा र सामाग्री वितरण ठप्प,१०० जनामा महामारी फैलिएको,३०० जना कुपोषित,खोप कार्यक्रममा वाधा, | <ul style="list-style-type: none"> स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टरको आकस्मिक वैठक वस्ने र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने । स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको क्षतिको प्रारम्भिक तथ्यांक लिने RRT मिटिङ ,जिम्मेवारी बाँडफाँड र टोली परिचालन गरेर घाइतेहरुको तत्काल प्राथमिक उपचार गर्ने घाइते हरुको वर्गीकरण,प्राथमिक उपचार तथा प्रेषण गर्ने सिकिस्त घाइतेहरुलाई एम्बुलेन्स मा अस्पताल सम्म पुरयाउने गर्भवती र सुत्केरी महिला, वालवालिकालाई आवश्यक पर्ने पोषण लगायतका सामाग्रीहरुको विस्तृत तथ्यांक संकलन गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा,स्वास्थ्य संस्थाहरु गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय,संघ,प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि क्लिनिक संघसंस्था, संचार माध्यम | २४ घंटा भित्र |

| | | | | | |
|--|--|---------------------------------------|---|--|--------------------|
| <p>गाउँधर क्लिनिक तथा खोप क्लिनिकमा अवरोध,नियमित उपचार सेवामा अवरोध,बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति मुख्य रूपमा प्रभावित हुनु। बाढी/पहिरो : १० जना को मृत्यु,१२ जना घाइत,१ स्वास्थ्य संस्था मा क्षति,बाटो अवरोध,औषधी उपचारमा अवरोध,खानेपानी दुषित भइ ४० जनामा भाडापखालाको प्रकोप,सञ्चारमा अवरोध,४० जना बालबालिका, महिला, गर्भवती तथा सुत्केरी जेष्ठ</p> | <ul style="list-style-type: none"> प्रसुती अवस्थाको आमा,सुत्केरी र नवजात शिशुको व्यवस्थापन गर्ने ० देखि २३ महिनाका बालाबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । खाद्य विषयगत क्षेत्रसँगको समन्वयमा प्रभावित घरधुरीलाई Sphere Standard ले तोके बमोजिमको प्रकार र मात्राको पोषिलो खाद्यान्न वितरण गर्ने । पोषणको दृष्टिकोणले जोखिम समुहरु जस्तै: गर्भवती, सुत्केरी तथा ५ वर्षमुनिका बालबालिका भएका घरधुरीको पहिचान गर्ने आमाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तुको वितरणलाई नियन्त्रण गर्ने रक्तदान गर्ने दाताहरु संग सम्पर्क गर्ने | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको सहयोगमा शवको पोष्टमार्टम तथा शव व्यवस्थापन मा सहयोग गर्ने ० देखि २३ महिनाका बालाबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । खाद्य विषयगत क्षेत्रसँगको समन्वयमा प्रभावित घरधुरीलाई Sphere Standard ले तोके बमोजिमको प्रकार र मात्राको पोषिलो खाद्यान्न वितरण गर्ने । पोषणको दृष्टिकोणले जोखिम समुहरु जस्तै: गर्भवती, सुत्केरी तथा ५ वर्षमुनिका बालबालिका भएका घरधुरीको पहिचान गर्ने | <p>स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा,स्वास्थ्य संस्थाहरु गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय,संघ,प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि क्लिनिक संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>४८ घटाभित्र</p> |

| | | | | | |
|--|--|-----------------------------------|--|--|----------------------|
| <p>नागरिक अपाङ्गता व्यक्ति मुख्य प्रभावित हुनु ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> ३० औषधी तथा उपकरण माग गर्ने स्थानिय सामाग्री वा टेन्ट लगायतका सामाग्री वाट प्राथमिक उपचार कक्ष स्थापना गर्ने अस्थायी प्राथमिक उपचार कक्ष वाट सेवा सञ्चालन गर्ने प्रभावित हरूले आधारभूत स्वास्थ्य सेवा पाए नपाएको अनुगमन र सुनिश्चित गर्ने | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> प्रभावित क्षेत्रमा नियमित खोप र गर्भवती जाँच सेवा सञ्चालन गर्ने ० देखि २३ महिनाका बालाबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । खाद्य विषयगत क्षेत्रसँगको समन्वयमा प्रभावित घरधुरीलाई Sphere Standard ले तोके बमोजिमको प्रकार र मात्राको पोषिलो खाद्यन्न वितरण गर्ने । पोषणको दृष्टिकोणले जोखिम समुहहरु जस्तै: गर्भवती, सुत्केरी तथा ५ वर्षमूनिका बालबालिका भएका घरधुरीको पहिचान गर्ने अस्थायी प्राथमिक उपचार कक्ष वाट सेवा सञ्चालन लाई निरन्तरता दिने दीर्घ रोगीहरूले नियमित खाने औषधीहरु उपलब्ध गराउने प्रभावित क्षेत्रमा मनोसामाजिक मनोविमर्श सेवा सञ्चालन गर्ने । आमा तथा नव शिशुको मृत्यु रोक्न गर्भवति महिलालाई सुत्केरी सामग्री उपलब्ध गराउने र | <p>स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा,स्वास्थ्य संस्थाहरु गाउँपालिकातथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय,संघ,प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि क्लिनिक संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>७२ घंटा भित्र</p> |

| | | | | | |
|--|--|----------------------------|---|--|--------------|
| | <p>शिविरमै प्रसुति गराउँदा साहयक व्यवस्था गर्ने, जटिल प्रवृत्तिको केसलाई अन्य जिल्ला अस्पतालमा सिफारिस गर्ने</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रभावित समुदायका महिला तथा कशोरीहरुका लागि स्यानीटरी प्याड वितरण तथा विशेष प्रजनन् स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने • उपचार तथा पुनर्स्थापनाको व्यवस्था मिलाउने • स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> • अस्थायी प्राथमिक उपचार कक्ष वाट सेवा सञ्चालन लाइ निरन्तरता दिने • ५ वर्ष मुनिका बालबालिकालाई भिटामिन ए वितरण गर्ने । • ० देखि २३ महिनाका बालबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । • ५ वर्षमुनिका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको पोषण अवस्था लेखाजोखा गर्ने । • आवश्यता अनुसार थप OTC केन्द्रको स्थापना गर्ने । • मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको कुपोषण अवस्थालाई व्यवस्थापन गर्न TSFP केन्द्र स्थापना गर्ने । • पहिचान भएका कडा शीघ्र कुपोषित बालबालिकालाई OTC केन्द्रबाट उपचार सेवा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमालाई TSFP केन्द्रबाट कुपोषणको व्यवस्थापन गर्ने ६ देखि | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | <p>गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य संस्थाहरु</p> <p>गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय, संघ, प्रदेश सरकार</p> <p>युनिसेफ, रेडकस, निजि क्लिनिक</p> <p>संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | १ हप्ताभित्र |

| | | | | | |
|--|---|----------------------------|--|--|------------|
| | <p>५९ महिनाका बालबालिकालाई बालभिटा वितरण गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • गर्भवती महिला, किशोरीलाई IFA tablets वितरण गर्ने • आमाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तुको वितरणलाई नियन्त्रण गर्ने • अस्थायी प्राथमिक उपचार कक्षवाट सेवा सन्चालनलाई निरन्तरता दिने • सहयोगदाताहरूसंग समन्वय गरी सहयोगका लागि समन्वय गर्ने • प्रदान गरिएको स्वास्थ्यसेवा ,औषधि,पोषण ,जनशक्ति तथा उपकरण हरुको उपलब्धता,प्रयोग को अनुगमन गर्ने र अपुग जनशक्ति तथा सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> • आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निरन्तर गर्ने र औषधि हरु उपलब्ध गराउने । • उपचार तथा पुनर्स्थापना कार्य लाई निरन्तरता दिने • स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्ध सचेतना कार्यक्रम लाई निरन्तरता दिनै • ध्वस्त भएका संरचनाहरुको तथ्यांक संकलन गरी आवश्यक आर्थिक र प्राविधिक कार्यको आंकलन गरी पुनर्स्थापनाको योजना तयारी गर्ने । • सामान्य क्षति भएको स्वास्थ्य संस्थाहरु मा बैकल्पिक व्यवस्था गरी उपचार सुरु गर्ने • ५ वर्षमुनिका बालबालिकालाई भिटामिन ए वितरण गर्ने । • ० देखि २३ महिनाका बालाबालिका भएका आमालाई | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | <p>गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा,स्वास्थ्य संस्थाहरु</p> <p>गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय,संघ,प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि क्लिनिक संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | १५दिनभित्र |

| | | | | | |
|--|--|----------------------------|---|--|-------------|
| | <p>स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ५ वर्षमुनिका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको पोषण अवस्था लेखाजोखा गर्ने । आवश्यता अनुसार थप OTC केन्द्रको स्थापना गर्ने । मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको कुपोषण अवस्थालाई व्यवस्थापन गर्न TSFP केन्द्र स्थापना गर्ने । पहिचान भएका कडा शीघ्र कुपोषित बालबालिकालाई OTC केन्द्रबाट उपचार सेवा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमालाई TSFP केन्द्रबाट कुपोषणको व्यवस्थापन गर्ने ६ देखि ५९ महिनाका बालबालिकालाई बालभिटा वितरण गर्ने । गर्भवती महिला, किशोरीलाई IFA tablets वितरण गर्ने आमाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तुको वितरणलाई नियन्त्रण गर्ने | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> सामान्य क्षति भएको स्वास्थ्य संस्थाहरु लाई मर्मत सम्भार गरी सेवा सञ्चालन गर्ने स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम लाई निरन्तरता दिनै प्रदान गरिएको स्वास्थ्यसेवा, औषधि, पोषण, जनशक्ति तथा उपकरण हरुको उपलब्धता, प्रयोग को अनुगमन गर्ने र अपुग जनशक्ति तथा सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | <p>गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य संस्थाहरु</p> <p>गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय, संघ, प्रदेश सरकार</p> <p>युनिसेफ, रेडक्रस, निजि क्लिनिक</p> <p>संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | १ महिनभित्र |

| | | | |
|--|--|--|--|
| | <p>कार्यलाई निरन्तरता दिने</p> <ul style="list-style-type: none"> ● ५ वर्षमुनिका बालबालिकालाई भिटामिन ए वितरण गर्ने । ● ० देखि २३ महिनाका बालबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । ● ५ वर्षमुनिका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको पोषण अवस्था लेखाजोखा गर्ने । ● आवश्यता अनुसार थप OTC केन्द्रको स्थापना गर्ने । ● मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको कुपोषण अवस्थालाई व्यवस्थापन गर्न TSFP केन्द्र स्थापना गर्ने । ● पहिचान भएका कडा शीघ्र कुपोषित बालबालिकालाई OTC केन्द्रबाट उपचार सेवा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमालाई TSFP केन्द्रबाट कुपोषणको व्यवस्थापन गर्ने ६ देखि ५९ महिनाका बालबालिकालाई बालभिटा वितरण गर्ने । ● गर्भवती महिला, किशोरीलाई IFA tablets वितरण गर्ने ● आमाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तुको वितरणलाई नियन्त्रण गर्ने ● हालसम्मको प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पठाउने | | |
|--|--|--|--|

| | | | | | |
|--|--|----------------------------|--|--|------------------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> ● आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निरन्तर गर्ने र औषधीहरु र स्वास्थ्यसेवा निरन्तर उपलब्ध गराउने ● ५ वर्षमुनिका बालबालिकालाई भिटामिन ए वितरण गर्ने । ● ० ० देखि २३ महिनाका बालबालिका भएका आमालाई स्तनपान संरक्षण, प्रवद्धन तथा सहयोगका लागि पोषण परामर्श गर्ने । ● ५ वर्षमुनिका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको पोषण अवस्था लेखाजोखा गर्ने । ● आवश्यता अनुसार थप OTC केन्द्रको स्थापना गर्ने । ● मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमाहरुको कुपोषण अवस्थालाई व्यवस्थापन गर्न TSFP केन्द्र स्थापना गर्ने । ● पहिचान भएका कडा शीघ्र कुपोषित बालबालिकालाई OTC केन्द्रबाट उपचार सेवा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित बालबालिका तथा कडा तथा मध्यम शीघ्र कुपोषित गर्भवती, सुत्केरी आमालाई TSFP केन्द्रबाट कुपोषणको व्यवस्थापन गर्ने ६ देखि ५९ महिनाका बालबालिकालाई बालभिटा वितरण गर्ने । ● गर्भवती महिला, किशोरीलाई IFA tablets वितरण गर्ने ● आमाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तुको वितरणलाई नियन्त्रण गर्ने ● हालसम्मको समग्र प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा | स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य संस्थाहरु गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला अस्पताल, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय, संघ, प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि क्लिनिक संघसंस्था, संचार माध्यम | १ देखि ३ महिनाभित्र |
|--|--|----------------------------|--|--|------------------------|

| | | | | |
|--|--|--|--|--|
| | <p>पठाउने</p> <ul style="list-style-type: none"> ● ध्वस्त संरचनाहरूको पुनर्निर्माणको थालनी गर्ने । ● थप आवश्यक स्रोत साधनको पहिचान गरी सम्बन्धित निकायमा माग गर्ने | | | |
|--|--|--|--|--|

५.१.६ शिक्षा क्षेत्र :

विपद् प्रतिकार्यकालागी शिक्षा क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । विपद् प्रभावित तथा विस्थापित विद्यार्थी हरुको पढन पाउने अधिकारको सुनिश्चितता गरी आपत्कालीन समयमा पनि गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १७: शिक्षा क्षेत्र

| क्र.सं | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लस्टर पद | सम्पर्क न. |
|--------|--------------------|-------------|-----------------------------|------------|------------|
| १ | रण वहादुर पुन | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका,५ | संयोजक | ९८०९७७६०५२ |
| २ | सुरेश पुन मगर | सहायक पाँचौ | शिक्षा,युवा तथा खेलकुद शाखा | सदस्य | ९८२९५१५१६५ |
| ३ | डिल्ली वहादुर मल्ल | प्रतिनिधि | शिक्षक महासंघ | सदस्य | ९८१४५७०२५७ |
| ४ | यज्ञ वहादुर मल्ल | प्रतिनिधि | किर्दाक | सदस्य | ९८४८१५५४९० |
| ५ | पदम वहादुर वस्नेत | प्रतिनिधि | वि.व्य.समिति | सदस्य | ९८०९५७९७८६ |

५.१.६.१ शिक्षा क्षेत्रको उद्देश्य :

विद्यालयमा अध्ययनरत विपद् प्रभावित तथा विस्थापित विद्यार्थी हरुको पढन पाउने अधिकारको सुनिश्चितता गरी आपत्कालीन समयमा पनि गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाउनु यस क्षेत्रको प्रमुख उद्देश्य हो । त्यसका अतिरिक्त निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- आपतकालिन अवस्थामा पनि बालबालिकाको शिक्षा प्रप्त गर्ने अधिकारलाई सुनिश्चित गर्ने ।
- अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) संचालनको लागि आवश्यक पर्ने सामग्रीहरु, किताव, कापीहरु र स्टेशनरीको व्यवस्था गर्नु ।
- विपदको घटना पश्चात पनि बालबालिकाको पठनपाठनलाई सुरक्षित तवरले सुचारु गर्नु ।
- विपदको आपतकालिन अवस्थाको सामना गर्न विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावकलाई सक्षम बनाउनु ।
- विद्यार्थीहरुलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श सेवा प्रदान गरी मनोसामाजिक रूपमा सक्षम बनाउनु ।
- विद्यालयहरुमा विपद्वाट भएको भौतिक क्षतिको मर्मत तथा पुनर्निर्माण प्रक्रिया सुरु गर्नु ।

५.१.६.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको शिक्षा क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने शिक्षा को क्षेत्रमा ३ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरिएको छ ।

भुकम्प : १० वटा विद्यालय भवनमा पुर्ण क्षति, २० वटामा सामान्य क्षति, १० वटा वालविकासकेन्द्रमा क्षेत्रि, २० जना विद्यार्थीको मृत्यु, १५० जना विद्यार्थी घाईते, २ जना शिक्षकको मृत्यु, ४ वटा ICT ल्याव मा क्षति, २ वटा पुस्तकालय ध्वस्त, १ वटा सामुदायीक सिकाइ केन्द्रमा क्षती, १८ वटा विद्यालयका शैचालय ध्वस्त, ७ वटा विद्यालयका खानेपानि ध्वस्त ।

बाढी/पहिरो : १ वटा विद्यालयमा क्षति, ५ विद्यालयमा आसिंक क्षति, ४ वटा विद्यालयको खानेपानि ट्र्याउडकी ध्वस्त १० वटा विद्यालयका सैचालयमा क्षति ।

५.१.६.३ पूर्वतयारीकाक्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : शिक्षा

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | बजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (सामानखरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|--|--|--------------------|---|---------------|---|
| १ | • शिक्षा क्लष्टरको वैठक सामान्यतया प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ते | शिक्षा क्लस्टर | १० | वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने, | शिक्षा क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु |
| ३ | • विपद्को उच्च जोखिममा रहेका विद्यालयहरुको नक्साड्कन गर्ने | शिक्षा शाखा, विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति | २० | विधिको प्रयोग, छलफल | प्रत्येक वर्ष | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम |
| ४ | • शिक्षाको क्षेत्रमा काम गर्ने संघसंस्था संग समन्वय, संजालिकरण तथा सहयोग हुनसक्ने श्रोत तथा सामाग्रीहरुको उपलब्धताको सुनिश्चितता गर्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा | ० | समन्वय, वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु |
| ५ | • प्रत्येक विद्यालयहरुमा १ वाक्सका दरले प्राथमिक उपचारका सामाग्रीहरुको व्यवस्था गर्ने | गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, शिक्षा क्लस्टर | २०० | खरिद तथा निकासा | २०८२ असार | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु |

| | | | | | | |
|----|--|--|------|--------------------------------|-----------------------------|--|
| ६ | ● शिक्षक विद्यार्थी हरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धि तालिम दिने | गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, रेडक्रस | ५० | तालिम | २०८२ असार, प्रत्येक वर्ष | |
| ७ | ● दक्ष मनोसामाजिक मनोविमर्शकर्ताहरको सुची तथा सम्पर्क नं. राख्ने र अद्यावधिक गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | ० | सम्पर्क, सुचि निर्माण | प्रत्येक ६,६ महिना | |
| ८ | ● शिक्षकहरुका लागि मनोसामाजिक मनोविमर्श तालिम | शिक्षा क्लस्टर | ५० | तालिम | प्रत्येक वर्ष | |
| ९ | ● विपद्को समयमा सम्पर्क गर्न सबै सम्बन्धित कार्यालयहरुको फोन नं र सम्पर्क व्यक्तिको फोन नं संकलन गरी राख्ने, अद्यावधिक गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | ० | सुचि निर्माण | प्रत्येक ६,६ महिनामा | |
| १० | ● प्रत्येक विद्यालयहरुमा शैक्षिक सामाग्रीहरु जस्तै इसिङ्गी किट, स्टुडेन्ट किट, किताव, कापी, कलम, पैन्सिल इरेजरहरु पहिले नै भण्डारण गरी राख्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा | ३०० | खरिद, भण्डारण | प्रत्येक वर्ष २०८१ चैत्र | |
| ११ | ● अस्थायी सिकाई केन्द्रमा दिवा खाजा व्यवस्थापनका लागी व्यवस्था गर्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा | ५० | खरिद, भण्डारण, पसल संग सम्झौता | प्रत्येक वर्ष २०८१ चैत्र | |
| १२ | ● १० वटा अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) का लागी आवस्यक पर्ने सामाग्री पोल, त्रिपाल टेन्ट कारपेट वोर्ड आदी खरिद गरि भण्डारण गर्ने भण्डारण गर्ने | गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, शिक्षा क्लस्टर, | १००० | खरिद, भण्डारण | मनसुन पुर्व | |

| | | | | | |
|----|--|---|-----|--------------------------------|---------------|
| | | गाउँपालिका शिक्षा शाखा | | | |
| १३ | • ५ वटा अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) उपलब्ध गराउने संघसंस्था संग समन्वय गर्ने र उपलब्धताको सुनिश्चितता गर्ने | गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, शिक्षा क्लस्टर, नगर पालिका शिक्षा शाखा | ० | समन्वय | मनसुन पुर्व |
| १४ | • अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) मा छात्रछात्रा, अपांग मैत्री, खानेपानी, शौचालयको व्यवस्था गर्न सामाग्री भण्डारण | गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा | १०० | समन्वय | मनसुन पुर्व |
| १५ | • त्रिपाल, गैटी, बेल्वा, कोदाली तसला टोकरी ,Heating Plate, Hexablade, आदि सामाग्री प्रत्येक विद्यालयमा भण्डारण गरी राख्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा | १०० | खरिद, भण्डारण | २०८१ चैत्र |
| १६ | • दक्ष ज्यामी, तथा प्राविधिकहरुको नाम र संम्पर्क नं. राख्ने, अद्यावधिक गर्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा, वडा कार्यालय | ० | पहिचान, सम्पर्क र सुचि निर्माण | प्रत्येक वर्ष |
| १७ | • शिक्षकहरुलाई आपतकालिन अवस्थामा गरीने कार्य वारे तालिम दिने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा, वडा | १०० | तालिम | २०८१ पौष |

| | | | | | |
|-------|--|--|------|---------------|------------------------------|
| | | कार्यालय | | | |
| १६ | • मा.वि. तहका विद्यालयका वालवालिका लाई खोजतथा उद्धारको तालिम संचालन गर्ने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा,वडा कार्यालय | १०० | तालिम | प्रत्येक वर्ष मनसुन पुर्व |
| १७ | • विद्यालयहरुमा वर्षको २ पटक विद्यार्थी हरुलाई कृतिम घटना अभ्यास र विपदको समयमा वच्चे उपाय वारे तालिम दिने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा,वडा कार्यालय,रेडक्रस | २० | तालिम | ६,६ महिनामा |
| २० | • जुनियर रेडक्रस सर्कलहरुलाई सकृद र क्षमता वृद्धि गर्ने | विद्यालय,रेडक्रस | ५० | तालिम | वर्षको १ पटक |
| २१ | • विद्यालयका विद्यार्थी, शिक्षक, विद्यालय व्यवस्थापन समिति, शि.अ.संघ तथा लाई विपद् पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी प्रशिक्षण दिने | शिक्षा क्लस्टर, गाउँपालिका शिक्षा शाखा,वडा कार्यालय,रेडक्रस | १०० | तालिम | वर्षको १ पटक |
| २२ | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन | शिक्षा क्लस्टर, | ० | प्रत्येक वर्ष | प्रत्येक वर्ष |
| जम्मा | | | २२५० | | |

५.१.६.४ प्रतिकार्य योजना विषयगत क्षेत्र : शिक्षा

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|---|-----------------|---|---|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प : १०वटा विद्यालय भवनमा पुर्ण क्षति ,२० वटामा सामान्य क्षति,१० वटा वालविकासकेन्द्रमा क्षेति,२० जना विद्यार्थीको मृत्यु,१५० जना विद्यार्थी घाइते,२ जना शिक्षकको मृत्यु,४ वटा ICT ल्याव मा क्षति,२ वटा पुस्तकालय ध्वस्त,१ वटा सामुदायीक सिकाइ केन्द्रमा क्षती,१८ वटा विद्यालयका शौचालय ध्वस्त,७ | <ul style="list-style-type: none"> शिक्षा क्लष्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने । शिक्षा क्षेत्रको क्षतिको प्रारम्भिक तथ्यांक लिने घाइते विद्यार्थी, शिक्षक तथा कर्मचारीललाई स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर संगको समन्वयमा प्राथमिक उपचार गर्ने प्राथमिक उपचार पश्चात अस्पताल पठाउने शिक्षक, कर्मचारी तथा ठुला विद्यार्थीहरुलाई उद्धार कार्यमा परिचालन गर्ने घटना स्थलमा पुगी क्षतिको प्रारम्भिक तथ्यांक संकलन गर्ने जस्तै कति विद्यालय आंशिक वा पूर्ण क्षति भयो, कति विद्यार्थी घाइते या मृत्यु भयो आदि क्षति वारे सुचना,समन्वय तथा खोज उद्धार समिति संग समन्वय गर्ने केही समय विद्यालय बन्द गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा,विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | २४ घंटा भित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> प्रारम्भिक सर्वेक्षणका आधारमा प्रतिवेदन तथा कार्य योजना तयार पार्ने अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा,विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार | ४८ घंटाभित्र |

| | | | | | |
|--|--|----------------|---|---|---------------|
| वटा विद्यालयका खानेपानि ध्वस्त । बाढी/पहिरो : १ वटा विद्यालयमा क्षति,५ विद्यालयमा आसिंक क्षति,४ वटा विद्यालयको खानेपानि ट्याडकी ध्वस्त १० वटा विद्यालयका सौचालयमा क्षति । | Center) निर्माण का लागी स्थान छनोट गर्ने | | वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | युनिसेफ,रेडक्रस,निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | |
| | <ul style="list-style-type: none"> अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) निर्माण सुरु गर्ने विद्यार्थीहरूलाई पाठ्य पुस्तक, पोशाक, शैक्षिक तथा खेलकुद सामग्री को व्यवस्थापन गर्ने वालवालिकालाई विद्यालय आउन प्रेरित गरी त्याउने वातावरण तयार गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँ शिक्षा शाखा,विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | ७२ घंटा भित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) निर्माण सम्पन्न गरी खानेपानी, शौचालयको व्यवस्था गर्ने, यी संरचना निर्माण गर्दा अपांग मैत्री, महिला मैत्री संरचना तयार गर्ने शिक्षकहरूलाई तालिम दिने र शिक्षकको व्यवस्था गर्ने मनेसामाजिक असर परेका विद्यार्थीलाई मनेसामाजिक मनोविमर्श प्रदान गर्ने शुरुका दिनमा वालवालिकाको भयलाई कम गर्न मनोरंजनात्मक र खेलकुद जस्ता कार्यक्रम संचालन गने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा,विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ,रेडक्रस,निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | १ हप्ताभित्र |
| | विद्यार्थीहरूलाई पाठ्य पुस्तक, पोशाक, शैक्षिक तथा खेलकुद सामग्री वितरण गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा,विद्यालयहरु | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाइ | १५दिनभित्र |

| | | | | | |
|--|---|----------------|--|---|---------------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) मा पठनपाठन सुरुगर्ने अस्थायी सिकाई केन्द्रमा दिवा खाजा वितरण गर्ने क्लस्टरको वैठक वसी प्रगति समिक्षा गर्ने भृत्यिएका तथा नस्टभएका संरचना र सामाग्री हटाउने, व्यवस्थापन गर्ने वितरण गरिएका शैक्षिक सामाग्री को उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने | | गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | |
| | <ul style="list-style-type: none"> अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) मा पठनपाठनलाई निरन्तरता दिने आवस्यक थप सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने सामान्य मर्मत गरेर सञ्चालन गर्न सकिने विद्यालयहरु सञ्चालन गर्ने वितरण गरिएका शैक्षिक सामाग्री को उपलब्धता प्रयोग र पठनपाठन तथा विद्यालय सञ्चालनको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा, विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | १ महिनभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) मा पठनपाठनलाई निरन्तरता दिने गुणस्तरिय शिक्षा प्रदान गर्ने हालसम्मको समग्र प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायमा पठाउने क्षति भएका विद्यालय पुर्ननिर्माण को प्रक्रिया अगाडी बढाउने अनुगमन गर्ने | शिक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका शिक्षा शाखा, विद्यालयहरु गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई कार्यालय, संघ र प्रदेश सरकार युनिसेफ, रेडक्रस, निजि विद्यालयहरु संघसंस्था, संचार माध्यम | १ देखि ३ महिनाभित्र |

५.१.७ संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । महिला, वालवालिका, किशोर किशोरी, अपाङ्गता, अशक्त जेष्ठ नागरिकलगायत जोखिममा पर्न सक्ने समूहलाई हुनसक्ने हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, भेदभाव र हेलावाट संरक्षण र सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभुति गराउनु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १८: संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लष्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|---------------------|-------------------|-----------------------|------------|------------|
| १ | राजकुमारी रेउले | उपाध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका | संयोजक | ९८२२८८७४५९ |
| २ | सिर्जना ओली | प्रमुख | म.तथा बालबालिका शाखा | सदस्य | ९८६८२८६६६६ |
| ३ | देव कुमारी बुढाथोकी | कार्यपालिका सदस्य | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८२९८६४०८५ |
| ४ | लालवहादुर मल्ल | प्रतिनिधि | सहकर्मी समाज रुकुम | सदस्य | ९८०६२१३०५५ |
| ५ | डिलसरा वोहरा | | गा.पा.अपाङ्ग सञ्जाल | सदस्य | ९८२२४४३५३६ |
| ६ | हरि वहादुर डाँगी | MIS Operator | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८२२८६०८५६ |
| ७ | हरि वहादुर खड्का | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका,९ | सदस्य | ९८२९५०६५६८ |

५.१.७.१ संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको उद्देश्य :

महिला, वालवालिका, किशोर किशोरी, अपाङ्गता, अशक्त जेष्ठ नागरिकलगायत जोखिममा पर्न सक्ने समूहलाई हुनसक्ने हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, भेदभाव र हेलावाट संरक्षण र सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभुति गराउनु यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य रहेको छ । त्यसैगरी अन्य उद्देश्यहरु निम्न रहेका छन् ।

- जोखिममा परेका महिला, वालवालिका, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिक लाई सेवा प्रदान तथा व्यवस्थापन गर्नु ।
- आपत्कालिन परिस्थितीबाट उत्पन्न हिंसा, उत्पीडन, शोषण, दुर्व्यवहार तथा हेलाका जोखिमहरू वाट प्रभावित मानिसहरूको संरक्षण गरी अल्पकालिन पुर्नसापना केन्द्रमा लैजानु ।
- यौन दुर्व्यवहार तथा हिंसाका विरुद्ध तिनको अनुगमन, प्रतिवेदन तथा पैरवी गर्ने प्रणालीको स्थापना गरी सुरक्षित गराउनु ।
- अप्टेरोमा परेकाहरूलाई सिफारीस प्रणली अन्तरगत सिफारिस गरी सहयोग पुऱ्याउनु ।
- बालबालिका, महिला, अपांगता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकहरु लाई खानपान, ओषधिउपचार, सुरक्षित आश्रय आदीका लागी सम्बन्धित क्लस्टर संग समन्वय गरी उपलब्ध गराउनु ।
- मानसिक आघात (trauma) तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका वालवालिका, किशोर, किशोरी, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श प्रदान गर्नु
- विद्योडिएका हरुको आफन्तको खोजी गर्ने र पारिवारीक पुनर्मिलन गराउनु ।

५.१.७.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा को क्षेत्रमा ३ वटा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरीएको छ ।

भुकम्प : ३० जना महिलाको मृत्यु,५ बालबालिकाको मृत्यु,२४ बालबालिका अनाथ भएको,९ जना महिला अपांग भएको,३ जना किशोरी यौनशोषणमा परेको,८ ज्येष्ठ नागरिक को मृत्यु,अनाथ तथा अपाङ्गहरूको सङ्ख्यामा वृद्धि, २जना बालबालिका वेचविखनमा परेका,४० जनामा सम्भावित मानसिक आघात (trauma) तथा मनोवैज्ञानिक असर परेको,यौन शोषण हिंसा, दुर्व्यावहार, भेदभाव, असुरक्षा वहने,विशेषगरी वृद्ध वृद्धा, अपांग, महिला र बालबालिकाहरु विपद्वाट बढि प्रभावित रहेको अवस्था ।

बाढी/पहिरो : २ जना महिलाको पहिरोमा परी मृत्यु,१२ घरपरिवार विस्थापित,३ जना बालबालिका घाइते,४ जना अपांग भए ,पहिरोमा पुरिएर श्रीमान् बित्दा एक महिला बिधवा भइन्,सामाजिक, आर्थिकरूपले कमजोर पछाडी पारिएका वर्गहरु मा भएका पीडितहरूलाई बस्ने, खाने समस्या ।

५.१.७.३ पूर्वतयारी का क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (सामानखरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|--|---|-----------------|---|---------------|---|
| १ | • संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लष्टरको वैठक सामान्यतया प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ते | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १० | वैठक | ३,३ महिनामा | संघ,प्रदेश सरकार,जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय,जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपिए ,महिला संजाल,अपांग संजाल |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने, | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | संघसंस्था |
| ३ | • महिला, वालवालिका,, फरक क्षमता भएकाहरुका लागि मनोसामाजिक परामर्श दिन सक्ने दक्ष जनशक्ति तयार गरी सुचि निर्माण | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | ५० | तलिम,सम्पर्क,सुचि निर्माण | प्रत्येक वर्ष | |
| ४ | • संरक्षण र सामाजिक सुरक्षाको क्षेत्रमा काम गर्ने संघसंस्था संग समन्वय,संजालिकरण तथा सहयोग हुनसक्ने श्रोत तथा सामाग्रीहरुको उपलब्धताको सुनिश्चितता गर्ने | सामाजिक शाखा संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | ० | समन्वय ,वैठक | ३,३ महिनामा | |
| ५ | • आपतकालका लागी कारिब १०० जना तथा गर्भवती र सुत्केरीको लागि विशेष कपडा | सामाजिक शाखा संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १५० | खरिद, भण्डारण,पसल संग संभौता | २०८२ जेठ | |

| | | | | | |
|----|--|--|-----|----------------------|-------------------------|
| | को भण्डारण वा व्यवस्थापन | | | | |
| ६ | • १० जना अपांगता भएका व्यक्तिहरुकालागी सहायक सामाग्री खरिद तथा भण्डारण वा सहयोगको सुनिश्चितता | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १०० | खरिद, पसल संग संभौता | २०८१ भित्र |
| ७ | • २०० थान डिग्निटी किट संकलन र भण्डारण | सामाजिक शाखा संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर,युएनएफपिए | १०० | युएनएफपिएको सहयोग | २०८१ भित्र |
| ८ | • विपदको वेला हिंसा, वेचविखन, यैन दुर्घटनाहार, शोषण हुन नदिन निगरानी समुह गठन तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १०० | समुह गठन, तालिम | २०८२ जेठ, प्रत्यैक वर्ष |
| ९ | • वाल संरक्षण समिति, नीगरानी समुह,लैंगीक हिंसा विरुद्धको समिति,आमा समुह,वालक्लब, युवाक्लब, महिला समुह, महिला सहकारी तथा गाउँपालिकामा भएका अन्य संजालहरु को गठन पुर्नगठन र क्षमता अभिवृद्धि | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १०० | समुह गठन, तालिम | निरन्तर |
| १० | • अल्पकालिन अस्थायी सेवा तथा परामर्श केन्द्रहरुको स्थापना क लागी सामग्री व्यवस्था तथा जनशक्ति व्यवस्थापन | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | २०० | खरिद,भण्डतरण, तालिम | २०८१ चैत्र |

| | | | | | | |
|----|---|---|-----|-------------------|---------------|--|
| ११ | • बालअधिकार संरक्षण सम्बन्धमा सरो कारबालाहरू लाई तालिम | सामाजिक शाखा, संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १०० | , तालिम | वर्षमा एकपटक | |
| १२ | • संरक्षण,समन्वय,: पुनःस्थापना कानूनी उपचार सेवा, स्वास्थ्य उपचार सेवा आदिकालागी सिफारिस प्रणलि (Referral System) स्थापना | सामाजिक शाखा | ० | संयन्त्र स्थापना | निरन्तर | |
| १३ | • मानविय कार्यमा संलग्न संघसंस्थाहरु व्यक्तिहरुकालागी आचार संहिता निर्माण र अभिमुखिकरण | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | २० | क्लस्टरहरूको वैठक | २०८१ फागुन | |
| १४ | • लैंगिकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना जगाउने सामाजी को व्यवस्थापन | सामाजिक शाखा | ३० | तयारी,छपाइ | निरन्तर | |
| १५ | • लैंगिकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध सचेतना कार्यक्रम संचार माध्यम तथा रेडियोमा प्रचारप्रसार | सामाजिक शाखा | १५ | सन्देश प्रशारण | निरन्तर | |
| १६ | • अल्पकालिन पुर्नस्थापना केन्द्रको स्थापना | सामाजिक शाखा | २०० | स्थापना | २०८१ भित्र | |
| १७ | • विद्यालयहरूमा प्रतिरक्षात्मक तालिम सञ्चालन | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | १०० | तालिम | प्रत्येक वर्ष | |

| | | | | | | |
|-------|--|-----------------------------------|------|----------------|---------------|--|
| १६ | • नगदहस्तान्तरणको लागि गाउँपालिकापालिकाभित्र रहेका वैकमा संकटासन्नवर्ग (महिला, जेष्ठनागारिक, अपांगताभएका व्यक्ति र ५ वर्ष मुनिका वालवालिकाहरुको अभिभावकको खाता खोल्ने व्यवस्था गर्ने | सामाजिक शाखा | १०० | अभिमुखिकरण | प्रत्येक वर्ष | |
| १७ | • पीडित तथा प्रभावितहरुलाई व्यवसायमूलक तालिम सञ्चालन गरि आयआर्जनका व्यावसायमा संलग्न गराउन श्रोत को व्यवस्था | गाउँपालिकाका का सम्बन्धित शाखा | २०० | तालिम , अनुदान | विपद पश्चात | |
| २० | • अनुगमन तथा मुल्यांकन समिति गठन | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | ० | प्रत्येक वर्ष | प्रत्येक वर्ष | |
| जम्मा | | | १५७५ | | | |

५.१.७.४ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|--|---|---|---|------------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| भुकम्प : ३० जना महिलाको मृत्यु,५बालबालिकाको मृत्यु,२४ बालबालिका अनाथ भएको,९ जना महिला अपांग भएको,३ जना किशोरी यौनशोषणमा परेको,८ ज्येष्ठ नागरिक को मृत्यु,अनाथ तथा अपाङ्गहरूको सङ्ख्यामा वृद्धि, २जना बालबालिका बेचविखनमा परेका,४० जनामा सम्भावित मानसिक आघात (trauma) तथा मनोवैज्ञानिक असर परेको,यौन शोषण हिंसा, | <ul style="list-style-type: none"> • संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने । • प्रभावित गर्भवती, सुत्केरी, बालबालिका, जेष्ठनागरिक, अपांगताभएका व्यक्तिहरूको प्रारम्भिक तथ्यांक संकलन गर्ने • विपद्मा परेका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकको खोज,उद्धारको लागि समन्वय,खोज,उद्धार र सुचना तथा सञ्चार क्लस्टर र सुरक्षा निकाय संग समन्वय गर्ने • घाइते बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकको उपचारका लागी स्वास्थ्य तथ पोषण क्लस्टर संग समन्वय गर्ने • सिकिस्त घाइतेलाई अस्पतालमा पुऱ्याउन सहयोग गर्ने । • विपद्मा परेका बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकहरूलाई गैरखाद्य तथा आश्रयस्थल क्लस्टरको सहयोगमा सुरक्षित स्थल तिर लैजाने | <ul style="list-style-type: none"> संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका महिला बालबालिका शाखा, गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय,जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपिए ,महिला संजाल,अपांग संजाल सेफ हाउस | २४ घंटा भित्र |

| | | | | | |
|--|--|--|---|--|--------------------|
| <p>दुर्व्यावहार, भेदभाव, असुरक्षा वहने,विशेषगरी वृद्ध वृद्धा, अपांग, महिला र बालबालिकाहरु विपद्‌बाट बढि प्रभावित रहेको अवस्था । बाढी/पहिरो : २ जना महिलाको पहिरोमा परी मृत्यु,१२ घरपरिवार विस्थापित,३ जना वालबालिका धाइते,४ जना अपांग भए ,पहिरोमा पुरिएर श्रीमान् बित्दा एक महिला विधवा भइन्,सामाजिक, आर्थिकरूपले कमजोर पछाडी पारिएका वर्गहरु मा भएका पीडितहरुलाई बस्ने, खाने समस्या ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> खाद्य तथा कृषि क्लस्टर संगको समन्वयमा तयारी खाना ,पानी वितरण गर्ने स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर संगको समन्वयमा गर्भवती ,सुत्केरी आमा तथा २ वर्ष मुनिको बच्चालाई चर्ट,चर्च दिन सहयोग गर्ने स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टर संगको समन्वयमा ६ महिनादेखि ५ वर्ष मुनीका बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, गर्भवती तथा सुत्केरी महिलालाई पोषणयुक्त खाना जस्तै विस्कुट, लिटो, दुध वितरणमा सहयोग गर्ने गर्भवती र सुत्केरीको लागि विशेष कपडा वितरण गर्ने वालसंरक्षण समिति,गाउँपालिकानीसमुह,लैगीक हिंसा विरुद्धको समिति आमा समुह,वालक्लव,युवाक्लव,महिला समुह,महिला सहकारी तथा गाउँपालिकामा भएका अन्य संजालहरुलाई विपद् प्रतिकार्यका लागी परिचालन मानसिक आघात ९८वर्षबाट० तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका वालबालिका, किशोर,किशोरी,गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिककलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श दिने, तालिम प्राप्त मनोविमर्शकर्ता समक्ष सिफारिश गर्ने । पिडित र प्रभावितहरुको संरक्षणको जिम्मा लिने संरक्षण र सुरक्षाको उच्च जोखिममा रहेका वालबालिका,महिला,किशोरीलाई पुनर्स्थापना गूह वा प्रहरीको महिला वालबालिका सेल मा पठाउने । | <p>संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका, महिला वालबालिका शाखा, गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, जिल्ला अस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपीए ,महिला संजाल,अपांग संजाल सेफ हाउस</p> | <p>४८ घटाभित्र</p> |
|--|--|--|---|--|--------------------|

| | | | | |
|--|--|---|--|----------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> ● आफन्तको खोजी गर्ने र पारिवारीक पुनर्मिलन गराउने ● वितरण गरिएका राहत सामाग्री को लक्षित वर्गग सम्मको उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्न समन्वय गर्ने ● | | | | |
| <ul style="list-style-type: none"> ● प्रभावित अपांगता भएकाहरूलाई सहायक सामग्री उपलब्ध गराउने ● हिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना जगाउने ● हिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण हुन नदिन गिाउँपालिकानी समुह परिचालन गर्ने ● प्रहरी को समन्वयमा गिाउँपालिकानी राख्ने ● प्रभावित परिवारको लागि डिग्नीटी किट वितरण गर्ने ● वितरण गरिएका राहत सामाग्री को लक्षित वर्गग सम्मको उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्न समन्वय लाई निरन्तरता ● प्रभावित क्षेत्रमा लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन ● लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रमसंचार माध्यम तथा रेडियोमा प्रचारप्रसार ● मानसिक आघात ९८ चबगढब० तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका वालवालिका, | <p>संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर</p> | <p>गाउँपालिका, गाउँपालिकामहिला वालवालिका शाखा, गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपिए ,महिला संजाल, अपांग संजाल सेफ हाउस</p> | <p>७२ घंटा भित्र</p> |

| | | | | | |
|--|--|-----------------------------------|--|---|--------------|
| | किशोर,किशोरी,गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिककलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श लाइ निरन्तरता | | | | |
| | <ul style="list-style-type: none"> • स्वास्थ्य तथा पोषण क्लस्टरको समन्वयमा नवजातशिशु, सुत्केरी आमा, गर्भवती, महिनावारी हुने महिला, नियमित औषधि सेवन गर्नुपर्ने अवस्थाका वृद्धवृद्धा.हरुलाई आबश्यक औषधि वितरणमा सहयोग गर्ने • अल्पकालिन अस्थायी सेवा तथा परामर्श केन्द्रहरुको स्थापना गरी सेवा सञ्चालन गर्ने • वितरण गरिएका राहत सामाग्री को लक्षित वर्ग सम्मको उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्न समन्वय लाइ निरन्तरता दिने • प्रभावित क्षेत्रमा लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्योगहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम निरन्तर सञ्चालन • मानसिक आघात ९५चबरगढब० तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका वालवालिका, किशोर,किशोरी,गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिककलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श लाइ निरन्तरता | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका, गाउँपालिकामहिला वालवालिका शाखा, गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय,जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपिए ,महिला संजाल,अपांग संजाल सेफ हाउस | १ हप्ताभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> • वितरण गरिएका राहत सामाग्री को लक्षित वर्ग सम्मको उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामाग्रीको व्यवस्था गर्न समन्वय लाइ निरन्तरता दिने • हिंसा र शोषणमा परेका महिलालाई कानुनी सहायता प्रदान गर्ने | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका, गाउँपालिकामहिला वालवालिका शाखा, गाउँपालिका तथा वडा विपद् तथा | जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय,जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपिए ,महिला संजाल,अपांग संजाल | १५दिनभित्र |

| | | | | | |
|--|---|-----------------------------------|---|---|-------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> प्रभावित परिवारका बालबालिका, महिला, जेष्ठ नागरिक र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई नगद हस्तान्तरण गर्ने मानसिक आघात ९८ चबगढब० तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका बालबालिका, किशोर, किशोरी, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श लाइ निरन्तरता अस्थायी आश्रयस्थलमा लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्घटनाहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन पुनर्स्थापना गूह वा प्रहरीको महिला बालबालिका सेल रहेका लाइ पारिवारिक पुनर्मिलन, | | जलवायु उत्थानशील समिति, | सेफ हाउस | |
| | <ul style="list-style-type: none"> वितरण गरिएका राहत सामग्री को लक्षित वर्ग सम्मको उपलब्धता प्रयोग र अवस्थाको अनुगमन गर्ने र अपुग सामग्रीको व्यवस्था गर्न समन्वय लाइ निरन्तरता जन्म, मृत्यु विधवा दर्ता गर्न सिफारिश गर्ने किशोरी र एकल महिलाहरूलाई आयआर्जन सम्बन्धी तालिम दिने प्रभावित क्षेत्रमा लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्घटनाहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम निरन्तर सञ्चालन प्रभावितहरूलाई पारिवारिक पुनर्मिलन, पुनर्स्थापना लाइ निरन्तरता | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | गाउँपालिका, गाउँपालिका महिला बालबालिका शाखा, गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, जिल्लाअस्पताल युनिसेफ, यूएनएफपीए, महिला संजाल, अपांग संजाल सेफ हाउस | १ महिनभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> पीडित तथा प्रभावितहरूलाई व्यवसायमूलक तालिम सञ्चालन गरि आयआर्जनका व्यावसायमा संलग्न गराउने | संरक्षण र | गाउँपालिका, गाउँपालिका महिला | जिल्ला प्रशासन, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, जिल्लाअस्पताल | १ देखि ३ |

| | | | | | |
|--|---|----------------------------|---|---|------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> ● प्रभावित क्षेत्रमा लैंगीकहिंसा, वेचविखन, यौन दुर्व्यवहार, शोषण विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम निरन्तर सञ्चालन ● विपदवाट अपांगता भएकाहरुलाई परिचयपत्र वितरणका लागी सिफारीस | सामाजिक सुरक्षा क्लस्टर | वालवालिका शाखा, पंजिकरण शाखा, गाउँपालिका तथा बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, कृषि, पशु शाखा | युनिसेफ, यूएनएफपिए , महिला संजाल, अपांग संजाल संघसंस्था | महिनाभित्र |
|--|---|----------------------------|---|---|------------|

५.१.८ तत्कालिन पुनर्लाभ क्षेत्र :

विपद प्रतिकार्यकालागी तत्कालिन पुनर्लाभ क्षेत्रको पनि उत्तिकै दायित्व रहन्छ । यस विषयगत क्षेत्रले विपदकाकारण अवरुद्ध हुन पुगेका अत्यावस्यक सेवाहरु जस्तै सडक, विद्युत, खानेपानी, संचार आदिलाई तत्काल सुचारु गर्ने र वैकल्पिक व्यवस्था सामाजिक, आर्थिक, पूर्वाधारलाई चलायमान गराइ जनजीवनलाई सामान्य गराउनु यस क्षेत्रको दायित्व रहन्छ ।

तालिका १९: तत्कालिन पुर्नलाभ क्षेत्र

| क्र.स | नाम | पद | कार्यालय/संस्था | क्लष्टर पद | सम्पर्क न. |
|-------|---------------------|-------------------|------------------------|------------|------------|
| १ | दिपेन्द्र कुमार ओली | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका, ३ | संयोजक | ९८२५५६०००९ |
| २ | खिम वहादुर ओली | सम्पर्क व्यक्ति | विपद व्यवस्थापन शाखा | सदस्य | ९८०९५६०९२३ |
| ३ | लक्ष्मण वि.क. | कार्यपालिका सदस्य | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८४७८९२९७४ |
| ४ | प्रेमा ओली | कार्यपालिका सदस्य | त्रिवेणी गाउँपालिका | सदस्य | ९८०९७३५२४ |
| ५ | मोतिराम पुन | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका, २ | सदस्य | ९८१०८९६४०३ |
| ६ | नन्दराम खडका | वडा अध्यक्ष | त्रिवेणी गाउँपालिका, ८ | सदस्य | ९८१९५९९२५० |

५.१.८.१ तत्कालिन पुनर्लाभ क्षेत्रको उद्देश्य :

विपद्वाट प्रभावित मानिसका लागि आवस्यक पर्ने न्यूनतम मानविय जीवनयापनको लागि आवस्यक सेवा उपलब्ध गराउनु यस क्लस्टरको मुख्य उद्देश्य हो । त्यसका अतिरिक्त यस क्लस्टरका निम्न उद्देश्य हरु रहेका छन् ।

- विस्थापित परिवारहरुलाई पहिल्यैको अवस्थामा लैजानका लागि पुर्नस्थापनाका कार्यहरु गर्ने ।
- भृत्यालीका, पूर्ण रूपले नष्ट भएका भौतिक संरचनाको निर्माणका कार्य गर्ने ।
- पुर्ननिर्माण गर्दा बलियो र विपद् जोखिम कम हुने गरी निर्माण गर्ने ।
- सार्वजनिक सुविधाका सेवाहरु संचालनमा टेवा पुऱ्याउने ।
- प्रभावित समुदायमा जिविकोपार्जनको वैकल्पिक उपायको अवलम्बन गर्ने ।

५.१.८.२ परिदृश्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको तत्कालिन पुर्नलाभ क्लस्टरले यस गाउँपालिका क्षेत्रमा प्रकोपले गर्ने क्षतिको परिदृश्य निर्माण गरीएको छ ।

सार्वजनिक पूर्वाधारहरू (कच्च तथा पक्कि सडक, पुल) नष्ट भई आवागमन अवरुद्ध हुने, सार्वजनिक सुविधाका साधनहरू (विद्युत, आपूर्ति, सञ्चार, यातायात) सरकारी तथा सर्वजनिक / समुदायिक भवन तथा संरचनाहरू क्षतिग्रस्त भई असामान्य अवस्था सृजना हुने । निजि घर, गोठहरु सिंचाइ कुला भृत्यालीका आवास तथा जिविकोपार्जनको समस्या हुने । घर पालुवा पशु पंक्षी, अन्न वालीहरु नष्ट हुन सक्ने ।

५.१.८.३ पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु विषयगत क्षेत्र : तत्कालिन पुनर्लाभ

| क्र.स | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारीका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | वजेट रु. हजारमा | कार्यान्वयन गर्ने तरिका सामान खरिद, दुवानी, भण्डारण, वैठक, तालिमआदि | समयअवधि | श्रोत र सहयोग का लागी वाह्य सहयोगी |
|-------|---|---|-----------------|---|---------------------------|--|
| १ | • तत्कालिन पुनर्लाभ क्लष्टरको वैठक प्रत्येक ३, ३ महिनामा वस्ते । | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | २० | वैठक | ३,३ महिनामा | जिल्ला प्रशासन कार्यालय,सुरक्षा निकाय, प्रदेश,संघिय सरकार,रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, निर्माण व्यावसायी,स्थानिय दाताहरु,संघसंस्था, संचार माध्यम |
| २ | • समितिका सदस्यहरुको नाम र फोन राख्ने, सदस्यको जिम्मेवारी बाडफाड गर्ने । | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | ० | वैठक | ३,३ महिनामा | |
| ३ | • अत्यावस्यक सेवा सुचारु गर्नकालागी आवस्यक जनशक्ति,भण्डारण गरिएका सामाग्री तथा उपकरणहरु तयारी अवस्थामा राख्ने । | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | २० | भण्डार गृह स्थापना | २०८१ जेठ | |
| ४ | • सम्भावित विपदबाट आर्थिक,सामाजिक, क्षेत्रमा पर्ने क्षतिको स्थलगत मुल्याङ्कनका लागि टोली गठन र अभिमुखिकरण | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | १० | समन्वय ,वैठक,तालिम | प्रत्येक वर्ष मनसुन अगाडी | |
| ६ | • गाउँपालिका र यस क्षेत्रमा रहेका अन्य निकाय तथा नीजि क्षेत्रसंग रहेका हेमी इक्विपमेण्ट तथा | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन | ८०० | समन्वय | मनसुन पुर्व | |

| | | | | | |
|--------------|---|---|-------------|---------------|-------------|
| | अन्य पुर्वाधार निर्माण र व्यवस्थापन सम्बन्धि साधन र उपकरणहरूलाई व्यवस्थित गरी राख्ने । (जस्तैः डोजर, एक्साभेटर, टिप्पर, बाटामा ढलेका रुख काट्ने र पन्छाउने यन्त्र तथा उपकरण, विद्युत तथा सञ्चार क्षेत्रमा कार्यरत मानव संसाधन आदि) । | शाखा | | | |
| ७ | समन्वय, स्रोत पहिचान र पूर्न निर्माणको कार्ययोजना तयार गर्ने | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | १० | बैठक | मनसुन पुर्व |
| ८ | नदी तथा पहिरो नियन्त्रण गर्न तटवन्धका लागि आवश्यक तार जाली व्यवस्थापन गर्ने | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | २०० | खरिद, भण्डारण | मनसुन पुर्व |
| ९ | जिल्ला कृषि र कृषि शाखासंग समन्वय गरी छिटो उत्पादन हुने खाल वित्तविजन छनौट गरी राख्ने र वाली विमा गर्न प्रोत्साहन गर्ने | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर,पुर्वाधार शाखा,विपद व्यवस्थापन शाखा | २०० | समन्वय | मनसुन पुर्व |
| जम्मा | | | १२६० | | |

५.१.८ प्रतिकार्य योजना विषयगतक्षेत्र : तत्कालिन पुर्नलाभ

| विपद्को संभवित अवस्था | विपद् प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरु | मुख्यजिम्मेवारी | स्रोतको व्यवस्था | | समयअवधि |
|--|---|--|---|--|---------------|
| | | | आन्तरिक | बाह्य (सहयोगी) | |
| सार्वजनिक पूर्वाधारहरू (कच्च तथा पक्कि सडक, पुल) नष्ट भई आवागमन अवरुद्ध हुने, सार्वजनिक सुविधाका साधनहरू (विद्युत, आपूर्ति, सञ्चार, यातायात) सरकारी तथा सर्वजनिक /समुदायिक भवन तथा संरचनाहरू क्षतिग्रस्त भई असामान्य अवस्था सृजना हुने । निज घर, गोठहरू सिंचाइ कुला भूतिकई आवास तथा जिविकोपार्जनको समस्या हुने ।घर | <ul style="list-style-type: none"> क्लष्टरको आकस्मिक वैठक वस्ते र जिम्मेवारी बाँडफाड गर्ने । सर्वेक्षण टोली पठाइ वडा कार्यालय मार्फत क्षतिको प्रारम्भिक तथ्यांक लिन शुरु गर्ने । भौतिक संरचनारु नोक्सान भई सेवा अवरुद्ध भएको स्थान पहिचान गरि तत्काल सुचारु गर्नुपर्ने सेवाहरूको प्रथमिकिकरण गर्ने । सार्वजनिक सेवा अवरुद्ध भएका भौतिक संरचनाहरूको मर्मत सम्भारकालागी टोली परिचालन गरि सेवा सुचारु गर्ने । <ul style="list-style-type: none"> सार्वजनिक सेवा अवरुद्ध भएका भौतिक संरचनाहरूको मर्मत सम्भारकालागी टोली परिचालन गरि सेवा सुचारु लाइ निरन्तरता दिने । स्रोत साधनको आंकलन गर्ने (आवस्यकता, लेखाजोखा र खाडल) पहिचान गरी समन्वय, स्रोत पहिचान र तत्कालिन पुर्नलाभको कार्ययोजना बनाउने । | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद् व्यवस्थापन शाखा | गाउँपालिका गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्स, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ इस्थानिय दाताहरू, संघसंस्था, संचार माध्यम | २४ घंटा भित्र |
| | | | | | ४८ घंटाभित्र |

| | | | | | |
|---|--|--|---|--|---------------------|
| <p>पालुवा पशु पंक्षी, अन्न वालीहरु नष्ट हुन सक्ने ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> सहज पहुँचकालागी अस्थायी रूपमा पुल, सडक तथा बाटो निर्माण गर्ने, डेब्रिस सफा गर्ने । प्रकोप जन्य फोहरको उचित व्यवस्थापन र नष्ट गर्ने । अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र, आन्तरिक रूपमा विस्थापितको सिविर, विद्यालय जस्ता क्षेत्रमा आधारभूत सेवा उपलब्ध गराउने । | <p>तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद व्यवस्थापन शाखा</p> | <p>गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्स, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ । स्थानिय दाताहरु, संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>७२ घटा भित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> विषयगत बैठक र घटनाको विवरण संकलन गर्ने कार्यलाइ निरन्तरता दिने । मौजुदा अवस्थामा अस्पताल, विद्यालय, स्वास्थ्य सेवा प्रदायकका साथै सडक, पुल र अन्य क्षति भएका पुर्वाधारहरुको विस्तृत विवरण तयार गर्ने । आवासकोलागी सहुलियत वा निशुल्क काठहरु उपलब्ध गराउने । शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, यातायात, खानेपानी, विद्युत लगायतका सार्वजनिक सेवाहरु सुचारू गर्ने । अस्थायी सिविरको स्थापना गर्ने र विस्थापितलाई सुरक्षित र खुल्ला ठाउमा लैजाने प्रवन्ध मिलाउने । | <p>तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद व्यवस्थापन शाखा</p> | <p>गाउँपालिका</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्स, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ । स्थानिय दाताहरु, संघसंस्था, संचार माध्यम</p> | <p>१ हप्ताभित्र</p> |
| | <ul style="list-style-type: none"> सिघ पुनर्लाभकोलागी आवस्यक अध्ययन, लेखाजोखा तथा विश्लेषण गरि बसोबास र जिविकोपार्जन जस्ता मुख्य क्षेत्रको विकासका कार्यलाइ अघि बढाउने । उपलब्ध बजेटको आधारमा पुर्वाधारहरु निर्माण प्रक्रियालाई प्रारम्भ गर्ने । क्षतीको एकिन विवरण तयार गरी सहयोगको | <p>तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद व्यवस्थापन शाखा</p> | <p>गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, बडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति,</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्स, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ । स्थानिय दाताहरु, संघसंस्था,</p> | <p>१५ दिनभित्र</p> |

| | | | | | |
|--|---|--|---|---|------------------------|
| | माग गर्ने । | | | संचार माध्यम | |
| | <ul style="list-style-type: none"> विपद पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्यकालागी विषयगत आकस्मिक योजना समय सापेक्ष परिमार्जन गर्ने । सबै प्रमुख परियोजनाहरूमा वातावरणिय प्रभाव मुल्याङ्कन गर्ने । | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद व्यवस्थापन शाखा | गाउँपालिका | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ । स्थानिय दाताहरु, संघसंस्था, संचार माध्यम | १ महिनभित्र |
| | <ul style="list-style-type: none"> पुनर्लाभको कार्यक्रमहरु सञ्चालनलाई निरन्तरता दिने तत्कालिन पसनर्लाभ क्षेत्रको विपद प्रतिकार्यको समिक्षा गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बिधित निकायमा पठाउने | तत्कालिन पुनर्लाभ क्लस्टर, पुर्वाधार शाखा, विपद व्यवस्थापन शाखा | गाउँपालिका विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, वडा विपद् तथा जलवायु उत्थानशील समिति, | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुरक्षा निकाय, प्रदेश, संघिय सरकार, रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, युनिसेफ । स्थानिय दाताहरु, संघसंस्था, संचार माध्यम | १ देखि ३ महिनाभित्र |

खण्ड ६ : लागत अनुमान तथा श्रोत व्यवस्थापन, समन्वय, अनुगमन, समिक्षा :

६.१ श्रोत साधनको आंकलन :

त्रिवेणी गाउँपालिकाको विपद पुर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनामा उल्लेखित अनुमानित बजेट गाउँपालिकाले व्यवस्थापन गर्नेछ । यसरी व्यवस्थापन गर्दा आफ्नो श्रोतले नपुग्ने रकम वा सामाग्री संघर्ष र प्रदेश सरकार, विकास साभेदार, संघसंस्थाको समन्वयमा प्राप्त गर्नेछ । यस योजनामा श्रोत र सामग्रीको बजेट सहित उल्लेख गरिएतापनि यसरी प्राप्तहुने सहयोग नगद तथा जिन्स दुवै हुन सक्नेछ ।

तालिका २०: क्षेत्रगत प्रस्तावित अनुमानित बजेट

| क्र.सं | विषयगत क्षेत्र | जम्मा अनुमानित बजेट(हजारमा) | उपलब्ध श्रोत (सामग्रीगत+नगद) | नपुग (आवश्यक) बजेट श्रोत को व्यवस्था |
|--------|--------------------------------------|-----------------------------------|---------------------------------|--|
| १ | समन्वय, खोज, उदार र सुचना तथा सञ्चार | २९८५ | | संघ र प्रदेश सरकार, विकास साभेदार, संघसंस्था |
| २ | खाद्य तथा कृषी | २८१० | | |
| ३ | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल | ३१९० | | |
| ४ | खानेपानी, सरसफाई | २८७५ | | |
| ५ | स्वास्थ्य र पोषण | २४३० | | |
| ६ | शिक्षा | २२५० | | |
| ७ | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा | १५७५ | | |
| ८ | तत्कालिन पुर्नलाभ | १२६० | | |
| जम्मा | | १९३७५ | | |

६.२ आवश्यक पर्ने श्रोत सामाग्री आंकलन :

त्रिवेणी गाउँपालिकामा विपद प्रतिकार्यको लागी आवश्यक श्रोत साधन र सामाग्री न्युन मात्रामा रहेको छ । गाउँपालिकाले अपुग साधन र सामाग्री हरुको व्यवस्था तत्काल गर्नुपर्ने देखिन्छ, जुन क्लष्टर अनसार तल उल्लेख गरीएको छ । यहा सामग्री हरु को मात्र आंकलन गरिएको छ तर बजेट भने क्षेत्रगत पुर्व तयारी योजनामा उल्लेख गरिएको सबै क्रियाकलाप र सामाग्री समेतको को कुल रकम राखिएको छ ।

तालिका २१: आवश्यक पर्ने श्रोत सामाग्री

| क्र.सं | क्लष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक संख्या |
|--------|--------------------------------------|------------------------|---------------|
| १ | समन्वय, खोज, उदार र सुचना तथा सञ्चार | लाइफ ज्याकेट (स्विमिङ) | २० |
| | | क्याराविना | ५ |
| | | बन्जी | ५ |
| | | पुल्ली | ३ |
| | | एसेप्टर | ४ |
| | | डिसेन्डर | ५ |
| | | क्लाइनिङ रोप | २ |
| | | रवर ट्युब | ५ |

| | |
|---|---------|
| फायर बुट | ५ |
| फायर सुट | ५ |
| लाइट | ५ |
| आगलागी नियन्त्रणमा प्रयोगहुने पानीको बोटल | ५ |
| लेदरको पंजा | १० जोर |
| हेल्मेट | २० |
| फायर संकलन काटा/फरुवा | ३ |
| स्विटर | ५ |
| वन्चरो | ४ |
| सावेल, वेल्चा | १० |
| पिक | १० |
| च्याक हु | ५ |
| प्लास्टिक वाल्टिन | १० |
| अल्मुनियम भन्याड | २ |
| रिभर क्रसिङ्ग रोप | ३० |
| फायर एक्सटिङ्ग ग्रिवसर | ५ |
| हारनेस | २ |
| ठुलो पाल | ५ |
| त्रिपाल | ५० |
| गल, खन्ती | १० |
| स्ट्रैचर | १० |
| First Aid Box | १० |
| वाटर व्याग | १० |
| जम्प सुट | १० |
| एक्स हो | २ |
| मास्क | १० |
| मेघाफोन | १ |
| डोरी, रस्सि | ५०० मी |
| व्याट्री(मेघाफोन) | ३ थान |
| टेन्ट, पाल, पाटपुर्जा | ५ |
| टेन्ट, पाल, विमचोवा | ३ |
| म्याट्रेस | २० |
| हसिया | १० |
| छाता | १० |
| हेडल्याम्प | ५ |
| घन | ५ |
| कम्बल | ५० |
| पि-फोर्म | १ वण्डल |
| प्लास्टिक सिट | १५ |
| पोलिथिन डोरी | २००मी |
| एल.एम.टि. रोल | २ |
| ग्याविन जालि | १०० |
| रेनकोट | १० |
| फायर रोप ल्याडर | १ |
| ड्रिलिङ मेसिन | २ |

| | | | |
|-------|------------------------------|--|---|
| | | ह्यास्टल वायर कटर पिक एक्स प्रे-वार क्रोवार ५ फीट २० मि.मि ह्याणड माइक काठ काटने मेसिन सूचना संकलनका लागि आवश्यक पर्ने फाराम (जस्तै IRA,MIRA) छपाई गरेर राख्ने | ५ २ २ १ २ ५ २ ५००० प्रति |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |
| २ | खाद्य तथा कृषी क्षेत्र | आपतकालिन अवस्थाका लागि अस्थायी तथा स्थायी भण्डार गृह को व्यवस्था गर्ने | १ |
| | | तयारीखाना, चाउचाउ, बिस्कुट, चिउरा नमकिन आदी खरिद भण्डारण गरी राख्ने । | २००० जना |
| | | खाद्यान्न सामाग्रीहरु जस्तै दाल, चामल, नून, तेल, मरमसला खरिद र भण्डारण गरी राख्ने(फुड वैक) | १००० जना |
| | | पशुपक्षीका लागि चाहिने आहार, घाँसपात एवम् दाना परालको व्यवस्था | २००० वटा |
| | | पशुपक्षीका लागि सरुवा तथा परजिवि नियन्त्रणका लागी आवश्यक औषधी खरिद गरी भण्डारन गर्ने | ३००० वटा |
| | | पशु चौपायाका अस्थायी छाप्राका लागि चाहिने सामानहरु, काठ, खर, त्रिपाल आदी भण्डारण गरी राख्ने | |
| | | पशुपक्षीका गोठ, खोर, टहरा, पुनर्निर्माण गर्न बाँस, डोरी, खर, प्लाष्टिक, पराल, त्रिपाल आदी को भण्डारण | २००० |
| | | बाँध, कूलो नहर को अस्थायी मर्मत का लागी (बास, बोरा, ढुङ्गा आदि को भण्डारण गर्ने | २००० मी |
| | | पोलिहाउस मर्मतकालागी सामाग्री भण्डारण | ५० वटा |
| | | गाउँपालिकाको कुल खेतियोग्य जग्गाको १० प्रतिशत लाइ पुने मौसम अनुसारको बीउबीजन, मलखाद, औषधि, विषादी, अन्य वित्त विजन खरिद तथा भन्डारनगर्ने | १० प्रतिशत जमिनका लागी |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |
| ३ | गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल | आपतकालिन अवस्थाका गैरखाद्य सामाग्रीहरु भण्डार गर्न अस्थायी तथा स्थायी भण्डार गृह को व्यवस्था गर्ने | १ |
| | | आवश्यक गैर खाद्य सामाग्रीहरु लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) प्रति परिवार २,२ सेट का दरले व्यवस्था गर्ने । | २०० सेट |
| | | आवश्यक गैर खाद्य सामाग्रीहरु लत्ताकपडा (उमेर लिंग, मौसम अनुसार) प्रति परिवार २,२ सेट का दरले स्थानिय व्यापारी संग सम्झौत गरी राख्ने। | १०० सेट |
| | | प्रभावितहरुलाइ भाडाकुडा प्रति परिवार डेक्च २ थान, ताप्के १ थान, थाल ४ थान, बटुका ४ थान गिलास ४ थान, डाङु पन्थू १, १ थान, मग २ थान, वाल्टिन १ थान का दरले | २०० सेट |

| | | | |
|-------|-----------------------------|--|---|
| | | व्यवस्था प्रभावित परिवार का लागी कम्बल, म्याट को व्यवस्था आश्रय स्थल निर्माण का लागी | |
| | | टेन्ट त्रिपाल, बलियो डोरी | २० सेट १०० वटा, १०० मुठा |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |
| ४ | खानेपानी, सरसफाइ क्षेत्र | आपतकालिन अवस्थामा खानेपानी वितरणकोलागि तयारी पानी वोतल वा जारको पानी को व्यवस्था आपतकालिन अवस्थाका लागि आवश्यक खानेपानी शुद्धिकरणका समाग्री, पियुष, क्लोरीन भोल, जस्ता वस्तु खरिद गरी भण्डारण गर्ने १००० लिटर क्षमताको पानी टंकी खरिद गरी भण्डारण गर्ने फोहरमैला व्यवस्थापन का लागी ठुला कन्टेनर खरिद र भण्डारण डस्टीविनहरु खरिद गरी भण्डारण गर्ने हाईजिन किट खरिद गरी भण्डारण गर्ने अस्थायी शौचालय निर्माणका लागि आवश्यक सामाग्री ट्राईलेट प्यान पलाष्टिक खरिद गरी भण्डारण गर्ने । चपी का लागी वाल्टिन, मग र ब्रस भण्डारण गर्ने हर्पिंक वा फिनेल भण्डारण गर्ने भत्केका खानेपानी संरचना मर्मतका लागि मर्मतका लागि र पानी आपुर्तिकालागी पाइप र फिटिङ सामग्री भण्डारण गरी राख्ने | १०००० लिटर १०० लिटर ६ वटा ६ वटा २०० वटा ३०० सेट २०वटा १०० सेट २०० वोत्तल २००० मिटर पाइप र सामाग्री |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |
| ५ | स्वास्थ्य र पोषण | अति आवश्यक तथा जिवन बचाउने औपधीहरु, प्राथमिक उपचारका सामाग्रीहरु स्वास्थ्य संस्थाहरुमा बफर स्टक राख्ने आपतकालिन अवस्था का लागी सुत्केरी सामग्री, प्याड तथा आवस्यक परिवार नियोजनका साधन आपतकालीन अवस्थाको लागि एक वडा २ थानका दरले प्राथमिक उपचार बाकस को व्यवस्था गने सुत्केरी र गर्भवती महिला, कुपोषित बालबालिका र जेष्ठ नागरिकको लागि एक महिनालाई पुग्ने पोषणयुक्त खाना विस्कुट, लिटो, आदी भण्डारण गर्ने दुधका लागी डेरि वा किसान संग समन्वय र संभौता गर्ने आपतकालिन अवस्थाका लागी कम्तिमा १ स्वास्थ्य संस्था ५ स्ट्रेचरका व्यवस्था र भण्डारण गर्भवती, सुत्केरी आमा तथा २ वर्ष मुनिको वच्चालाई ३ महिनालाई पुग्ने UTRF, RUSF को मौज्दात राख्ने अस्थायी उपचार केन्द्र स्थापनाका लागी आवस्यक सामग्री | सबै स्वास्थ्य स.स्थामा १००सेट १००० सेट २६ वटा ३०० जना ५० २०० जना ५ स्थान |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |

| ६ | शिक्षा | प्रत्येक विद्यालयहरुमा १ वाकसका दरले प्राथमिक उपचारका सामग्रीहरुको व्यवस्था गर्ने | सबै विद्यालय |
|-------|---------------------------|---|---------------------|
| | | प्रत्येक विद्यालयहरुमा शैक्षिक सामग्रीहरु जस्तै २० सेट इसिडी किट, स्टुडेन्ट किट, १०० सेट किताव, कापी, कलम, पेन्सिल इरेजरहरु पहिले नै भण्डारण गरी राख्ने | सबै विद्यालय |
| | | अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) का लागी आवश्यक पर्ने सामग्री पोल, त्रिपाल टेन्ट कारपेट वोर्ड आदि खरिद गरि भण्डारण | १० वटा |
| | | अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) मा छात्रछात्रा, अपांग मैत्री, खानेपानी, शौचालयको व्यवस्था गर्न सामग्री | १० वटा |
| | | त्रिपाल, गैटी, वेल्चा, कोदाली तसला टोकरी, Heating Plate, Hexablade, आदि सामग्री प्रत्येक विद्यालयमा भण्डारण गरी राख्ने | सबै विद्यालय |
| | | विद्यालयहरुमा वर्षको २ पटक विद्यार्थी हरुलाई कृतिम घटना अभ्यास र विपदको समयमा वच्ने उपाय वारे तालिम दिने | सबै विद्यालय |
| क्र.स | कलष्टर | सामग्रीको नाम | आवश्यक पर्ने संख्या |
| ७ | संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा | आपतकालका लागी गर्भवती र सुत्केरीको लागि विशेष कपडा को भण्डारण वा व्यवस्थापन | १०० जना |
| | | अपांगता भएका व्यक्तिहरुकालागी सहायक सामग्री खरिद तथा भण्डारण वा सहयोगको सुनिश्चितता | ३० जना |
| | | डिरिनटी किट (महिलाको लागी) | २०० |
| | | किशोरी किट(किशोरीको लागी) | २०० |
| | | Female Friendly space set | २ |
| | | RH kit (०-१२ Items) | ३०० |

६.३ लागत अनुमान :

यस सँनीत्रेणीगाउँपालिकाको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अनुसार क्षेत्रगत योजना तथा कार्यक्रम का लागी कुल वजेट १ करोड ९३ लाख ७५ हजार अनुमान गरिएको छ । विगत को वर्षहरुमा गाउँपालिकाले यस क्षेत्रमा गरेको लगानी र हालको प्रतिवद्धता अनुरुप अपुग हुने श्रोत रकमको परिचालनका लागि देहाय अनुसारको रणनीति अद्वितीय गरिने छ ।

- आन्तरिक आयस्रोतको दायराको खोजी र वृद्धि गर्ने विकास साभेदारसंग समन्वय गर्ने ।
- सघ तथा प्रदेशसंग समन्वय गर्ने ।
- निजी तथा सार्वजनिक साभेदारी एवं सहकार्य गर्ने ।
- जनसहभागिता वृद्धि गर्ने ।
- वित्तीय जोखिम न्यूनिकरणका लागि पारदर्शिता तथा सुशासन संबन्धी व्यवस्थाहरु कार्यान्वयनका लागि विशेष श्रोत साधनको परिचालन गर्ने ।

६.४ समन्वय र सहकार्य :

त्रिवेणी गाउँपालिकाले विपद पुर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना को कार्यान्वयन गर्नका लागी गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका निकाय, संघसंस्था तथा अन्य साभेदारहरु संग समन्वय र सहकार्य गरी उनिहरुको ओत र साधनलाई पनि परिचालन गर्नेछ । यसका अतिरिक्त प्रकोपबाट हुन सक्ने सम्भावित विपद्को सामना गर्न गाउँपालिकाले जिल्लामा रहेका निकायहरु संघ र प्रदेश सरकार तथा त्यस अन्तरगतका कार्यालयहरु संग पनि समन्वय र सहकार्य गर्नेछ । यसका साथै देहाय बमोजिमका संचना संग विशेष समन्वय गरिने छ ।

- विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन राष्ट्रिय परिषद्
- विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन कार्यकारी समिति
- राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण
- कर्णाली प्रदेश विपद् व्यवस्थापन परिषद
- कर्णाली विपद् व्यवस्थापन कार्यकारी समिति
- रुकुम(पश्चिम)जिल्ला विपद् विस्थापन समिति
- स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति

यस्तो समन्वय र सहकार्य विपद पुर्वतयारी , विपद प्रतिकार्य तथा पुर्नलाभ सम्म हुनेछ ।

६.५ लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण :

त्रिवेणी गाउँपालिकाले विपद पुर्वतयारी र प्रतिकार्य का लागी गरिने क्षेत्रगत त्रियाकलापहरुमा लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरणको सवाललाई प्राथमिकता दिने छ । यसकालागी निम्न कार्यहरु गर्ने छ ।

- विपद को समयमा हुन सक्ने, हिंसा, भेदभाव तथा दुर्व्यवहार हुन नदिन सुरक्षा संयन्त्र निर्माण र परिचालन ।
- विपद को समयमा हुन सक्ने, हिंसा, भेदभाव तथा दुर्व्यवहार हुन नदिन नियमित अनुगमन ।
- हिंसा, भेदभाव तथा दुर्व्यवहार का घटना घटिहालेमा पिडितलाई कानूनी सहयोग तथा उपचार र दोषीमाथी कारवाही ।
- वालबालिका, महिला, अपांगता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकहरु लाई सुरक्षित आश्रय स्थल (वालमैत्री, महिलामैत्री, अपांगतामैत्री तथा जेष्ठनागरिकमैत्री)आश्रयस्थल निर्माण ।
- मानसिक आघात (trauma) तथा मनोवैज्ञानिक असर परेका वालबालिका, किशोर, किशोरी, गर्भवती, सुत्केरी, अपांगता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिककलाई मनोसामाजिक मनोविमर्श प्रदान ।
- वालबालिका, महिला, गर्भवति तथा सुत्केरी महिलाका लागि खानपान, ओषधिउपचार, विशेष सामग्रीको व्यवस्था ।

६.६ योजनाको अनुगमन, मूल्याङ्कन, प्रतिवेदन र सिकाइ :

यस योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन भए नभएको सम्बन्धमा अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण र मूल्याङ्कन गाउँपालिका को अनुगमन समिति आफै, सम्बन्धित वडा कार्यालय साथै आवश्यकता अनुसार अलगै अनुगमन तथा मूल्याङ्कन समितिको गठन गरिने छ । साथै विषयगत क्षेत्र र जिम्मेवार तहबाट पूर्व तयारी,

विपद्का समयमा निर्धारित प्रतिकार्य योजना अनुरूप हुन सकेको वा नसकेको विषयमा नियमित रूपमा अनुगमन गरिने छ । प्रतिकार्यका लागि गठित विषयगत अगुवाहरुले आपनो क्षेत्रको प्रगति र खाडलको प्रतिवेदन “गाउँपालिका विपद तथा जलवायु उत्थानशिल समिति” मा पेश गर्ने छन् । “गाउँपालिका विपद तथा जलवायु उत्थानशिल समिति” ले संघ र प्रदेश सरकार मा पठाउने छ भने सरोकारवालाहरुलाई जानकारी र समन्वय का लागी पठाउने छ । यसरी प्रतिवेदन ले औल्याएका सिकाइ का आधारहरु योजनाको समिक्षा र अद्यावधिक गर्ने कार्यमा सहयोगी हुनेछन् ।

६.६.१ विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अनुगमनका लागि सूचक तथा लक्ष्यहरु :

| क्र.स. | सुचकहरु | भएको | नभएको |
|--|---|------|-------|
| क. सामान्य पूर्व तयारीकालागी | | | |
| १ | स्थानिय आपतकालिन कार्यसञ्चालन केन्द्र सञ्चालन भएको | | |
| २ | खोज उद्धार तथा राहत सामग्रीको भण्डारण मौज्दात रहेको | | |
| ३ | वडामा सामुदायिक उद्धार कर्ता तयार भएको | | |
| ४ | वडामा विपद तथा जलवायु सुचना केन्द्र स्थापना भएको | | |
| ५ | विपद सम्बन्धि विवरण गाउँपालिकाको वेवसाइटमा अपडेट गर्ने | | |
| ६ | विपद पोर्टल सञ्चालन भएको | | |
| ७ | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना वार्षिक रूपमा अद्यावधिक भएको | | |
| ख. समन्वय, खोज, उद्धार र सुचना तथा सञ्चार | | | |
| पूर्व तयारीका सुचकहरु | | | |
| १ | खोज उद्धार तथा राहत सामग्रीको विवरण अद्यावधिक | | |
| २ | क्लस्टरको बैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| ३ | वडा तहका कार्यदलको विवरण | | |
| प्रतिकार्यका सुचकहरु | | | |
| १ | खोज उद्धार कार्यको विवरण | | |
| २ | खोज उद्धार टोलीको परिचालन | | |
| ३ | आकस्मिक बैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| ग. खाद्य तथा कृषी क्षेत्र | | | |
| पूर्व तयारीका सुचकहरु | | | |
| १ | न्युनतममापदण्डर योजना अनुसार खाद्य सामग्री भण्डारण | | |
| २ | न्युनतममापदण्डर योजना अनुसार खाद्य सामग्रीको संभौता | | |
| ३ | क्लस्टरको बैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| प्रतिकार्यका सुचकहरु | | | |
| १ | प्रभावित परिवारलाई खाद्य सामग्री उपलब्ध गराएको विवरण | | |

| | | | |
|---|----------------------------------|--|--|
| २ | आकस्मिक वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| ३ | खाद्य सामाग्रीको गुणस्तर परिक्षण | | |

घ.गैरखाद्य सामाग्री, आश्रयस्थल

पुर्व तयारीका सुचकहरु

| | | | |
|---|---|--|--|
| १ | प्रत्येक बडामा अस्थायी आश्रय स्थलको लागी ठाउँ पहिचान भएको | | |
| २ | अस्थायी आश्रय स्थलको लागी निर्माण सामाग्रीको बन्दोवस्त भएको | | |
| ३ | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |

प्रतिकार्यका सुचकहरु

| | | | |
|---|--|--|--|
| १ | प्रभावित परिवारलाई गैरखाद्य सामाग्री उपलब्ध गराएको विवरण | | |
| २ | प्रभावित परिवारलाई राहत सामाग्री उपलब्ध गराएको विवरण | | |
| ३ | प्रभावित परिवारलाई आश्रय स्थलमा राखेको विवरण | | |
| ४ | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |

झ.खानेपानी, सरसफाई क्षेत्र

पुर्व तयारीका सुचकहरु

| | | | |
|---|--|--|--|
| १ | आपतकालिन अवस्थामा खानेपानी र सरसफाई सामाग्री भण्डारण | | |
| २ | खानेपानीको आपूर्तिको व्यवस्थापन | | |
| ३ | सरसफाई स्वच्छता सम्बन्धि सुचना सामाग्री तयार गरि प्रसारण | | |
| ४ | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |

प्रतिकार्यका सुचकहरु

| | | | |
|---|---|--|--|
| १ | मापदण्ड अनुरूप खानेपानी उपलब्ध भएको परिवार संख्या | | |
| २ | प्रभावित समुदाय र आश्रयस्थलमा मापदण्ड अनुरूप सरसफाई प्रवर्न्य | | |
| ३ | आकस्मिक वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |

च.स्वास्थ्य र पोषण

पुर्व तयारीका सुचकहरु

| | | | |
|---|---|--|--|
| १ | प्रत्यक बडामा तालिम प्राप्त प्राथमिक उपचार गर्ने मानव संसधन | | |
| २ | स्वास्थ्य संस्थामा राखिएको औषधिहरुको बफर स्टक विवरण र अद्यावधिक | | |
| ३ | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |

प्रतिकार्यका सुचकहरु

| | | | |
|---|---|--|--|
| १ | प्राथमिक उपचार प्राप्त गरेको जनसंख्या | | |
| २ | पोषणयुक्त खानेकुरा प्राप्त गरेको जनसंख्या | | |

| | | | |
|-------------------------------------|--|--|--|
| ३ | आकस्मिक वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| छ. शिक्षा | | | |
| पुर्व तयारीका सुचकहरु | | | |
| १ | आपतकालिन शैक्षिक सामाग्री, अस्थायी सिकाइ केन्द्रको सामाग्रीको व्यवस्था | | |
| २ | विद्यालयहरुमा कृतिम अभ्यास तथा सिमुलेसन | | |
| ३ | आपतकालिन बैकल्पिक कक्षा संचालनको पुर्व तयारी | | |
| ४ | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| प्रतिकार्यका सुचकहरु | | | |
| १ | अस्थायी सिकाइ केन्द्रहरुको विवरण | | |
| २ | शैक्षिक सामाग्री वितरण र आपतकालिन बैकल्पिक कक्षा संचालन | | |
| ३ | विद्यालय सुरक्षा र शिक्षा क्षेत्रको पुनर्निर्माणको योजना | | |
| ४ | आकस्मिक वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| ज. संरक्षण र सामाजिक सुरक्षा | | | |
| पुर्व तयारीका सुचकहरु | | | |
| १ | आवस्यक सामाग्रीको भण्डारण | | |
| २ | विभिन्न समुह गठन र क्षमता अभिवृद्धि | | |
| ३ | मनोसामाजिक परामर्शदाताको सुची र क्षमता विकास | | |
| | क्लस्टरको वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| प्रतिकार्यका सुचकहरु | | | |
| १ | आवस्यक सामाग्री वितरणको विवरण | | |
| २ | सुरक्षा संयन्त्रको निर्माण र परिचालनको विवरण | | |
| | आकस्मिक वैठकको निर्णय पुस्तिका | | |
| झ. तत्कालिन पुर्नलाभ | | | |
| पुर्व तयारीका सुचकहरु | | | |
| १ | पहिचान गरिएका आश्रयस्थलमा सडक, खानेपानी लगायतका पुर्वाधार निर्माण भएको | | |
| २ | प्रत्यक वडामा आपतकालिन प्रयोजनकालागी हेलिप्याड निर्माण भएको | | |
| ३ | पुर्वाधारहरूलाई विपद जोखिमबाट सुरक्षित बनाइएको | | |
| प्रतिकार्यका सुचकहरु | | | |
| १ | विपदबाट क्षति भएका पुर्वाधारहरुको मर्मत भएको | | |

| | | | |
|---|--|--|--|
| २ | जिविकोपार्जन सहायता प्राप्त गरेका परिवारको विवरण | | |
| ३ | क्षेत्रगत पुर्नस्थापना र पुर्ननिर्माण योजना | | |
| ४ | पुर्नलाभ कार्यको प्रगति विवरण | | |

६.७ क्षमता विकास रणनीति र योजना :

यस विपद पूर्व तयारी र प्रतिकार्य योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनकालागी दक्ष स्रोत व्यक्ति तथा संस्थाहरूको सहयोगमा देहायका क्रियाकलाप सञ्चालन गरिने छ ।

| क्र.स. | क्षमता विकासका त्रियाकलाप | जिम्बेवारी | समय तालिका |
|--------|--|---|---|
| १ | विषयगत क्षेत्रहरूका जनशक्तिलाई उक्त क्षेत्रसँग सम्बन्धित आवश्यक अभिभुखिकरण, तालिम, अभ्यास गर्ने । | स्थानिय विपद तथा जलबायु उत्थानशिल समिति | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योना तर्जुमा पश्चात |
| २ | बडास्तरका विपद्व्यवस्थापन समितिलाई विपद्व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्रदान गर्ने । | विपद व्यवस्थापन शाखा | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योना तर्जुमा पश्चात |
| ३ | स्थानिय विपद्व्यवस्थापन कोषलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्ने । | स्थानिय विपद तथा जलबायु उत्थानशिल समिति | आगामी आ.व.को योजना तर्जुमा प्रक्रिया सुरुहुनु पुर्व |
| ४ | विपद्प्रभावित स्थानमा रहेका विद्यालयहरू र स्थानीय स्वयंसेवकहरूलाई विपद्प्रतिकार्य सम्बन्धी तालिम प्रदान गर्न विषयगत क्षेत्रको क्षमता विकास गर्ने । | स्थानिय विपद तथा जलबायु उत्थानशिल समिति | मनसुन सुरुहुनु अगावै तथा विपदको घटना घट्नु अगावै |
| ५ | बन्दोबस्तीका सामान तथा औजारहरू व्यवस्थापनका लागि विषयगत क्षेत्रहरूको क्षमता विकास गर्ने । | स्थानिय विपद तथा जलबायु उत्थानशिल समिति | मनसुन सुरुहुनु अगावै तथा विपदको घटना घट्नु अगावै |

६.८ विपद पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको नियमित समीक्षा तथा अद्यावधिक :

यस विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको समग्र समीक्षा र अद्यावधिक वार्षिक रूपमा जेठ मसान्त भित्र गरिने छ । त्यसैगरी कुनैपनि विपदका घटना को प्रतिकार्य गरिसके पछि पनि समीक्षा गरिने छ । हरेक विषयगत क्षेत्रले आ-आफ्नो क्षेत्रको विस्तृत समीक्षा गरी प्रत्येक वर्ष अद्यावधिक गर्ने छन् । यसका अतिरिक्त समीक्षा र अद्यावधिक को प्रक्रियामा संघ र प्रदेश सरकार वाट प्रदान गरिने निर्देशन र मार्गदर्शन लाइ पनि समावेश गरिने छ ।

अनुसूची १ : स्थानिय विपद व्यवस्थापन समिति

| क्र.सं. | पदाधिकारीको नाम थर | पद | सम्पर्क नं. | कैफियत |
|---------|---------------------|------------|-------------|-------------------------|
| १ | गणेश कुमार के.सी. | संयोजक | ९८२९८७८३६० | गा.पा. अध्यक्ष |
| २ | राजकुमारी रेउले | सदस्य | ९८६२७९३९०५ | गा.पा. उपाध्यक्ष |
| ३ | शेरमान खड्का | सदस्य | ९८५७८५५६०१ | वडा अध्यक्ष |
| ४ | मोतिराम पुन | सदस्य | ९७४८७३३५६४ | वडा अध्यक्ष |
| ५ | प्रेम वहादुर पुन | सदस्य | ९८१०९३२६८८ | स्वास्थ्य शाखा प्रमुख |
| ६ | गोपाल ओली | सदस्य | ९८६१९९५९४२ | |
| ७ | गणेश गिरी | सदस्य | ९८५७८४६२३१ | |
| ८ | खिमवहादुर ओली | सदस्य | ९८०९५६०९२३ | सब ओभरसियर |
| ९ | यज्ञ वहादुर भण्डारी | सदस्य सचिव | ९८०९९२५७६६ | प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत |

अनुसुची २ : प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फारम



नेपाल सरकार

विपद् प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फाराम(Initial Rapid Assment,IRA)

| १ स्थान र पहुँच सम्बन्धि सूचनाको जानकारी | | | |
|---|--|-------------------------------------|---|
| १.१ प्रदेशको नाम : | १.२ जिल्लाको नाम: | १.३ गाउँ/गाउँपालिकाको नाम : | |
| १.४ वार्ड नम्बर | १.५ मिति: | गते /महिना/साल: | |
| १.६ सूचना संकलन गर्ने व्यक्तिको विवरण : | | | |
| नाम : | पद /संस्था : | सम्पर्क नम्बर : | टोली नेताको नाम: |
| १ २ ३ | | | |
| १.७ अहिले जिल्ला सदरमुकामबाट प्रभावित वडा सम्म आवत जावतको अवस्था | <input type="checkbox"/> पहिलाको जस्तै सामान्य <input type="checkbox"/> कठिन (मुस्किल छ) <input type="checkbox"/> धेरै कठिन | १.८ प्रभावित वडासम्म पुग्ने साधन | <input type="checkbox"/> पैदल <input type="checkbox"/> गाडी <input type="checkbox"/> अन्य(उल्लेख गर्ने) |
| १.९ अहिले जिल्ला सदरमुकामबाट प्रभावित क्षेत्र सम्म पुग्ने साधनको आधारमा लाग्ने समय | <input type="checkbox"/> १ घण्टा भन्दा कम <input type="checkbox"/> १ देखि २ घण्टा <input type="checkbox"/> २ देखि ४ घण्टा <input type="checkbox"/> ४ देखि ८ घण्टा <input type="checkbox"/> १ दिन भन्दा बढि | | |

| | | | |
|--|--|--|--|
| | <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) | | |
|--|--|--|--|

| २. विपद् सम्बन्धि विवरण | | | |
|---|--|---|---|
| २.१ घटना घटेको मिति | | २.२ घटना घटेको समय | |
| २.३ विपद्को प्रकार | <input type="checkbox"/> बाढी <input type="checkbox"/> भूकम्प <input type="checkbox"/> खडेरी <input type="checkbox"/> पहिरो <input type="checkbox"/> महामारी <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) <input type="checkbox"/> आगलागी <input type="checkbox"/> शित लहर | | |
| २.४ विपद् पश्चातको अवस्था | | | |
| २.४.१ मृतक | २.४.२ बेपत्ता | २.४.३ घाइते | २.४.४ विस्थापित |
| <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन |
| अनुमानित संख्या: | अनुमानित संख्या: | अनुमानित संख्या: | अनुमानित संख्या: |
| २.५ प्रभावित क्षेत्रमा संचारको अवस्था कस्तो छ ? (मोबाइल, टेलिफोन) | | <input type="checkbox"/> ठिक छ <input type="checkbox"/> आंशिक ठिक छ <input type="checkbox"/> अवरुद्ध | |
| २.६ प्रभावित क्षेत्रमा विपद्को कारणले अन्य कुन कुन सेवाहरु अवरुद्ध भएका छन ? चिन्ह लगाउनुहोस । | | <input type="checkbox"/> विद्युत <input type="checkbox"/> बजार/पसल <input type="checkbox"/> विमानस्थल <input type="checkbox"/> विद्यालय <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य सेवा <input type="checkbox"/> खानेपानीको आपूर्ति <input type="checkbox"/> पुलहरु <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) <input type="checkbox"/> मुख्य सडक | |

३. प्रभावित व्यक्ति तथा सेवाहरु

| ३.१ प्रभावित क्षेत्रका मुख्य सेवा तथा कार्यालयहरु संचालनको अवस्था कस्तो छ ? | जम्मा संख्या | संचालनमा छ | आंसिक क्षति तथा संचालन | पूर्ण क्षति | थाहा छैन |
|--|--------------|---|------------------------|-------------|----------|
| ३.१.१ विद्यालय | | | | | |
| ३.१.२ प्रहरी कार्यालय | | | | | |
| ३.१.३ स्वास्थ्य केन्द्र | | | | | |
| ३.१.४ वडा कार्यालय | | | | | |
| ३.१.५ अन्य सरकारी कार्यालयहरु | | | | | |
| ३.१.६ सामुदायिक भवनहरु | | | | | |
| ३.१.७ रेडक्रसको कार्यालय | | | | | |
| ३.१.८ अन्य (उल्लेख गर्ने) | | | | | |
| ३.२ विपद्का कारणले कुन समुहका मानिसहरु बढि जोखिममा रहेका छन ? | | <input type="checkbox"/> गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाहरु (अनुमानित संख्या) <input type="checkbox"/> ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाहरु (अनुमानित संख्या) <input type="checkbox"/> अपाङ्गगता भएका व्यक्तिहरु (अनुमानित संख्या) <input type="checkbox"/> किशोरी तथा प्रजनन उमेरका महिलाहरु (अनुमानित संख्या) <input type="checkbox"/> ६० वर्ष भन्दा माथिका व्यक्तिहरु (अनुमानित संख्या) (संख्या उल्लेख गर्दा द्वितीय तथ्याङ्काई आधार मान्न सकिने छ) | | | |
| ३.३ प्रभावित क्षेत्रमा माथि उल्लेख नभएका समुहहरु छन भने उल्लेख गर्नुहोस । जस्तै: घरवार विहिन, एकल महिला तथा पुरुषहरु | | | | | |

४. खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता

| | |
|--|---|
| <p>४.१ पिउने पानीको श्रोतको अवस्था कस्तो छ ? (यदि क्षति भएको छैन भने ४.३ मा जाने)</p> | <input type="checkbox"/> पुर्ण क्षतिग्रस्त <input type="checkbox"/> आंसिक क्षति <input type="checkbox"/> क्षति भएको छैन |
| <p>४.२ पिउने पानीको बैकल्पिक श्रोतको अवस्था कस्तो छ ?</p> | <input type="checkbox"/> छ, सुरक्षित श्रोतको रूपमा प्रयोग भएको छ <input type="checkbox"/> छ, तर सुरक्षित छैन <input type="checkbox"/> छ, सुरक्षित /असुरक्षित थाहा छैन तर प्रयोग भएको छ <input type="checkbox"/> बैकल्पिक श्रोतको प्रयोग भएको छैन |
| <p>४.३ फोहोर मैला व्यवस्थापनको अवस्था कस्तो छ ?</p> | <input type="checkbox"/> व्यवस्थित छ <input type="checkbox"/> व्यवस्थित छैन |
| <p>४.४ शौचालयको व्यवस्था छ ?</p> | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |

५. अस्थाई आवास र अन्य अनिवार्य गैर-खाद्य सामग्रीहरु

| | |
|---|---|
| <p>५.१ के विपद्का कारण आवास सम्बन्धी कुनै समस्या भएको छ ? (यदि छैन भने ६.१ मा जानुहोस)</p> | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| <p>५.२ तत्कालको लागि कति घरपरिवारलाई अस्थाई आवासको आवश्यकता छ ?</p> | संख्या उल्लेख गर्ने |
| <p>५.३ अहिले विस्थापितहरु कहाँ बसेका छन् ?</p> | <input type="checkbox"/> विद्यालय <input type="checkbox"/> अन्य सार्वजनिक भवन <input type="checkbox"/> सडक छेउमा शिविर बनाएर <input type="checkbox"/> जंगल छेउमा शिविर बनाएर |

| | |
|---|---|
| | <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) |
| ५.४ विस्थापितहरुका लागि कति समयका लागि अस्थायी आवास आवश्यक छ ? | <input type="checkbox"/> १ हप्ता सम्म <input type="checkbox"/> १ देखी २ हप्ता सम्म <input type="checkbox"/> २ हप्ता देखी १ महिना सम्म <input type="checkbox"/> १ देखी ३ महिना सम्म <input type="checkbox"/> ३ महिना भन्दा बढी |
| ६. खाद्यान्त तथा बजार | |
| ६.१ प्रभावित क्षेत्रका वासिन्दाले सञ्चित गरेर राखेको खाद्यान्त क्षतिको अवस्था कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति <input type="checkbox"/> आंसिक क्षति <input type="checkbox"/> क्षति छैन |
| ६.२ प्रभावित क्षेत्रको बजार संचालनको अवस्था कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> पूर्ण संचालन <input type="checkbox"/> आंशिक संचालन <input type="checkbox"/> संचालन छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन |
| ६.३ कृषि तथा पशुबालीको क्षतिको अवस्था कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति <input type="checkbox"/> आंसिक क्षति <input type="checkbox"/> क्षति छैन |
| ६.४ कुन कृषि तथा पशुबालीको क्षति भएको छ ? | <input type="checkbox"/> पशुपालन <input type="checkbox"/> बालीनाली <input type="checkbox"/> माछापालन <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्नुहोस्) |
| ७. स्वास्थ्य तथा पोषण | |
| ७.१ प्रभावित क्षेत्रमा विपद् पश्चात स्वास्थ्य सम्बन्धी कुनै समस्याहरु उत्पन्न भएका छन् ? (यदि छैन भने ७.३ मा जानुहोस् ।) | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> थाहा छैन |
| ७.२ यदि छ भने कस्ता खालका समस्याहरु देखा परेका छन् ? | <input type="checkbox"/> घाइते <input type="checkbox"/> सरुवा रोग <input type="checkbox"/> प्रजनन स्वास्थ्य समस्या |

| | |
|--|---|
| | <input type="checkbox"/> अपर्याप्त औषधि आपुर्ति <input type="checkbox"/> अपर्याप्त स्थास्थ्य जनशक्ति <input type="checkbox"/> अन्य -उल्लेख गर्ने) |
| ७.३ प्रभावित क्षेत्रका मानिसहरुले स्वास्थ्य सेवा पाईरहेका छन् ? | <input type="checkbox"/> छन् <input type="checkbox"/> छैनन् <input type="checkbox"/> आंशिक, केहीलाई मात्र स्वास्थ्य सेवाको पहुँच भएको |
| ७.४ प्रभावित क्षेत्रमा अति कुपोषण भएका ५ वर्ष मुनिका बालबालिका छन् ? | <input type="checkbox"/> छन् <input type="checkbox"/> छैनन् छन् भने कर्ति जना छन् अनुमानित संख्या उल्लेख गर्नुहोस |

| शिक्षा | | | | | |
|---------------|------------|--------|-------------------|--------|------------------|
| क्षतिको विवरण | विद्यालय | कलेज | सौचालय | पुस्तक | शैक्षिक सामाग्री |
| पूर्ण क्षति | | | | | |
| आंसिक क्षति | | | | | |
| हताहत संख्या | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय कर्मचारी | | |
| | | | | | |

| ८. संरक्षण | | |
|---|------------------------------|--------------------------------|
| ८.१ प्रभावित क्षेत्रमा बालबालिकाहरु हराइरहेका वा परिवारसंग छुटेका छन् ? | <input type="checkbox"/> छन् | <input type="checkbox"/> छैनन् |

| | |
|---|--|
| <p>८. २ प्रभावित क्षेत्रमा कुनै लैगिक हिंसा भएको बारेमा जानकारी छ ?</p> | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| <p>८. ३ प्रभावित क्षेत्रका मानिसहरुमा डर तथा चासोका विषयहरु के के छन् ?</p> | <input type="checkbox"/> बत्तिको अभाव <input type="checkbox"/> गोपनियताको अभाव <input type="checkbox"/> मानव बेचविखन <input type="checkbox"/> लैङ्गिक हिंसा बढ्नु <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) |

| ९. विपद् पश्चात्को मौसमको अवस्था | | | |
|-------------------------------------|---|--|--|
| ९.१ मौसमको वर्तमान अवस्था कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> मौसम सामान्य छ | <input type="checkbox"/> हिमपात | |
| | <input type="checkbox"/> भारी वर्षा | <input type="checkbox"/> हावाहुरी | |
| | <input type="checkbox"/> अत्याधिक चिसो | <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) | |
| | <input type="checkbox"/> अत्याधिक गर्मी | | |

| १०. उपलब्ध श्रोत साधन, समस्याको सामना गर्ने रणनीतिहरु र आवश्यक सहयोग | | | |
|--|---|--------------|--|
| क्षेत्र | अतिरिक्त सहयोगको आवश्यकता | आवश्यक सहयोग | |
| १०.१ खोज तथा उद्धार | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | | |
| १०.२ आक्रिमिक स्वास्थ्य सेवा | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | | |
| १०.३ खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | | |

| | | |
|---|---|---|
| १०.४ आवास तथा गैर खाद्य सामग्रीहरु | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | |
| १०.५ संरक्षण | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | |
| १०.६ खाद्यान्न | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | |
| १०.७ शिक्षा | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | |
| १०.८ संचार | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन | |
| १०.९० प्रभावित वडामा तत्काल आवश्यक सहयोग सम्बन्धमा लेखाजोखा टोलीको बुझाई कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> स्थानीय क्षेत्रमा उपलब्ध श्रोतवाट आवश्यकता पुर्ति गर्न सकिने <input type="checkbox"/> केहि मात्रामा सहयोगको आवश्यकता रहेको <input type="checkbox"/> सहयोगको अति आवश्यकता रहेको | |
| १०.९१ तत्काल सहयोगका लागि सबैभन्दा उच्च प्राथमिकतामा के परेको छ ? प्राथमिकता निर्धारण गर्दा नम्बरमा उल्लेख गर्नुहोस । | <input type="checkbox"/> खोज तथा उद्धार <input type="checkbox"/> आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा <input type="checkbox"/> खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता <input type="checkbox"/> आवास तथा गैर खाद्य | <input type="checkbox"/> खाद्यान्न <input type="checkbox"/> शिक्षा <input type="checkbox"/> संचार <input type="checkbox"/> संरक्षण |
| | <input type="checkbox"/> अन्य (उल्लेख गर्ने) | |
| केही थप टिप्पणी भएमा उल्लेख गर्ने: | | |

हस्ताक्षर: :

फारम भर्दा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरुः

१. एउटा वडाको लागि एउटा लेखाजोखा फारमको प्रयोग गरिने छ ।
२. विपद् भएको ० देखि २४ घण्टा भित्र गाउँ तथा नगरपालीकाको कर्मचारी, नेपाल प्रहरी तथा स्थानीय रेडक्रस प्रतिनिधिको संलग्नतामा फारम भरिने छ ।
३. लेखाजोखा टोलीबाट विभिन्न सुचनादाताहरुसंगको अन्तरवार्ता तथा प्रभावित क्षेत्रको अवलोकन गरी फारम भरिने छ ।
४. यदि अस्पष्ट सुचनाहरु प्राप्त भएको खण्डमा लेखाजोखा टोलीबाट उपयुक्त विचारका आधारमा फारम भरिने छ ।
५. आवश्यक सेवाहरुको लेखाजोखा गर्न प्रभावित संख्या अनुमान गरिने छ ।
६. तल दिइएका विकल्पहरु नभएमा अन्यमा उल्लेख गरिने छ ।

अनुसुची ३ : बहु-क्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फाराम



बहु-क्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फाराम,
बहु प्रकोप प्रभावित समुदायको लागि

(Multi-Cluster Initial Rapid Assessment (MIRA)- Nepal)

(यो लेखाजोखा फाराम जिल्ला दैवी प्रकोप उद्धार समितिसँग निकट समन्वयमा रही प्रयोग गर्नुपर्नेछ । प्रश्न १ देखि ४ सम्म जिल्ला सदरमुकाममा जिल्ला दैवी प्रकोप उद्धार समितिसँग तथा अन्य सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय गरी भर्नु पर्दछ । यी सूचनाहरू जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनामा समावेश गरिनेछ । प्रभावित समुदाय वा गाउँ विकास समितिहरू वा जिल्लाहरूको सूचना संकलन र विश्लेषण गर्न यो फाराम प्रयोग गर्न सबै साझेदारहरूलाई अनुरोध गरिन्छ ।)

| १. लेखाजोखा गर्ने समूहको विवरण | | |
|---|-----------------------|------|
| १.१ संलग्न संस्थाहरु/संलग्न टोलीका सदस्यहरु : | १.२ निरीक्षण अवधि | |
| | देखि | सम्म |
| १.३ टोली प्रमुखको नाम | १.४ सम्पर्क विवरणहरु: | |
| | टेलिफोन : | |
| | ई.मेल : | |

| २. भौगोलिक विवरण (यी आधारभूत सूचनाहरू जिल्ला दैवी प्रकोप उद्धार समिति / जिल्लाका अन्य सरोकारवाला निकायहरू सँगको परामर्शमा भर्नुपर्ने । अति प्रभावित वडामा फोकस युप छलफलको लागि गोला प्रथा द्वारा गर्ने । एउटा प्रश्न पत्र एउटा वडा वा एक प्रभावित क्षेत्रको लागि प्रयोग गर्ने) | |
|--|--|
|--|--|

| | | | |
|---|--|-----------------------------------|--------------|
| २.१ जिल्लाको नाम: | २.२ लेखाजोखा गरिने गाविस / नपाको नाम: | | |
| २.३ वडा नं: | २.४ प्रभावित क्षेत्रको नाम: GPS वा P-कोड: | | |
| २.५ वडाको उचाई (समुद्र सतहदेखि): | २.६ वडाको अक्षांश (Latitude) | २.७ वडाको देशान्तर (Longitude) | |
| २.८ जिल्लाका प्रमुख प्रकोप/विपद् (ठीक चिन्ह लगाउने) वडाको | | | |
| २.९.१ वाढी | २.९.२ महामारी | २.९.३ खडेरी | २.९.४ भूकम्प |
| २.९.५ पहिरो | २.९.६ आगलागी | २.९.७ चट्याङ्ग | २.९.८ अन्य |

२.९ जिल्लाको नक्सा प्रयोग गरी विपद्बाट प्रभावित गाविस तथा समुदायको अवस्था निम्न आधारमा वर्गीकरण गर्ने

२.९.१. अति प्रभावित गाविस/नपा (ज्यादै ठूलो प्रभाव):

२.९.२. बढी प्रभावित गाविस/नपा (बढी प्रभाव):

२.९.३. सामान्य प्रभावित गाविस/नपा (मध्य प्रभाव):

२.९.४. कम प्रभावित गाविस/नपा (कम प्रभाव):

२.९.५. प्रभावित नभएको गाविस/नपा (प्रभाव नपरेको):

२.१० सोही नक्सामा सडक यातायातको पहुँच नभएको प्रभावित गाविस/वडा इँगित गर्ने

२.११ सोही नक्सामा आन्तरिक रूपमा विस्थापित परिवारको अस्थायी स्थान इँगित गर्ने :

२.१२ सोही नक्सामा यातायातको महत्वपूर्ण पूर्वाधारहरु (बाटो, पुल, विमानस्थल जस्ता भौतिक संरचना) क्षति भएको नभएको इँगित गर्ने

२.१३ सोही नक्सामा संभावित सुरक्षा चुनौतीहरु (डकैति, अन्य समूह,आदि) को विषय इँगित गर्ने

२.१४ जिल्ला सदरमुकाम वा राष्ट्रिय लोकमार्गबाट सबैभन्दा बढी प्रभावित गाविस/वड को दूरी (पैदल:घण्टा/यातायत:घण्टा)

३. जिल्ला तहमा विचार पुर्याउनुपर्ने तथ्यांकहरु ((जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालयबाट सूचनाहरु संकलन गर्नुपर्ने)

३.१ जिल्लामा सञ्चालनमा रहेका स्वास्थ्य सेवाको अवस्था

| स्वास्थ्य सुविधाका किसिम | भवनहरु | | पर्याप्त जनशक्ति(दरबन्दी) | | पहुँच | |
|------------------------------|---------------|---------------------|---------------------------|-----|-------|-----|
| | जम्मा सड्ख्या | जम्मा क्षति सड्ख्या | छ. | छैन | छ. | छैन |
| ३.१.१ स्वास्थ्य चौकी | | | | | | |
| ३.१.२ उपस्वास्थ्य चौकी | | | | | | |
| ३.१.३ प्राथमिक उपचार केन्द्र | | | | | | |
| ३.१.४ अस्पताल | | | | | | |
| ३.१.५ गाउँघर क्लिनिक | | | | | | |

४. जनसड्ख्या विवरण (लेखाजोखाको क्रममा वडातहबाट संकलित सूचना)

| | |
|--------------------------------------|--|
| ४.१ वडाको जम्मा जनसड्ख्या | |
| ४.२ समान्यतया जम्मा प्रभावित सड्ख्या | |

| | | | | | |
|---|-------|-------|-------|------|--------|
| ४.३ विपद्का कारणले बास नभएका जम्मा घरधुरी सङ्ख्या | | | | | |
| ४.४ महिला घरमूली हुने घरधुरी सङ्ख्या | | | | | |
| ४.५ सुत्केरी / दुध खुवाउदै गरेका महिलाहरुको सङ्ख्या | | | | | |
| ४.६ अति प्रभावित जनसङ्ख्या | महिला | पुरुष | जम्मा | बालक | बालिका |
| ४.६.१ विपद्का कारण मृत्यु हुनेहरुको सङ्ख्या | | | | | |
| ४.६.२ विपद्का कारण घाइते हुनेहरुकोसङ्ख्या | | | | | |
| ४.६.३ विपद्का कारण बेपत्ता हुनेहरुको सङ्ख्या | | | | | |
| ४.७ प्रभावित समूह वा संकटापन्न समूह | महिला | पुरुष | जम्मा | | |
| ४.७.१ ६० वर्ष भन्दा माथिका वृद्धवृद्धा | | | | | |
| ४.७.२ ६० वर्ष भन्दा माथिका एकल वृद्धवृद्धा | | | | | |
| ४.७.३ १८ वर्ष भन्दा मुनिका किशोर किशोरी | | | | | |
| ४.७.४ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु | | | | | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | | | | |

नोट: प्रश्न नं ५ देखि १५ सम्म Cluster संग सम्बन्धित सूचना लक्षित समूह छलफल र समुदायको मुख्य सरोकारवाला व्यक्तिहरुको अन्तर्वार्ताबाट भर्न सकिन्छ।

| ५. आवास तथा गैङ्गेय समग्रीहरु | |
|--|--|
| ५.१ वडा तहमा लेखाजोखा गरिएको जम्मा घरधुरी संख्या | |
| ५.२ घरहरु कुन अवस्थामा क्षति भएका छन् (घरधुरी सङ्ख्या)? | |
| ५.२.१ पूर्ण रूपमा क्षति भएको घर जम्मा सङ्ख्या (जहाँ बसोवास योग्य छैन्) | |
| ५.२.२ आशिक रूपमा क्षति भएका जम्मा घर सङ्ख्या (तत्काल वस्तका लागि सुरक्षित नभएको) | |
| ५.२.३ सामान्य क्षति भएको जम्मा घर सङ्ख्या (सामान्य मर्मतसंभार आवश्यक पर्ने) | |
| ५.३ के सामुदायिक आश्रयस्थलमा सरसफाई तथा पानीको व्यवस्था उपलब्ध छन् ? | |
| ५.३.१ <input type="checkbox"/> छ, ५.३.२ <input type="checkbox"/> छैन | |

| | |
|---|--------------------------------|
| ५.४यदि छ, भने प्रभावित वडा अथवा वडाको वरिपरि कति क्षमताका सामुदायिक भवनमा प्रभावितहरूलाई राख्न सक्ने गरी उपलब्ध छन् ?(आश्रयस्थलको लागि) | कति सङ्ख्यामा आश्रय दिन सकिन्छ |
| ५.४.१ समुदायिक भवन (कति सङ्ख्यामा आश्रय दिन सकिन्छ) | |
| ५.४.२ अन्य परिवार Host Family (कति सङ्ख्यामा आश्रय दिन सकिन्छ) | |
| ५.४.३ अन्य (कति सङ्ख्यामा आश्रय दिन सकिन्छ) | |

५.५ प्रभावित समुदायको लागि तत्कालै आवश्यक गैरखाद्य सामग्रीहरु (वडा स्तरीय अनुमानित सङ्ख्या)

| विवरण | अनुमानित सङ्ख्या |
|--|---|
| ५.५.१ तारपोलिन(त्रिपाल) | |
| ५.५.२ बल्यांकेट/ कम्बल | |
| ५.५.३ खाना पकाउने भाडाकुँडा | |
| ५.५.४ लुगाफाटा/ओछ्याउने कूरा | |
| ५.५.५ गैहखाद्य राहत सामग्री किट | |
| ५.५.६ आपतकालीन आवासका लागि सामग्रीहरुको किट | |
| ५.५.७ अन्य (खुलाउनुस) | |
| ५.६ आश्रयस्थलको लागि आवश्यक स्थानीय श्रोत साधनहरु | |
| ५.६.१ बाँस | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| ५.६.२ काठ | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| ५.६.३ फलाम वा डण्डी वा RCC Piller | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| ५.६.४ अन्य (खुलाउनुस) | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| यदि अन्य थप केही भएमा | |

६. घरेलु खाद्य सुरक्षा

| | |
|--|------------------------------|
| ६.१ कर्ति प्रतिशत घरधूरीले कर्ति प्रतिशत आफ्नो खाद्यान्त भण्डारण नोकसान भएको छ ? (उदाहरण ४० प्रतिशत घरधूरीले १०० प्रतिशत) | |
| खाद्यान्त भण्डार नोकसान प्रतिशत | छलफल गरिएका घरधूरीको प्रतिशत |
| ६.१.१ २० प्रतिशत खाद्यान्त भण्डार नोकसान | |
| ६.१.२ ५० प्रतिशत खाद्यान्त भण्डार नोकसान | |
| ६.१.३ ७५ प्रतिशत खाद्यान्त भण्डार नोकसान | |
| ६.१.४ १०० प्रतिशत खाद्यान्त भण्डार नोकसान | |
| ६.२ के खाना पकाउनको लागि समुदायसंग ईन्धन छ ? | |

| | |
|---|--|
| ६.२.१ छ <input type="checkbox"/> यदि छ भने कस्ता प्रकारका इन्वेन प्रयोग भएका छन् ? | |
| ६.२.१.१ दाउरा <input type="checkbox"/> | ६.२.२ छैन <input type="checkbox"/> |
| ६.२.१.२ कोइला (Charcoal) <input type="checkbox"/> | |
| ६.२.१.३ मट्टितेल <input type="checkbox"/> | |
| ६.२.१.४ र्यास <input type="checkbox"/> | |
| ६.२.१.५ बायो र्यास <input type="checkbox"/> | |
| ६.२.१.६ अन्य <input type="checkbox"/> | |
| ६.३ खाद्य सुरक्षाको दृष्टिकोणले कुन समूह बढी संकटापन्न अवस्थामा छन् ? | ६.३.१ बालबालिका <input type="checkbox"/> ६.३.२ जेष्ठ नागरिक घरमूलि भएका घरधूरी <input type="checkbox"/> ६.३.३ महिला घरमूलि भएका घरधूरी <input type="checkbox"/> ६.३.४ अपाङ्गता भएका घरधूरी <input type="checkbox"/> ६.३.५ अन्य -खुलाउनुस) <input type="checkbox"/> |
| ६.४ के बजारसम्म पुग्न सकिन्द्र र बजार खुलेका छन् ? | |
| ६.४.१ छ <input type="checkbox"/> ६.४.२ छैन <input type="checkbox"/> | |
| यदि छन् भने कति टाढाका बजार सुचारू छन् ? / यदि छैन भने कारण उल्लेख गर्नुहोस ? | |
| ६.५ कति घरपालुवा जनावरहरु क्षति भएका छन् ? | छलफल गरिएका घरधूरीको प्रतिशत |
| ६.५.१ पशु-गाई <input type="checkbox"/> गोरु <input type="checkbox"/> भैंसी <input type="checkbox"/> | |
| ६.५.२ बाखा/भेंडा | |
| ६.५.३ बंगूर | |
| ६.५.४ पंक्षि -हाँस <input type="checkbox"/> कुखूरा <input type="checkbox"/> | |
| ६.५.५ अन्य <input)"="" type="checkbox"/> | |
| ६.६ घरपालुवा जनावरहरुको लागि आश्रयस्थलको व्यवस्था | |
| ६.६.१ छ <input type="checkbox"/> ६.६.२ छैन <input type="checkbox"/> | |
| ६.७ माहामारी फैलने सम्भावना (घरपालुवा जनावरहरुवाट) कस्तो छ ? | |
| ६.७.१ छ <input type="checkbox"/> ६.७.२ छैन <input type="checkbox"/> | |

यदि अन्य थप केही भएमा

७. पानी तथा सरसफाई

७.१ पानीको आपूर्ति व्यवस्था

| | | | |
|---|---|------------------------------|--------------------------|
| ७.१.१ कति प्रतिशत प्रभावित जनसङ्ख्याले शुद्ध पिउने पानीमा पहुँच छ ? पानीको उपलब्धता (दैनिक १५ लिटर /प्रतिव्यक्ति/प्रति दिन) | प्रतिशत | | |
| ७.१.२ पिउने पानीको प्राथमिक स्रोत | चालु अवस्थामा | | प्रतिशत |
| | छ | छैन | |
| ७.१.२.१ खुल्ला कुवा | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.२ टयुवेल/हाते पम्प | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.३ भरना | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.३ खोला | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.४ पोखरी | , | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.५ खोला/नदी | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.६ पानीट्याइकीबाट वितरण | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.७ पाइप खानेपानी प्रणाली | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.२.८ अन्य | | | <input type="checkbox"/> |
| ७.१.३ पानीको श्रोतको अवस्था | | | |
| ७.१.३.१ चालु <input type="checkbox"/> | ७.१.३.२ बिग्रिएको (सर्वतसम्भार गरेर प्रयोग गर्न सकिने) <input type="checkbox"/> | | |
| ७.१.३.३ प्रदूषित भएको <input type="checkbox"/> | ७.१.३.४ पूर्ण क्षति भएको <input type="checkbox"/> | | |
| ७.१.३.५ धमिलो पानी <input type="checkbox"/> | | | |
| ७.१.४ पानीको वैकल्पिक व्यवस्था छ ? | छ <input type="checkbox"/> | छैन <input type="checkbox"/> | |
| | यदि छ भने | | |
| ७.१.४.१.१ प्रभावित समुदाय देखि कति दूरीमा छ | | | |
| ७.१.४.१.२ स्रोत, ठाउँ र पानी गुणस्तरको सफापन वा धमिलोपनको अवस्था | | | |
| ७.१.४.१.३ न्यूनतम शुद्ध पानी वितरणका लागि अन्य आवश्यक पर्ने सुविधाहरू (भौतिक सामग्रीहरू) | | | |

७.१.४ प्रभावित परिवारसँग खानेपानी भण्डारणको लागि प्रयोग गर्न घरपरिवारमा विर्को भएको भाँडो उपलब्ध छ कि छैन ?

७.१.५.१ छ

७.१.५.२ छैन

७.२ सरसफाइसम्बन्धी सुविधा

७.२.१ कति प्रतिशत प्रभावित समुदायको सरसफाई सेवामा उपयोगी पहुँच छ (जस्तै शौचालय)?.....% प्रतिशत

पृष्ठि गर्ने स्रोतहरू: स्थानीय निकाय र सेवादाताहरूसँग अन्तर्वार्ता आदि। संभव भएमा समुदायबाट पृष्ठि गर्ने र अवलोकन पनि गर्ने।

७.२.१ कति परिवारको लागि सरसफाइका सामग्रीहरू (साबुन, रुमाल वा तौलिया, न्यापकिन आदि) को आवश्यकता छ ?परिवार सङ्ख्या

यदि अन्य थप केही भएमा

८. संरक्षण

८.१ विस्थापित समुदायको अनुमानित सङ्ख्या ?

८.२ विस्थापित समुदायहरू बढि भएको (स्थान)

८.३ अभिभावक विहिन विस्थापित बालबालिकाको सङ्ख्या ?

बालक: बालिका:

८.४ प्रभावित स्थलमा परिवारको दर्ता प्रक्रिया छ ?

८.४.३ यदि छ भने कसले सहयोग गर्दै छ ?

८.४.१ छ ८.४.२ छैन

८.५ हालको अवस्थामा (विपद् पश्चात) संकटापन्न समूहको मुख्य सरोकारको विषयहरू के के हुन ?

| बढी संकटापन्न समूह | आश्रय स्थलमा सुरक्षा | खाना/पानी | स्वास्थ्य /शिक्षा | शारीरिक सुरक्षा/हिंसा रहित SGBN | मानसिक सहयोग | बाल श्रम/ वैचारिक्षण | अन्य SGBN |
|---|----------------------|-----------|-------------------|---------------------------------|--------------|----------------------|-----------|
| ८.५.१ ५ वर्ष मुनिका बालबालिका | | | | | | | |
| ८.५.२ ६ देखि १८ वर्ष उमेर समूहका | | | | | | | |
| ८.५.३ किशोर किशोरीहरू (१९ देखि २४ वर्ष) | | | | | | | |
| ८.५.४ वृद्धवृद्धाहरू (६० वर्ष भन्दा माथिका) | | | | | | | |
| ८.५.५ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू | | | | | | | |
| ८.५.६ गर्भवती/दुध चुसाउदै गरेका महिला | | | | | | | |
| ८.५.७ अन्य संकटापन्न समूह | | | | | | | |

| | |
|--|--|
| ८.६ माथिका संरक्षणका सवालहरुमा सहयोगी निकायहरुको नाम | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | |

| | | | |
|--|----------|--------|-------------|
| ९. पोईं (यदि संभव भए महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवक वा स्थानीय स्वास्थ्य कर्मचारीलाई सोध्ने) | | | |
| ९.१ प्रभावित वडामा रहेका गर्भवती र दुध चुसाउँदै गरेका आमाहरुको सङ्ख्या ? (माथिबाट लिन सकिन्छ) | | | |
| एक वैमुनिका बालबालिकालाई कुन खाना खुवाउने गरिएको छ? (वेरैजसो खुवाउने खाना पहिला उल्लेख गर्ने) | | | |
| ९.२ प्रभावित वडामा तालिम प्राप्त पोषणका परामर्शादाताको सङ्ख्या ? | | | |
| ९.३ प्रभावित वडामा कुपोषण भएका बालबालिकाहरुको सङ्ख्या ? | | | |
| ९.४ समुदाय स्तरमा पर्याप्तमात्रामा व्यवस्थापन क्षमता छ? छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | | | |
| ९.५ भर्खर जन्मेका र ५ वर्ष मुनीका बच्चाहरुलाई कस्तो प्रकारको र कति मात्रामा खाना खुवाउने गरिएको छ? | | | |
| उमेर | विपद अघि | | विपद पश्चात |
| | प्रकार | मात्रा | प्रकार |
| ६ देखि ११ महिना | | | |
| १२ देखि ५९ महिना | | | |
| ९.६ समुदायमा हाल आमाको दूध खुवाउन कम भएको अथवा रोकिएको अवस्था छ? छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | | | |
| ९.६.३ यदि छ भने कारण खुलाउनुहोस्: | | | |
| ९.७ आमाका दूध नभएको अवस्थामा के कस्तो खाना खुवाउने गरिएको छ? | | | |
| ९.७.१ ६ महिना भन्दा कमका बालबालिकाहरुलाई | | | |
| ९.७.१ ६ देखि २४ महिना भन्दा कमका बालबालिकाहरुलाई | | | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | | |

| | | | |
|---|--|--|--|
| १०. स्वास्थ्य (स्वास्थ्य केन्द्रहरु तथा स्थानीय सुमदायसँग सोध्ने) | | | |
| १०.१ स्वास्थ्यसम्बन्धी प्रमुख समस्या | | | |
| १०.१.१ भाडा पखाला | | | |
| १०.१.२ आँखाको संक्रमण | | | |
| १०.१.३ बान्ता | | | |

| १०.१.४ जल विनियोजन | | | | | | | | | | |
|---|--|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|
| १०.१.५ सर्पको टोकार्ड | | | | | | | | | | |
| १०.१.६ ज्वरो | | | | | | | | | | |
| १०.१.७ कफ खोकी र ज्वरो (ARI) | | | | | | | | | | |
| १०.१.८ छालाको सङ्कमण | | | | | | | | | | |
| १०.१.९ चोटपटक | | | | | | | | | | |
| १०.१.१० वच्चा पाउँदा आमा वा वच्चाको मुत्यु | | | | | | | | | | |
| १०.१.११ मानसिक विरामी | | | | | | | | | | |
| १०.१.१२ सरुवा रोग (खुलाउनुस) | | | | | | | | | | |
| १०.१.१३ नसर्ने रोग (खुलाउनुस) | | | | | | | | | | |
| १०.१.१४ अन्य केहि | | | | | | | | | | |
| १०.२ औद्योगिक तथा औद्योगिजन्य सामग्रीको उपलब्धता | | | | | | | | | | |
| १०.२.१ औषधि <input type="checkbox"/> पर्याप्त <input type="checkbox"/> अपर्याप्त | १०.२.२ इक्युपमेण्ट तथा सामग्रीहरु (स्ट्रेचर सहित): <input type="checkbox"/> पर्याप्त <input type="checkbox"/> अपर्याप्त | | | | | | | | | |
| आवश्यकता खुलाउनुहोस् | आवश्यकता खुलाउनुहोस् | | | | | | | | | |
| १०.३ सञ्चालनमा रहेका नजिकैका स्वास्थ्य सुविधाहरू | | | | | | | | | | |
| स्वास्थ्य सुविधाका प्रकार | क्षतिग्रस्त | | पर्याप्त कर्मचारी | | पहुँच | | विद्युत आपूर्ति | | खानेपानी आपूर्ति | |
| | छन् | छैनन् | छन् | छैनन् | छन् | छैनन् | छन् | छैनन् | छन् | छैनन् |
| १०.३.१ उपस्वास्थ्य / स्वास्थ्य चौकी | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> |
| १०.३.२ प्राथमिक स्वास्थ्य संस्था | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> |
| १०.३.३ अस्पताल | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> |
| १०.३.४ निजी क्लिनिक | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> | <input type="checkbox"/> |
| १०.४ उक्त स्वास्थ्य संस्थाहरुमा कसले सेवा प्रदान गर्दैछ ? | | | | | | | | | | |
| नर्स <input type="checkbox"/> डाक्टर <input type="checkbox"/> माहिला स्वास्थ्य स्वयम सेविका <input type="checkbox"/> पारा मेडिकल <input type="checkbox"/> | | | | | | | | | | |
| १०.४.५ अरु (खुलाउने) | | | | | | | | | | |

१०.५ उक्त स्थानमा कुनै माहामारी वा भिन्नै प्रकारको रोग फैलिएको सूचना वा हल्ला छ ?

१०.५.१ छ (खुलाउने)

१०.५.२ छैन

१०.६ उक्त स्थानमा कुनै कुनै संक्रमण नहुने तत्वहरूको सूचना आएको छ ? (जैविक, रासायनिक, आणविक, विकिरण, विषाक्त वा टोकिसन)

छ (खुलाउने)

छैन

यदि अन्य थप केही भएमा

११. शिक्षा

१२.१ समुदायमा कक्षा सञ्चालन भईरहेका र विद्यार्थीहरु सहभागी भईरहेको छन् कि छैनन् ? छ छैन

१२.२ समुदायमा विद्यालयको अवस्था कस्तो रहेको छ ?

- पूर्णतः क्षतिग्रस्त, वर्तमान अवस्थाम प्रयोग गर्ने नसकिने
- आंशिक रूपमा क्षति, प्रयोग गर्न नसकिने
- आंशिक रूपमा क्षति, केही मर्मत पश्चात प्रयोग गर्न सकिने
- पानीले घेरिएको र केही मर्मत पछि प्रयोग गर्न सकिने
- प्रभावित नभएको ।

११.१ बडास्तरमा क्षति भएका विद्यालयहरु

११.२ क्षति भएका खानेपानी तथा सरसफाई सुविधाहरूको संख्या

| तह | सङ्ख्या | ११.२.१ खानेपानी | ११.२.२ शौचालय |
|--------------------------------|---------|-----------------|---------------|
| ११.१.१ बाल विकास केन्द्र (ECD) | | | |
| ११.१.२ १ देखि ८ कक्षा सम्म | | | |
| ११.१.३ ९ देखि १२ कक्षा सम्म | | | |
| ११.१.३ उच्च शिक्षा | | | |

११.४ प्रभावित विद्यार्थी र शिक्षकको संख्या (लिङ्गको आधारमा)?

| तह | विद्यार्थी | | शिक्षक | |
|--------------------------------|------------|--------|--------|-------|
| | छात्र | छात्रा | पुरुष | महिला |
| ११.३.१ बाल विकास केन्द्र (ECD) | | | | |
| ११.३.२ १ देखि ८ कक्षा सम्म | | | | |

| | | | | |
|--|--|--|--|--------|
| ११.३.३ ९ देखि १२ कक्षा सम्म | | | | |
| ११.३.३ उच्च शिक्षा | | | | |
| ११.४ समुदायमा प्रभावित विद्यालयहरुको अवस्था ? | | | | संख्या |
| ११.४.१ पूर्ण क्षति भएका विद्यालयहरुको संख्या (प्रयोगमा आउन नसक्ने) | | | | |
| ११.४.२ आशिक क्षति भएका विद्यालयहरुको संख्या (तत्कालै प्रयोग गर्न असुरक्षित) | | | | |
| ११.४.३ सामान्य क्षति भएका विद्यालयहरुको संख्या (सामान्य मर्मत पछि प्रयोगमा गर्न सुरक्षित) | | | | |
| ११.४.४ डुवान भएका विद्यालयहरुको संख्या जुन केही समय पश्चात प्रयोगमा आउन सक्छ | | | | |
| ११.५ विद्यालय आश्रयस्थलको रूपमा प्रयोग भएका छन् ? छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | | | | |
| ११.५.१.१ यदि छन भने कति वटा विद्यालयहरु आश्रयस्थलको रूपमा प्रयोग भएको होला ? | | | | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | | | |

| १२. आपतकालीन सञ्चार | | |
|--|---|--------|
| १२.१ प्रभावित समुदायमा सुरक्षाका लागि कस्ता संचारका माध्यमहरु संचालन अवस्थामा छन् ? | | |
| संचारका माध्यमहरु | सेवाको अवस्था | कैफियत |
| १२.१.१ रेडियो रुम सेवा २४X७ | छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | |
| १२.१.२ टेलिफोन | छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | |
| १२.१.३HF/VHF Radio/HAM Radio | छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | |
| १२.१.४स्याटलाइट फोन | छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | |
| १२.१.५ ईन्टरनेट | छ <input type="checkbox"/> छैन <input type="checkbox"/> | |
| १२.२ प्रभावित समुदायहरुले प्रयोग गर्ने कस्ता संचारका माध्यमहरु संचालन अवस्थामा छन् ? | | |
| संचारका माध्यमहरु | सेवाको अवस्था | कैफियत |
| १२.२.१ रेडियो/एफ एम | | |
| १२.२.२ टेलिभिजन | | |
| १२.२.३ मोबाइल फोन | | |
| १२.२.४ टेलिफोन | | |

| | | |
|-----------------------|--|--|
| १२.२.५ कटवाल | | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | |

| १३. बन्दोबस्ती (Logistic) | | | | | |
|--|---|---|---|--------------------------------------|--------|
| १३.१ के सम्पूर्ण प्रभावित क्षेत्रहरु मानवीय सहयोगको क्षेत्रमा काम गर्ने संघसंस्थाहरुको पहुँचमा छन्? | | | | | |
| १३.१.१ छन् <input type="checkbox"/> १३.१.२ थाहा छैन <input type="checkbox"/> १३.१.३ केही छन् <input type="checkbox"/> १३.१.४ पूरा छन् <input type="checkbox"/> यदि प्रभावित क्षेत्र पूर्ण वा आंशिकरूपमा पहुँचमा छन् भने केही विवरण सहित नक्सा संलग्न गर्नु होला | | | | | |
| अनुमानित विस्थापित संख्या जम्मा | १३.१.१ पुरुष | १३.१.२ महिला | | | |
| १३.२ विपद् पश्चात लगतै प्रभावित बडाहरुमा के आधारभूत व्यवस्थापनका सुविधाहरु संचालनमा छन्? (उपयुक्तमा ठीक चिन्ह लगाउनुस) | | | | | |
| व्यवस्थापन | छैन | थाहा छैन | आंशिकरूपमा संचालन | पूर्ण संचालन | कैफियत |
| १३.२.१ ईन्धन स्टेशन (Petrol Pump) | | | | | |
| १३.२.२ विद्युत | | | | | |
| १३.२.३ वैकस्तिक उर्जा | | | | | |
| १३.२.४ बाटोको सुविधा | | | | | |
| १३.२.५ यातायातको माध्यम | | | | | |
| १३.२.६ वायु सेवा | | | | | |
| १३.२.७ अन्य | | | | | |
| हेलिकेप्टरको लागि आकस्मिक अवतरण गर्ने स्थानको सम्भावना र अन्य विस्तृत जानकारी भए अलगै कागजमा संलग्न गर्नुहोला। GPS coding पनि गर्नुहोला। | | | | | |
| १३.३ विपद् भए लगतै देखि समुदायमा व्यवस्थापन सम्बन्धी मुख्य समस्या के होला? (उपयुक्तमा ठीक चिन्ह लगाउनुस) | | | | | |
| १३.३.१ हिलो/गिटी <input type="checkbox"/> | १३.३.२ पानी बन्द <input type="checkbox"/> | १३.३.३ पहिरो <input type="checkbox"/> | १३.३.४ पुल विग्रिएको/ भाँतिएको <input type="checkbox"/> | | |
| १३.३.५ बाटो संचालनमा नरहेको <input type="checkbox"/> | १३.३.६ इन्धन उपलब्ध नभएको <input type="checkbox"/> | १३.३.७ एयरपोर्टको धावनमार्ग बिग्रिएको <input type="checkbox"/> | १३.३.८ नदी जतातै बगेको <input type="checkbox"/> | १३.३.९ अन्य <input type="checkbox"/> | |
| सम्भव भए सम्म विस्तृत जानकारीहरु अलगै कागजमा संलग्न गर्नुहोला | | | | | |

| | | | | | |
|--|-------------------------------------|--|--|-------------|--------|
| १३.४ त्यस क्षेत्रमा विग्रिएका संरचनाहरुको अवस्था कस्तो छ ? (उपयुक्तमा ठीक चिन्ह लगाउनुस) | | | | | |
| सेवा प्रदान गर्नको लागि प्रयोग भएका संरचनाहरु | पूर्ण नष्ट (अब प्रयोगमा आउन नसक्ने) | आर्थिक क्षति (तत्काल प्रयोगका लागि असुरक्षित) | केही क्षति (सामान्य मर्मत पश्चात प्रयोग गर्न सकिने) | क्षति नभएको | कैफियत |
| १३.४.१ गोदाम घर | | | | | |
| १३.४.२ सरकारी भवनहरु | | | | | |
| १३.४.३ व्यक्तिगत भवनहरु | | | | | |
| १३.४.४ व्यापारिक भवनहरु | | | | | |
| १३.४.५ इन्धन स्टेसनहरु | | | | | |
| १३.४.६ उच्चाग कारखाना भवनहरु | | | | | |
| १३.४.७ विद्युत स्टेसनहरु र ट्रान्समिसनहरु | | | | | |
| १३.४.८ विमानस्थल (एयरपोर्ट) | | | | | |
| १३.४.९ हेलिकप्टर रास्ते स्थान | | | | | |
| १३.४.१० अन्य | | | | | |
| सम्भव भएसम्म विस्तृत जानकारीहरु अलगै कागजमा संलग्न गर्नुहोला | | | | | |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | | | | |

| १४. आश्रय स्थल समन्वय तथा व्यवस्थापन (camp coordinaton and Managment) | | | |
|--|--------------|--------------|-------|
| १४.१ वडा स्तरको अनुमानित विस्थापित संख्या | १४.१.१ पुरुष | १४.१.२ महिला | |
| १४.२ वडा स्तरको विपद प्रभावित विस्थापित संख्या | महिला | पुरुष | जम्मा |
| १४.२.१ ५ वर्ष मुनिका बालबालिका | | | |
| १४.२.२ ५ वर्षदेखि १८ वर्ष सम्मका | | | |
| १४.२.३ ६० वर्ष भन्दा माथिका वृद्धवृद्धा | | | |
| १४.२.४ अपाङ्गता भएका | | | |
| १४.२.५ अति विरामी | | | |

| | | |
|---|--|--|
| १४.२.६ गर्भवती/दूध चुसाउदै गरेका महिलाहरु | | |
| १४.३ विस्थापितहरुले बसोबास गरिरहेको स्थान | | |
| १४.३.१ स्थानको नाम | १४.३.२ अक्षांश Latitude | १४.३.३ देशान्तर Longitude |
| १४.३.४ उच्चता Altitude | १४.३.५ निकटतम सुरक्षा निकाय अवस्थित स्थान सम्मको दूरी (कि.मी. / कोष) | |
| १४.४ विस्थापितहरुले बसोबास गरिरहेको स्थलका प्रकार | | |
| १४.४.१ स्वस्थापित | १४.४.२ योजनावद्ध | १४.४.३ संकलन क्षेत्र <input type="checkbox"/> |
| १४.५ विस्थापितहरुले बसोबास गरिरहेको स्थानको स्वामित्व | | |
| १४.५.१ व्यक्तिगत <input type="checkbox"/> | १४.५.२ सार्वजनिक <input type="checkbox"/> | १४.५.३ अन्य (खुलाउने) <input type="checkbox"/> |
| १४.६ विस्थापितहरुको दर्ता | १४.६.१ छ <input type="checkbox"/> | १४.६.२ छैन <input type="checkbox"/> |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | |

| | | |
|--|------------------------------|--------------------------------|
| १५. हाल प्रभावित समुदायमा उपलब्ध राहत सहयोगहरु | | |
| १५.१ प्रभावित समुदायहरुले कुनै सहयोग पाइरहेका छन् ? | छन् <input type="checkbox"/> | छैनन् <input type="checkbox"/> |
| १५.१.१.१ यदि छन् भने कसले प्रदान गरेको ? | | |
| १५.१.२.१ यदि छैन भने वितरण गर्ने कुनै योजना छ ? | | |
| १५.२ सबै प्रभावित समुदायहरुलाई(नियमितरूपमा) विपद र राहत/सहयोगको बारेमा जानकारी गराइसकेका छन् ? | छन् <input type="checkbox"/> | छैनन् <input type="checkbox"/> |
| १५.३ के समुदायमा व्यवस्थापन समिति गठन भएको छ ? | छ <input type="checkbox"/> | छैन <input type="checkbox"/> |
| यदि अन्य थप केही भएमा | | |

सन्दर्भ सामग्रीहरु :

१. विपद् जोखिम न्युनिकरण तथा व्यवस्थापन ऐन (संघिय) २०७४, नियमावली २०७५
२. स्थानिय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४।
३. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन २०६७ (अद्यावधिक २०७६)
४. त्रिवेणी गाउँपालिकाको गाउँ वस्तुगत विवरण २०७८
५. विपद् जोखिम राष्ट्रिय रणनीतिक कार्ययोजना, २०१८-२०३०
६. विपद् जोखिम न्यूनीकरण राष्ट्रिय नीति, २०७५
७. जलवायु परिवर्तन निति २०७६
८. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन, २०६७
९. स्थानीय विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायू उत्थानशील योजना तर्जुमा निर्देशिका, २०७४
१०. केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग राष्ट्रिय जनगणनाको तथ्याङ्कगत प्रतिवेदन, २०७८
११. विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि राष्ट्रिय रणनीति, २०६६
१२. विपद् लेखाजोखा मार्गदर्शन २०७२ (अद्यावधिक २०७४)
१३. राष्ट्रिय आपत्कालीन कार्यसञ्चालन विधी, २०७२
१४. स्थानीय अनुकूलन योजना कार्ययोजना, त्रिवेणी गाउँपालिका
१५. त्रिवेणी गाउँपालिकाको प्रथम आवधिक विकास योजना २०८०/०८१-२०८४/०८५)

